HINDI BENGALI SHIKSHA.

By

PANDIT HARIDASS,

AN EXPERIENCED TEACHER.

Formerly Head Master T A V School, Pokaran (Jodhpur)

AND AUTHOR OF

Swasthya Raksha, Angrezi Shiksha, Aqlamandi ka Khazana Kalgyan & Translator of Gulistan, Bhagavada Gita, Rajsingh or Chanchal Kumari etc

FOURTH EDITION

1917

CALCUTTA

Printed by RAMPRATAP BHARGAVA,
at the 'NARSINGH PRESS'
201, Harrison Road
CALCUTTA

चौथी बार २०००]

निवेदन ।

इस पुस्तक की पहली आवृत्ति सन १८११ ई०, दूसरी सन १८१२ ई० और तीसरी सन १८१४ ई० में निकली। प्रथम संस्करण में १०००, द्वितीय में २०००, और तृतीय में २५०० कापियाँ छापी गयीं। इन कई वर्षों में इसकी इतनी कापियोंका छपना और निकल जाना ही, इसकी उपयोगिता का यथेष्ट प्रमाण है।

इस पुस्तक के पहले कोई पुस्तक हमारी नज़र में ऐसी न थी, जिससे हिन्दी जाननेवाले बिना उस्ताद के बँगला सीख सकते, इसीसे इसके प्रकाशित होते ही इसकी बिक्री धड़ाधड़ हुई और हो रही है। युक्तप्रान्त, बिहार और पञ्जाब के सिवा मदरास, बम्बई और बिहार प्रान्तमें भी इसकी खपत अच्छी रही। वकील, बैरिष्टर, प्रोफेसर, विद्यार्थी और मास्टरोंने इसे सब से ज़ियादा पसन्द किया।

सारी दुनिया जानती है, कि विश्वव्यापी महासमर के कारण कागज़ की दर बहुत ही चढ गयी है। जो कागज़ पहले एक रुपये को आता था, वह अब चार रुपये को भी दुष्प्राप्य होगया है। हम तो इसे इस कागज़ के दुर्भिक्ष में छापते भी नहीं, मगर सैकडों सज्जनों के बारम्बार लिखने पर इसे छापना स्वीकार किया, क्योंकि अनेक सज्जनोंने इसे १) में भी खरीदना मंजूर किया। मगर हम पुस्तकों के दाम सस्ते रखने के पक्षपाती हैं, इसलिये इस बार सदा से अत्यन्त बढिया एण्टीक कागज़ लगाकर भी हमने इसका दाम १) न रखकर लागत मात्र ॥) ही रखा है। आशा है, विद्या-प्रेमी सज्जन सन्तुष्ट होंगे और इसे हाथोंहाथ खरीदकर हमें हानि से बचायेंगे।

विनीत—

हरिदास।

हिन्दी बँगला शिक्षा

प्रथम भाग ।

स्वर वर्ण ।

অ আ ই ঈ উ ঊ ঋ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

৯ এ ঐ ও ঔ অং অঃ

ऌ ए ऐ ओ औ अं अः

स्वरों की पहिचान ।

আ অ উ এ ই ঐ

ঊ ঔ ও ঋ ঈ অং

ঌ অঃ

व्यञ्जन वर्ण ।

ক খ গ ঘ ঙ চ ছ

क ख ग घ ङ च छ

জ ঝ ঞ ট ঠ ড ঢ

ज झ ञ ट ठ ड ढ

ণ ত৫ থ দ ধ ন প

ण त थ द ध न प

ফ ব ভ ম য র ল

फ ब भ म य र ल

ব শ ষ স হ ক্ষ ড়

व श ष स ह क्ष ड़

ঢ় য় ৎ ং ঁ

ढ़ य

व्यञ्जनों की पहिचान।

শ	ল	ঘ	হ	ছ	চ	ঠ	ট
ঢ	ঙ	ম	ফ	স	থ	খ	ব
র	ক	ভ	ধ	ঝ	প	ষ	য়
জ	ত	ন	দ	ঞ	ব	ণ	ড
গ	ড়	ক্ষ	য	ঢ়	ঃ	ং	

बंगला गिनती।

১	২	৩	৪	৫
एक	दुइ	तिन	चार	पाँच
৬	৭	৮	৯	১০
छय	सात	आट	नय	दश

ध्यान देने योग्य बातें।

नोट (१) "ঞ" इसको बंगलामें वर्गीय "ज" कहते हैं। इसका इस्तेमाल ऐसे शब्दोंमें होता है जैसे, जल, जानवर, जगन्नाथ, जीव, जन्तु इत्यादि।

नोट (२) "য" इसको अन्तस्थ "ज" बोलते हैं, मगर असल में यह वहाँ ही इस्तेमाल होता है, जहाँ हिन्दी में "य" होता है। जैसे, यत्न, योग इत्यादि। *

नोट (३) बंगलामें "ব" और "ব" जुदे जुदे नहीं होते, अर्थात् एकही ही होते हैं।

नोट (४) बंगला और हिन्दी के निम्नलिखित अक्षरोंमें कुछ न कुछ समानता है।

ঘ	घ,	ড	ङ,	ঢ	ढ,
ন	न,	ব	व,	ম	म,
ল	ल,	ঃ	;,	ँ	ँ

नोट (५) बंगला के निम्नलिखित अक्षरोंके लिखनेमें बहुत थोड़ा भेद है। पढ़नेवालों को उनकी बारीकियाँ खूब समझ लेनी चाहिये।

ঘ য ষ য়, ঙ ড ড়, ণ ন, ব ব, ধ ব,

ব য প য, ভ হ ভ, থা ন, ব র, ঘ ব,

ই ই, উ ঊ ড, ঋ ঝ,

হ হু, ত জ ড, ঝ ঋ,

* बंगाली लोग 'य' का उच्चारण अक्सर 'ज' के माफ़िक करते हैं। "यव" को "जब" और 'याग' को 'जोग' कहते हैं।

बँगला अक्षरों का उच्चारण।

बंगला अक्षरोंको उच्चारण करते समय इस बातपर विशेष ध्यान रखना चाहिये, कि हिन्दीके समान अकारान्त शब्दों का उच्चारण ओकार के स्वरूप की हलकी मात्रा लगाकर किया जाता है। जैसे हिन्दी में "परिमाण" बंगलामें "पोरिमाण" "प" = "पो", "परिमल" "पोरिमल" इत्यादि।

बँगला शब्दोंका उच्चारण।

बंगभाषामें शब्दोंको लावण्ययुक्त बनानेके लिये, कितने ही स्थानों पर उच्चारण बिगाड़ दिया जाता है, जैसे श्मशान—शशान, आत्मा—आत्ता, लक्ष्मी—लक्खी, लक्ष्मण —लक्खँण, पद्म—पद्द, इत्यादि।

य और ज का भेद।

बंगभाषामें यकारान्त अथवा यकार के शब्द नहीं है। अन्य भाषाओंके शब्दोंके व्यवहार करते समय बर्गीय "ज" से ही काम निकाला जाता है।

व और ब का भेद।

बंगलामें "व" के स्थानपर "ब" ही लिखा जाता है। संस्कृत शब्दोंको लिखते समय "व" के स्थान पर "ब" लिखने के साथही साथ उच्चारण भी "ब" ही किया जाता है। जैसे विवेक—बिबेक, विवर्ण—बिबर्ण, वाचाल—बाचाल इत्यादि।



प्रथम अध्याय ।

अक्षरों का जोड़ना ।

पहला पाठ ।

অ ব	অব	अब	ই স	ইস	इस
ঈ খ	ঈখ	ईख	উ স	উস	उस
ঊ খ	ঊখ	ऊख	এ ক	এক	एक
ঐ ব	ঐব	ऐब	অং গ	অংগ	अंग

दूसरा पाठ ।

ক ল	কল	कल	ফ ল	ফল	फल
জ ল	জল	जल	হ ল	হল	हल
ন ল	নল	नल	ব ল	বল	बल
চ ল	চল	चल	ঝ ট	ঝট	झट
প ঢ	পঢ	पढ	প ট	পট	पट
র চ	রচ	रच	ঘ ব	ঘব	घर

तीसरा पाठ।

দ র	দর	दर	ড র	ডর	डर
ধ র	ধর	धर	ন খ	নখ	नख
ভ য়	ভয়	भय	ব ন	বন	बन
র স	রস	रस	শ ঠ	শঠ	शठ

चौथा पाठ।

অপর	अपर	অবশ	अवश
অলস	अलस	অধম	अधम
ইতর	इतर	ঈষৎ	ईषत्
উদর	उदर	উষর	ऊषर
লবণ	लवण	তরল	तरल
বমন	वमन	চরণ	चरण
চরম	चरम	কদম	कदम
শকট	शकट	করট	करट
মর্কট	मर्कट	দখল	दखल
সবল	सबल	দশম	दशम
মদন	मदन	কটক	कटक

पाँचवाँ पाठ ।

𑂍𑂣𑂗	कपट	𑂮𑂧𑂢	समन
𑂠𑂧𑂢	दमन	𑂠𑂬𑂢	दशन
𑂃𑂗𑂪	अटल	𑂃𑂧𑂩	अमर
𑂃𑂮𑂞𑂹	असत्	𑂏𑂩𑂪	गरल
𑂢𑂨𑂢	नयन	𑂩𑂔𑂍	रजक

छठा पाठ ।

𑂃𑂢𑂬𑂢	अनशन	𑂔𑂪𑂒𑂩	जलचर
𑂣𑂩𑂫𑂬	परवश	𑂇𑂣𑂫𑂢	उपवन
𑂃𑂣𑂒𑂨	अपचय	𑂃𑂍𑂣𑂗	अकपट
𑂟𑂩𑂟𑂩	थरथर	𑂠𑂩𑂠𑂩	दरदर
𑂍𑂩𑂫𑂗	करवट	𑂣𑂪𑂗𑂢	पलटन
𑂥𑂩𑂞𑂢	बरतन	𑂧𑂪𑂧𑂪	मलमल
𑂎𑂗𑂧𑂪	खटमल	𑂮𑂩𑂥𑂞	सरबत
𑂮𑂩𑂣𑂗	सरपट	𑂣𑂢𑂐𑂗	पनघट
𑂩𑂣𑂗𑂢	रपटन	𑂯𑂪𑂒𑂪	हलचल
𑂎𑂗𑂣𑂗	खटपट	𑂬𑂬𑂡𑂩	शशधर

बँगला और हिन्दी मात्राएं।

অ	আ	ই	ঈ	উ	ঊ	এ	ঐ	ও	ঔ	অং	অঃ
০	া	ি	ী	ু	ূ	ে	ৈ	ো	ৌ	ং	ঃ
०	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ	ं	ः

नोट—ध्यान देकर देखना चाहिये, कि बंगला और हिन्दी की आकार, इकार और ईकार मात्राओंमें नाम मात्रका अन्तर है। उकार और ऊकार मात्राओंमें भी थोड़ा अन्तर है। एकार, ऐकार, ओकार और औकार मात्राओंमें पूरा २ फ़र्क है। हिन्दीमें एकार और ऐकार मात्राएं अक्षरके सिरपर लगती हैं, किन्तु बंगला में एकार और ऐकार मात्राएं अक्षर के बाद बगल लिखी जाती हैं। इसी तरह ओकार और औकार मात्राओं में भी भेद है। हिन्दीमें आकार मात्रा अक्षर को बगल में, दाहिनी तरफ़ और एकार और ऐकार सिरपर लगती हैं, किन्तु बंगला में आकार मात्रा तो हिन्दी की तरह अक्षर के दाहिनी तरफ ही लगती है, किन्तु एकार और ऐकार मात्रा वही अक्षरकी बाईं तरफ बगल में लिखी जाती हैं। नीचे हम चन्द अक्षरों की बारहखड़ी लिखते हैं। पढ़ने वाले हिन्दी और बंगला मात्राओं के भेद को अच्छी तरह समझ लें। जिस तरह क, ख, ग, घ, की बारहखड़ी लिखी है, उसी तरह शेष सब अक्षरों की बारहखड़ी समझनी चाहिये।

बारह खड़ी ।

ক	কা	কি	কী	কু	কূ	কে	কৈ	কো	কৌ	কং	কঃ
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
খ	খা	খি	খী	খু	খূ	খে	খৈ	খো	খৌ	খং	খঃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
গ	গা	গি	গী	গু	গূ	গে	গৈ	গো	গৌ	গং	গঃ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
ঘ	ঘা	ঘি	ঘী	ঘু	ঘূ	ঘে	ঘৈ	ঘো	ঘৌ	ঘং	ঘঃ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः

दूसरा अध्याय।

प्रथम पाठ।

গান	गान	তাল	ताल
নাম	नाम	শাক	शाक
লাভ	लाभ	পাস	पास
দান	दान	রাগ	राग
বাস	बास	ঘাস	घास
কাক	काक	জাম	जाम
মান	मान	বাণ	बाण
কাল	काल	জাল	जाल
কান	कान	ছাপ	छाप
ছাল	छाल	লতা	लता
কথা	कथा	দযা	दया
জরা	जरा	কায়া	काया
ভাষা	भाषा	মাথা	माथा
পাতা	पाता	জটা	जटा

বালক	बालक	চালক	चालक
সমান	समान	বাচাল	वाचाल
ভাবনা	भावना	কাপাস	कापास
কপাট	कपाट	সাহস	साहस
কারণ	कारण	তাডনা	ताडना
পাষাণ	पाषाण	করাল	कराल
মরাল	मराल	যাতনা	जातना
অপার	अपार	অকাল	अकाल
সকাল	सकाल	অসার	असार
পকানা	पकाना	পঢ়ানা	पढाना
ডালনা	डालना	টগরা	टगरा
অবাক	अवाक	আকর	आकर
পাঠক	पाठक	দানব	दानव
পাশব	पाशव	গাজর	गाजर
বাদাম	वादाम	বঢ়ানা	वढाना
বতানা	वताना	বরষা	वरषा
পলাশ	पलाश	সারস	सारस

दूसरा पाठ।

দিন	दिन	হিম	हिम
যদি	यदि	দধি	दधि
তিল	तिल	গতি	गति
রবি	रवि	তরি	तरि
নিধি	निधि	মণি	मणि
লিপি	लिपि	চিনি	चिनि
কিস	किस	জিস	जिस
কিন	किन	দিল	दिल
বিহিত	विहित	অশনি	अशनि
বিনয়	विनय	হরিণ	हरिण
শিশির	शिशिर	অবধি	अवधि
মলিন	मलिन	কঠিন	कठिन
দিবস	दिवस	কিরণ	किरण
বিলয়	विलय	নিয়ত	नियत
অগতি	अगति	মিলাপ	मिलाप
রিঝানা	रिझाना	বিগাড়া	बिगाड़ा

তীসরা পাঠ।

কালী	काली	শীত	शीत
তীর	तीर	কীর	कीर
দীন	दीन	নীর	नीर
কীট	कीट	বীর	वीर
গীত	गीत	নীল	नील
নদী	नदी	ধনী	धनी
ঘটী	घटी	জয়ী	जयी
শশি	शशि	বলী	बली
চীতা	चीता	চীন	चीन
পদবী	पदवी	রজনী	रजनी
গভীর	गभीर	অধীর	अधीर
জীবন	जीवन	নীরস	नीरस
ধমনী	धमनी	শীতল	शीतल
শরীর	शरीर	কীমত	कीमत
কীরত	कीरत	জীরক	जीरक

চৌথা পাঠ।

কুল	कुल	ক্ষুধা	क्षुधा
সুধা	सुधा	ঘুণ	घुण
তুষ	तुष	যুগ	जुग
বুধ	बुध	সুখ	सुख
মুখ	मुख	লঘু	लघु
পটু	पटु	কটু	कटु
তনু	तनु	মধু	मधु
ধনু	धनु	মুগ	मुग
কুভাব	कुभाव	মুকুট	मुकुट
কুমতি	कुमति	কুমুদ	कुमुद
কুমার	कुमार	কুশল	कुशल
কুকুর	कुकुर	অতনু	अतनु
চতুর	चतुर	আকুল	आकुल
কুফল	कुफल	লুটন	लुटन
পুনীত	पुनीत	মুখর	मुखर
মুটরী	मुटरी	মধুর	मधुर

पाचवाँ पाठ ।

কূপ	कूप	দূত	दूत
ভূত	भूत	সূপ	सूप
শূল	शूल	মূঢ	मूढ
ধূম	धूम	পূজা	पूजा
মূল	मूल	পূত	पूत
মূক	मूक	মূছ	मूछ
দূষণ	दूषण	ভূষণ	भूषण
নূতন	नूतन	শূকর	शूकर
ময়ূর	मयूर	অকূল	अकूल
পূরণ	पूरण	পূতনা	पूतना
মূষক	मूषक	মূষল	मूषल

छठा पाठ ।

কৃত	कृत	কৃপা	कृपा
কৃমি	कृमि	কৃশ	कृश

কৃষি	कृषि	গৃহ	गृह
ঘৃত	घृत	পৃথু	पृथु
দৃঢ়	दृढ़	মৃত	मृत
কৃপণ	कृपण	কৃষক	कृषक
গৃহিণী	गृहिणी	মৃতক	मृतक
অমৃত	अमृत	পৃথক	पृथक
পৃথিবী	पृथिवी	পৃষৎ	पृषत्
মৃণাল	मृणाल	মৃগয়া	मृगया

सातवां पाठ।

কেবা	केवा	কেন	केन
কেশ	केश	কেলি	केलि
নেত	नेत	পেটী	पेटी
বেত	बेत	খেত	खेत
খেদ	खेद	খেল	खेल
গেহ	गेह	চেটী	चेटी
চেলা	चेला		

তেলা	तेला	তেলী	तेली
মেষ	मेष	চেত	चेत
লেই	लेइ	ভেক	भेक
দেব	देव	রেখা	रेखा
মেক	मेक	সেখ	सेख
কেচিৎ	केचित्	কেতক	केतक
কেতাব	केताब	কেদার	केदार
কেমন	केमन	কেশব	केशव
কেশর	केशर	কেশরী	केशरी
পেশকার	पेशकार	বেজার	बेजार
খেতাব	खेताब	খেয়াল	खेयाल
সেচক	सेचक	চেতনা	चेतना
তেবন	तेवन	তেতালা	तेताला
দেবতা	देवता	দেনাদার	देनादार
দেবকী	देवकी	লেপক	लेपक
হেমল	हेमल	রেচন	रेचन

সেনা	सेना	সেনানী	सेनानी
সেবন	सेवन	সেবনী	सेवनी
লেখক	लेखक	লেখনী	लेखनी
লেকড়ী	लेकड़ी	মেখলা	मेखला
মেঘনাদ	मेघनाद	মেতর	मेतर
মেদিনী	मेदिनी	পেয়াজ	पेयाज
সেতখানা	सेतखाना	সেনাপতি	सेनापति

আঠবা পাঠ।

কৈতব	कैतव	কৈরব	कैरव
কৈলা	कैला	শৈল	शैल
তৈল	तैल	হৈম	हैम
শৈব	शैव	বৈদ	वैद
শৈশব	शैशव	গৈগা	गैगा
গৈরা	गैरा	জৈন	जैन
বৈকালী	वैकाली	পৈতা	पैता

পৈশাচ	पैशाच	বৈকাল	बैकाल
বৈঠক	बैठक	বৈতরণী	बैतरणी
ভৈরব	भैरव	ভৈরবী	भैरवी
শৈবাল	शैवाल	শৈল	शैल
সৈনিক	सैनिक	সৈরিভ	सैरिभ
সৈরিক	सैरिक	হৈরিক	हैरिक
বৈতালিক	वैतालिक	শৈবলিনী	शैवलिनी

নবা পাঠ।

সোবা	सोरा	সোসব	सोसर
সোহাগ	सोहाग	লোক	लोक
লোচন	लोचन	লোটন	लोटन
লোণ	लोण	লোধ	लोध
লোপ	लोप	বোগ	रोग
বোচক	रोचक	বোজগাব	रोजगार
বোটি	रोटि	বোদন	रोदन

লোমকূপ	लोमकूप	রোহিণী	रोहिणी
মোট	मोट	মোদক	मोदक
মোন	मोन	মোম	मोम
বোঝা	बोझा	বোধক	बोधक
বোনা	बोना	বোরা	बोरा
বোলী	बोली	পোকা	पोका
পোত	पोत	পোয়াল	पोयाल
পোষক	पोषक	পোষণ	पोषण
দোতালা	दोताला	দোপড়া	दोपड़ा
দোল	दोल	দোহজ	दोहज

দশবা পাঠ।

কৌড়ি	कौड़ि	কৌতর	कौतर
কৌশল	कौशल	কৌতুক	कौतुक
কৌমুদী	कौमुदी	কৌরব	कौरव
কৌশেয	कौशेय	গৌতম	गौतम

গৌর	गौर	গৌরব	गौरव
ডৌল	डौल	পৌধা	पौधा
গৌরী	गौरी	চৌর	चौर
তৌল	तौल	পৌর	पौर
পৌষ	पौष	রৌপা	रौपा
লৌহ	लौह	মৌন	मौन
পৌরক	पौरक	দৌলত	दौलत
রৌরব	रौरव	রৌহিণ	रौहिण
মৌমাছি	मौमाछि	যৌবন	जौबन
মৌলবী	मौलवी	ফৌজদার	फौजदार
দৌবারিক	दौवारिक	পৌরাণিক	पौराणिक

ग्यारहवा पाठ।

দংশ	दंश	মাংস	मांस
অংশ	अंश	পংক	पंक
হংস	हंस	বংশ	वंश

সংবৎ	संवत्	বংশজ	वंशज
শংবর	संवर	হিংসক	हिंसक
সংবদন	संवदन	সংবাদ	संवाद
সংযম	संयम	সংশয়	संशय
সংসদ্	संसद्	দংশন	दंशन
সংসার	संसार	নংশুক	नंशुक
সংকলন	संकलन	বংশকর	वंशकर

बारहवां पाठ ।

নভঃ	नभः	দুঃখ	दुःख
নিঃসার	निःसार	নিঃশেষ	निःशेष
দুঃসহ	दुःसह	দুঃশীল	दुःशील
নিঃকারণ	निःकारण	নিঃকাসন	निःकासन
নিঃসংশয়	निःसंशय	অধঃপাত	अधःपात
দুঃশাসন	दुःशासन	দুঃসময়	दु.समय

পন্দ্রহবা পাঠ ।

পরিশোধ	পরিশোধ	অনুশীলন	অনুশীলন
কচহবী	কাচহরী	চূড়াকবণ	চূড়াকরণ
কটাৱ	কটার	জাতীয	জাতীয়
কবচ	কবচ	তনয়	তনয়
কবিতা	কবিতা	অনুজ	অনুজ
কমঠ	কমঠ	পরিণাম	পরিণাম
কবিণী	করিণী	তপোবল	তপোবল
কলম	কলম	তামাসা	তামাসা
কলস	কলস	কাকাবলী	কাকাবলী
তুলা	তুলা	কাকী	কাকী
দশনবাসাঃ	দশনবাসা	কাগজক	কাগজক
দুশ্[illegible]	দশমূল	কাতেল	কাতিল
[illegible]	পরিহাস	দিকদাবী	দিকদারী
	কামবালা	দেবকুসুম	দেবকুসুম
	[illegible]	দোষাদোষি	দোষাদোষি
		ধনপতি	ধনপতি

चौदहवा पाठ।

অভিলাষ	अभिलाष	অকাল	अकाल
অতাত	अतात	অতাপ	अताप
অনুশাসন	अनुशासन	আতবাদ	आतवाद
অতীত	अतीत	অতীব	अतीव
অনামক	अनामक	অনাময়	अनामय
অনুগমন	अनुगमन	অনুরাগ	अनुराग
আদর	आदर	আতপ	आतप
আপন	आपन	আমূল	आमूल
আবীর	आवीर	আশপাশ	आशपाश
আলোক	आलोक	আশিস্	आशिस्
ইতিহাস	इतिहास	ইদং	इदं
ইদানীং	इदानी	ইমান	इमान
ইহকাল	इहकाल	ইহলোক	इहलोक
ইহারা	इहारा	ঈদ	ईद
ঈশ	ईश	ঈশান	ईशान
অনুমোদন	अनुमोदन	অনুমান	अनुमान

পন্দ্রহবা পাঠ।

পবিশোধ	परिशोध	অনুশীলন	अनुशीलन
কচহবী	कचहरी	চূড়াকরণ	चूड़ाकरण
কটার	कटार	জাতীয়	जातीय
কবচ	कवच	তনয	तनय
কবিতা	कविता	অনুজ	अनुज
কমঠ	कमठ	পরিণাম	परिणाम
কবিণী	करिणी	তপোবল	तपोबल
কলম	कलम	তামাসা	तामासा
কলস	कलस	কাকাবলী	काकावली
তূলা	तूला	কাকী	काकी
দশনবাসাঃ	दशनवासाः	কাগজক	कागजक
দশমূল	दशमूल	কাতেল	कातेल
পবিহাস	परिहास	দিকদাবী	दिकदारी
কামকলা	कामकला	দেবকুসুম	देवकुसुम
কুমাবিকা	कुमारिका	দোষাদোষি	दोषादोषि
কোকনদ	कोकनद	ধনপতি	धनपति

কোপাল	कोपाल	ধনাধিপ	धनाधि
কোমলতা	कोमलता	নব বধূ	नव ब
গজানন	गजानन	নিমিষ	निमि
গামলা	गाम्‌ला	নিরাহার	निराह
গোদোহন	गोदोहन	নিরবকাশ	निरवक
চকোর	चकोर	নিশাপতি	निशापि
চাঁদী	चाँदी	নীলমণি	नीलमि
চাঁপকলি	चँापकलि	চাটবাদী	चाटबाव

सोलहवा पाठ।

অনুপায়	अनुपाय	পিকদান	पिकदा
ফলোদয়	फलोदय	ফুঁকন	फूँका
অভিমান	अभिमान	ফৌজদারী	फौजदा
ফৌতিক	फौतिक	অবিবেচনা	अविवेच
বিভাবনা	विभावना	বিবিধ	विवि
বিবাদ	विवाद	বিমোহন	विमोहन
বেতাকুক	वेत्रकुक	বৈতালিক	वैतालि
ভবনমোহন	भवनमोहन	ভূতকাল	भूतकाल

ভূতনাথ	भूतनाथ	পুরাতন	पुरातन
ভোলানাথ	भोलानाथ	ভৌতি	भौति
ভৌম	भौम	মহাঘোষ	महाघोष
মহাকায	महाकाय	মহিলা	महिला
মহীতল	महीतल	লাভালাভ	लाभालाभ
লোলুপ	लोलुप	শতদল	शतदल
শনিবার	शनिवार	শাসনীয	शासनीय
শিশির	शिशिर	সদৃশতা	सदृशता

सत्रहवां पाठ।

গ+উ=গু ग+उ=गु

গুণ	गुण	গুণক	गुणक
গুণকথন	गुणकथन	গুণগান	गुणगान
গুণজনক	गुणजनक	গুণবান	गुणवान
গুণাগুণ	गुणागुण	গুণাকর	गुणाकर
গুণাবলী	गुणावली	গুদাম	गुदाम
গুণযোগ	गुणयोग	গুণহীন	गुणहीन

গুণধর	गुणधर	গুড	गुड
গুটী	गुटी	গুলি	गुलि

अठारहवां पाठ ।

র+উ=রু   र+उ=रु

গুরু	गुरु	গুরুপাক	गुरुपाक
গুরুপাপ	गुरुपाप	চরু	चरु
রুচি	रुचि	রুচিব	रुचिर
রুজ	रुज	রুধির	रुधिर
রুমাল	रुमाल	রুহক	रुहक
তরু	तरु	গরু	गरु

उन्नीसवा पाठ ।

শ+উ=শু   श+उ=शु

শুক	शुक	শুকনা	शुकना
শুচ	शुच	শুচি	शुचि
শুভ	शुभ	আশুতোষ	आशुतोष
পশুপতি	पशुपति	পশুরাজ	पशुराज

बीसवा पाठ ।

হ+উ=হু   ह+उ=हु

হুকুম हुकुम   হুড हुड

হুতবহ हुतवह   হুতাশন हुताशन

বহু वहु   বহুধা वहुधा

इक्कीसवा पाठ ।

র+ঊ=রূ   र+ऊ=रू

রূপ रूप   নিরূপণ निरूपण

রূপবতী रूपवती   রূপা रूपा

অপরূপ अपरूप   আরূঢ় आरूढ

बाईसवा पाठ ।

হ+ঋ=হৃ   ह+ऋ=हृ

অপহৃত अपहृत   হৃদয় हृदय

সুহৃদ सुहृद   হৃষ हृष

হৃষীকেশ हृषीकेश   হৃদেশ हृदेश

तीसरा अध्याय ।

मिले हुए अक्षर ।

प्रथम पाठ ।

য ফলা। ্য यफला ।

ক+য=ক্য	বাক্য,	শাক্য,	চালুক্য
क+य=क्य	वाक्य	शाक्य,	चालुक्य
খ+য=খ্য	সুখ্যাতি,	আখ্যান,	অখ্যাতি
ख+य=ख्य	सुख्याति,	आख्यान,	अख्याति
গ+য=গ্য	আরোগ্য,	যোগ্য,	সৌভাগ্য
ग+य=ग्य	आरोग्य,	योग्य,	सौभाग्य
চ+য=চ্য	বিবেচ্য,	আলোচ্য,	বচ্য
च+य=च्य	विवेच्य,	आलोच्य,	वच्य
জ+য=জ্য	রাজ্য,	জ্যামিতি,	জ্যোতি
ज+य=ज्य	राज्य,	ज्यामिति,	ज्योति
ট+য=ট্য	অকাট্য,	নাট্য,	কাপাট্য
ट+य=ट्य	अकाट्य,	नाट्य,	कापाट्य
ঠ+য=ঠ্য	সুপাঠ্য,	পাঠ্য,	অপাঠ্য
ठ+य=ठ्य	सुपाठ्य,	पाठ्य,	अपाठ्य

ড+য=ড্য	জাড্য	জাড্যাদি	
ড+য=ড্য	জাড্য	জাড্যাদি	
ঢ+য=ঢ্য	ধনাঢ্য	আঢ্য	সনাঢ্য
ঢ+য=ঢ্য	ধনাঢ্য	আঢ্য	সনাঢ্য
ণ+য=ণ্য	লাবণ্যবতী,	পুণ্যবান	
ণ+য=ণ্য	লাবণ্যবতী	পুণ্যবান	
ত+য=ত্য	অনিত্য,	ত্যাগ,	অমাত্য
ত+য=ত্য	অনিত্য,	ত্যাগ	অমাত্য
থ+য=থ্য	রথ্যা,	মিথ্যা,	অপথ্য
থ+য=থ্য	রথ্যা,	মিথ্যা	অপথ্য
দ+য=দ্য	সদ্য,	আদ্য,	গদ্য
দ+য=দ্য	সদ্য,	আদ্য,	গদ্য
ধ+য=ধ্য	বধ্য,	ভগবমধ্য,	আরাধ্য
ধ+য=ধ্য	বধ্য,	ভগবমধ্য,	আরাধ্য
ন+য=ন্য	বন্য,	জন্য,	জঘন্য
ন+য=ন্য	বন্য,	জন্য,	জঘন্য
প+য=প্য	রৌপ্য,	গোপ্য,	আলাপ্য
প+য=প্য	রৌপ্য,	গোপ্য,	আলাপ্য
ভ+য=ভ্য	লভ্য,	সভ্যতা,	আরভ্য
ভ+য=ভ্য	লভ্য,	সভ্যতা,	আরভ্য
ম+য=ম্য	ম্যোর,	ধৌম্য,	সৌম্য
ম+য=ম্য	ম্যোর,	ধৌম্য,	সৌম্য

ল+য=ল্য	লাল্যকাল,	মূল্যবান,	কল্যাণ
ल+य=ल्य	बाल्यकाल,	मूल्यवान,	कल्याण
ব+য=ব্য	ব্যয়,	ব্যথা,	ব্যোপার
व+य=व्य	व्यय,	व्यथा,	व्योपार
শ+য=শ্য	শ্যামতা,	শ্যালক,	প্রকাশ্য
श+य=श्य	श्यामता,	श्यालक,	प्रकाश्य
ষ+য=ষ্য	পোষ্য,	শিষ্য,	মনুষ্য
ष+य=ष्य	पोष्य,	शिष्य,	मनुष्य
স+য=স্য	আলস্য,	শস্য,	ঔদাস্য
स+य=स्य	आलस्य,	शस्य,	औदास्य
হ+য=হ্য	দহ্যমান,	মুহ্যমান,	লেহ্য
ह+य=ह्य	दह्यमान,	मुह्यमान,	लेह्य

दूसरा पाठ ।

र फला । র ফলা ।

ক+র=ক্র	তক্র,	শক্র,	চক্রপাণি
क+र=क्र	तक्र,	शक्र,	चक्रपाणि
গ+র=গ্র	অগ্রজ,	গ্রাহক,	গ্রাহী
ग+र=ग्र	अग्रज,	ग्राहक,	ग्राही
ঘ+র=ঘ্র	শীঘ্র,	অবঘ্রাণ,	আঘ্রাণ
घ+र=घ्र	शीघ्र,	अवघ्राण,	आघ्राण

জ+র=জ্র	বজ্রপাত,	বজ্রপাণি,	বজ্রাঙ্কুশ
জ+র=জ্র	বজ্রপাত,	বজ্রপাণি,	বজ্রাঙ্কুশ
ত+র=ত্র	পাত্র,	মিত্র,	ত্রাস
ত+র=ত্র	পাত্র,	মিত্র,	ত্রাস
দ+র=দ্র	মদ্ররাজ,	ভদ্র,	দ্রাবক
দ+র=দ্র	মদ্ররাজ,	ভদ্র,	দ্রাবক
ধ+র=ধ্র	ধ্রুব,	গৃধ্র,	ধ্রুবরেখা
ধ+র=ধ্র	ধ্রুব,	গৃধ্র,	ধ্রুবরেখা
প+র=প্র	প্রবাসী,	প্রলয়,	প্রসাদ
প+র=প্র	প্রবাসী,	প্রলয়,	প্রসাদ
ভ+র=ভ্র	ভ্রূণ,	ভ্রমণ,	জাতিভ্রংশ
ভ+র=ভ্র	ভ্রূণ,	ভ্রমণ,	জাতিভ্রংশ
ম+র=ম্র	আম্র,	তাম্র,	নম্র
ম+র=ম্র	আম্র,	তাম্র,	নম্র
ব+র=ব্র	ব্রজ,	পরিব্রাজক,	ব্রত
ব+র=ব্র	ব্রজ,	পরিব্রাজক,	ব্রত
শ+র=শ্র	শ্রম,	শ্রীমান্,	শ্রীমতী
শ+র=শ্র	শ্রম,	শ্রীমান্,	শ্রীমতী
হ+র=হ্র	হ্রাস,	হ্রিণীয়া,	হ্রিপিত
হ+র=হ্র	হ্রাস,	হ্রিণীয়া	হ্রিপিত

तीसरा पाठ।

রেফ ´ रेफ ˚

র+ক=র্ক	কর্ক,	তর্ক,	শর্করা
र+क=र्क	कर्क,	तर्क,	शर्करा
র+খ=র্খ	মূর্খ,	সুর্খ,	চর্খা
र+ख=र्ख	मूर्ख,	सुर्ख,	चर्खा
র+গ=র্গ	দুর্গম,	দুর্গতি,	অনর্গল
र+ग=र्ग	दुर्गम,	दुर्गति,	अनर्गल
র+ঘ=র্ঘ	অর্ঘ,	দুর্ঘট,	মহার্ঘ
र+घ=र्घ	अर्घ,	दुर्घट,	महार्घ
র+জ=র্জ	বর্জ,	আর্জন,	পুনর্জাত
र+ज=र्ज	कर्ज,	आर्जन,	पुनर्जात
র+ঝ=র্ঝ	ঝর্ঝরী,	ঝর্ঝর,	নির্ঝর
र+झ=र्झ	झर्झरी,	झर्झर,	निर्झर
র+ণ=র্ণ	পর্ণকুটী,	মহার্ণব,	কর্ণধার
र+ण=र्ण	पर्णकुटी,	महार्णव,	कर्णधार
র+থ=র্থ	অর্থহানি,	গতার্থক,	চতুর্থাংশ
र+थ=र्थ	अर्थहानि,	गतार्थक,	चतुर्थांश
র+প=র্প	কূর্পর,	দর্পণ,	খর্পর
र+प=र्प	कूर्पर,	दर्पण,	खर्पर

র+ব=র্ব	নির্ব্বল,	দুর্ব্বল,	গর্ব্ব
र+ब=र्ब	निर्ब्बल,	दुर्ब्बल,	गर्ब्ब
র+ভ=র্ভ	গর্ভকোষ,	দুর্ভক্ষ,	চতুর্ভুজ
र+भ=र्भ	गर्भकोष,	दुर्भक्ष,	चतुर्भुज
র+য=র্য	দুর্য্যোধন,	তির্য্যক,	মর্য্যাদা
र+य=र्य	दुर्य्योधन,	तिर्य्यक,	मर्य्यादा
র+ল=র্ল	দুর্ল্লিত,	দুর্ল্লভ,	বার্লি
र+ल=र्ल	दुर्ललित,	दुर्लभ,	बार्लि
র+শ=র্শ	অর্শ,	দর্শক,	আদর্শ
र+श=र्श	अर्श,	दर्शक,	आदर्श
র+ষ=র্ষ	লোমহর্ষ,	মহর্ষি,	বর্ষণ
र+ष=र्ष	लोमहर्ष,	महर्षि,	बर्षण
র+হ=র্হ	গর্হিত,	শাস্ত্রার্হ,	গার্হস্থ্য
र+ह=र्ह	गर्हित,	शास्त्रार्ह,	गार्हस्थ्य ॥

चौथा पाठ ।

ক+ম=ক্ম	রুক্মকার,	রুক্মিণীকান্ত
क+म=क्म	रुक्मकार,	रुक्मिणीकान्त
গ+ম=গ্ম	যুগ্ম,	বাগ্মী
ग+म=ग्म	युग्म,	वाग्मी

नोट—याद रखना चाहिये कि बँगाली लोग "दुर्य्योधन" को दुर्जोधन और "मर्य्यादा" को "मर्जादा" बोलते हैं ।

জ+ব=জ্ব	জটাজ্বাল,	জ্বর,	জ্বলন
জ+ব=জ্ব	জটাজ্বাল,	জ্বর,	জ্বলন
ট+ব=ট্ব	খট্বা,	খট্বাঙ্গ,	
ট+ব=ট্ব	খট্বা,	খট্বাঙ্গ	
ত+ব=ত্ব	মহত্ব,	ত্বরা,	সত্বর
ত+ব=ত্ব	মহত্ব,	ত্বরা,	সত্বর
দ+ব=দ্ব	দ্বারপাল,	অদ্বিতীয়,	দ্বারা
দ+ব=দ্ব	দ্বারপাল,	অদ্বিতীয়,	দ্বারা
ধ+ব=ধ্ব	মোরধ্বজ,	গরুড়ধ্বজ,	ধ্বংস
ধ+ব=ধ্ব	মোরধ্বজ,	গরুড়ধ্বজ,	ধ্বংস
শ+ব=শ্ব	বিশ্বাসপাত্র,	শ্বাসরোগ,	নিশ্বাস
শ+ব=শ্ব	বিশ্বাসপাত্র,	শ্বাসরোগ,	নিশ্বাস
স+ব=স্ব	স্বরান্ত,	স্বাদু,	স্বর
স+ব=স্ব	স্বরান্ত,	স্বাদু,	স্বর
হ+ব=হ্ব	জিহ্বা,	আহ্বান,	বিহ্বল
হ+ব=হ্ব	জিহ্বা,	আহ্বান,	বিহ্বল



सातवा पाठ ।

ষ+ণ=ষ্ণ	বিষ্ণু	কৃষ্ণ	জিষ্ণু
ष+ण=ष्ण	विष्णु	कृष्ण	जिष्णु
গ+ন=গ্ন	নগ্ন	লগ্নিকা	দাবাগ্নি
ग+न=ग्न	नग्न	लग्निका	दावाग्नि
ঘ+ন=ঘ্ন	কৃতঘ্ন	রোগঘ্ন	বিঘ্ন
घ+न=घ्न	कृतघ्न	रोगघ्न	विघ्न
ত+ন=ত্ন	রত্ন	যত্ন	রত্নাকর
त+न=त्न	रत्न	यत्न	रत्नाकर
ন+ন=ন্ন	অন্নপ্রাশন	ছিন্নভিন্ন	আচ্ছন্ন
न+न=न्न	अन्नप्राशन	छिन्नभिन्न	आच्छन्न
শ+ন=শ্ন	প্রশ্ন	প্রশ্নদূতী	
श+न=श्न	प्रश्न	प्रश्नदूती	

आठवा पाठ ।

ক+ক=ক্ক	চক্কী	মক্কা	তুক্ক
क+क=क्क	चक्की	मक्का	तुक्क
ক+ত=ক্ত	রক্ত	তক্ত	শক্তি
क+त=क्त	रक्त	तक्त	शक्ति

नोट—बंगाली लोग प्राय "ष्ण" का उच्चारण "ष्ट" करते हैं जैसे "कृष्ण" को "कृष्ट" "विष्णु' को विष्टु कहते हैं।

ক+ষ=ক্ষ	তক্ষক	দক্ষিণা	ক্ষমা
क+ष=क्ष	तक्षक	दक्षिणा	क्षमा
গ+ধ=গ্ধ	দুগ্ধ	দগ্ধ	দগ্ধিকা
ग+ध=ग्ध	दुग्ध	दग्ध	दग्धिका
ঙ+ক=ঙ্ক	অঙ্ক	ময়ঙ্ক	শঙ্কা
ङ+क=ङ्क	अङ्क	मयङ्क	शङ्का
ঙ+খ=ঙ্খ	শঙ্খ	শঙ্খিনী	পঙ্খ
ङ+ख=ङ्ख	शङ्ख	शङ्खिनी	पङ्ख
ঙ+গ=ঙ্গ	মঙ্গল	জঙ্গল	মাতঙ্গ
ङ+ग=ङ्ग	मङ्गल	जङ्गल	मातङ्ग

नवाँ पाठ ।

চ+চ=চ্চ	লুচ্চা	চৌবাচ্চা	সচ্চা
च+च=च्च	लुच्चा	चौबाच्चा	सच्चा
[illegible]+ছ=চ্ছ	অচ্ছা	তুচ্ছ	স্বচ্ছ
[illegible]+छ=च्छ	अच्छा	तुच्छ	स्वच्छ
জ+জ[illegible]	মজ্জন	লজ্জাশীল	সজ্জন
[illegible]+ज[illegible]	मज्जन	लज्जाशील	सज्जन
[illegible]	বিজ্ঞতা	বিজ্ঞান	জ্ঞাতা
[illegible]	विज्ञता	विज्ञान	ज्ञाता

ঞ+চ=ঞ্চ	কাঞ্চন	মঞ্চ	বৈঞ্চ
ञ+च=ञ्च	काञ्चन	मञ्च	वैञ्च
ঞ+ছ=ঞ্ছ	লাঞ্ছনা	বাঞ্ছা	মঞ্ছাল
ञ+छ=ञ्छ	लाञ्छना	वाञ्छा	मञ्छाल
ঞ+জ=ঞ্জ	অঞ্জাল	মঞ্জন	মঞ্জিল
ञ+ज=ञ्ज	जञ्जाल	मञ्जन	मञ्जिल

दशवाँ पाठ ।

ট+ট=ট্ট	টট্টি	গট্টী	পট্টী
ट+ट=ट्ट	टट्टी	गट्टी	पट्टी
ণ+ট=ণ্ট	চিরণ্টী	কণ্টক	বণ্টন
ण+ट=ण्ट	चिरण्टी	कण्टक	बण्टन
ণ+ঠ=ণ্ঠ	কুণ্ঠিত	কণ্ঠ	উৎকণ্ঠা
ण+ठ=ण्ठ	कुण्ठित	कण्ठ	उत्कण्ठा
ণ+ড=ণ্ড	ঠণ্ডা	কাণ্ড	দণ্ডপাণি
ण+ड=ण्ड	ठण्डा	काण्ड	दण्डपाणि
ন+ত=ন্ত	চৌরবৃত্তি	চৌরাশক্ত	গন্ত
न+त=न्त	चौरवृत्ति	चौरागन्त	मन्त
ত+থ=ত্থ	উত্থান	উত্থাপন	সমুত্থিত
त+थ=त्थ	उत्थान	उत्थापन	समुत्थित

দ+গ=দগ	উদ্গাব	উদ্গীবণ	সদ্গতি
द+ग=द्ग	उद्गार	उद्गीरण	सद्गति
দ+দ=দ্দ	উদ্দেশ্য	উদ্দাম	তদ্দণ্ডে
द+द=द्द	उद्देश्य	उद्दाम	तद्दण्डे
দ+ধ=দ্ধ	রুদ্ধমান	উদ্ধার	শ্রাদ্ধ
द+ध=द्ध	रुद्धमान	उद्धार	श्राद्ध
দ+ভ=দ্ভ	উদ্ভব	সদ্ভাব	উদ্ভিদ
द+भ=द्भ	उद्भव	सद्भाव	उद्भिद
ন+ত=ন্ত	দিগন্তব	অনন্তর	কান্তা
न+त=न्त	दिगन्तर	अनन्तर	कान्ता

ग्यारहवाँ पाठ।

ন+থ=ন্থ	পন্থ	পান্থশালা	পন্থা
न+थ=न्थ	पन्थ	पान्थशाला	पन्था
ন+দ=ন্দ	নন্দ	কন্দ	ছন্দ
न+द=न्द	नन्द	कन्द	छन्द
ন+ধ=ন্ধ	অন্ধ	দুর্গন্ধ	সন্ধি
न+ध=न्ध	अन्ध	दुर्गन्ध	सन्धि
প+ত=প্ত	তৃপ্ত	সুপ্ত	গুপ্ত
प+त=प्त	तृप्त	सुप्त	गुप्त

ব+দ=ব্দ	শব্দ	অব্দ	
ब+द=ब्द	शब्द	अब्द	
ব+ধ=ব্ধ	লব্ধ	স্তব্ধ	ক্ষুব্ধ
ब+ध=ब्ध	लब्ध	स्तब्ध	क्षुब्ध
প+প=প্প	টপ্পা	ছপ্পর	
प+प=प्प	टप्पा	छप्पर	
ম+প=ম্প	লম্পট	সম্পদ	অনুকম্পা
म+प=म्प	लम्पट	सम्पद	अनुकम्पा
ম+ফ=ম্ফ	গুম্ফিত	লিম্ফ	
म+फ=म्फ	गुम्फित	लिम्फ	
ম+ব=ম্ব	দিগম্বর	চুম্বক	তম্বুরা
म+ब=म्ब	दिगम्बर	चुम्बक	तम्बुरा
ম+ভ=ম্ভ	বিশ্বম্ভর	গম্ভীরতা	
म+भ=म्भ	विश्वम्भर	गम्भीरता	
ল+ক=ল্ক	শুল্ক	মুল্ক	ঝল্ক
ल+क=ल्क	शुल्का	मुल्क	झल्का
ল+প=ল্প	অল্প	কল্প	গল্প
ल+प=ल्प	अल्प	कल्प	गल्प

बारहवा पाठ।

শ+চ=শ্চ	তৎপশ্চাৎ	নিশ্চয়
श+च=श्च	तत्पश्चात्	निश्चय

ষ+ট=ষ্ট   জলকষ্ট   তুষ্টিকর   অষ্টমী

ष+ट=ष्ट   जलकष्ट   तुष्टिकर   अष्टमी

ষ+ঠ=ষ্ঠ   পৃষ্ঠ   চতুষ্ঠয   তপনেষ্ঠ

ष+ठ=ष्ठ   पृष्ठ   चतुष्ठय   तपनेष्ठ

স+ক=স্ক   তস্কর   নিস্ক

स+क=स्क   तस्कर   निस्क

तेरहवां पाठ।

ক+ষ+ণ=ক্ষ্ণ   তীক্ষ্ণ

क+ष+ण=क्ष्ण   तीक्ष्ण

ক+ষ+ম=ক্ষ্ম   লক্ষ্মণ

क+ष+म=क्ष्म   लक्ष्मण

ঙ+ক+ষ=ঙ্ক্ষ   আকাঙ্ক্ষা

ङ+क+ष=ङ्क्ष   आकाङ्क्षा

জ+জ+ব=জ্জ্ব   জাজ্জ্বল্যমান

ज+ज+व=ज्ज्व   जाज्ज्वल्यमान

ত+ত+র=ত্ত্র   পুত্ত্রবধূ,   পুত্ত্র,   ছাত্ত্র

त+त+र=त्त्र   पुत्त्रवधू,   पुत्त्र,   छात्त्र

ত+ত+ব=ত্ত্ব   তত্ত্ববিদ,   তত্ত্বকারক

त+त+व=त्त्व   तत्त्वविद,   तत्त्वकारक

ন+ত+র=ন্ত্র   তন্ত্র,   মন্ত্র   যন্ত্রণা

न+त+र=न्त्र   तन्त्र,   मन्त्र,   यन्त्रणा

ন+দ+র=ন্দ্র   ইন্দ্র,   চন্দ্রকলা,   তন্দ্রা
न+द+र=न्द्र   इन्द्र,   चन्द्रकला,   तन्द्रा
ন+ধ+য=ন্ধ্য   সন্ধ্যা,   বন্ধ্যা,
न+ध+य=न्ध्य   सन्ध्या,   वन्ध्या
ম+প+র=ম্প্র   সম্প্রদান
म+प+र=म्प्र   सम्प्रदान
ম+ভ+র=ম্ভ্র   সম্ভ্রম,   সম্ভ্রান্ত
म+भ+र=म्भ्र   सम्भ्रम,   सम्भ्रान्त
র+চ+চ=র্চ্চ   চর্চ্চা,   চর্চ্চিত
र+च+च=र्च्च   चर्च्चा,   चर्च्चित
র+চ+ছ=র্চ্ছ   মূর্চ্ছিতাবস্থা
र+च+छ=र्च्छ   मूर्च्छितावस्था
র+জ+জ=র্জ্জ   তর্জ্জনী,   দুর্জ্জন,   দুর্জ্জয়
र+ज+ज=र्ज्ज   तर्ज्जनी,   दुर्ज्जन,   दुर्ज्जय

चौदहवा पाठ।

র+দ+দ=র্দ্দ   দুর্দ্দশা,   চতুর্দ্দশী
र+द+द=र्द्द   दुर्द्दशा,   चतुर्द्दशी
র+দ+ধ=র্দ্ধ   অর্দ্ধাশন,   দুর্দ্ধর
र+द+ध=र्द्ध   अर्द्धाशन,   दुर्द्धर
র+ম+ম=র্ম্ম   চর্ম্মকার,   জাতকর্ম্ম,   দুর্ম্মতি
र+म+म=र्म्म   चर्म्मकार,   जातकर्म्म,   दुर्म्मति

র+য+য=র্য্য	সূর্য্যাবর্ত্ত,	ধৈর্য্য,	বীর্য্য	
र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त,	धैर्य्य,	वीर्य्य	
র+ব+ব=র্ব্ব	সর্ব্ব,	খর্ব্ব,	পূর্ব্ব,	দুর্ব্বল
र+व+व=र्व्व	सर्व्व,	खर्व्व,	पूर्व्व,	दुर्व्वल
র+শ+ব=র্শ্ব	পার্শ্বভাগ			
र+श+व=र्श्व	पार्श्वभाग			
ষ+ট+র=ষ্ট্র	রাষ্ট্রীয় সভা			
ष+ट+र=ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा			
স+ত+র=স্ত্র	শাস্ত্র,	স্ত্রী		
स+त+र=स्त्र	शास्त्र,	स्त्री		

चौथा अध्याय।

রিশ্তেদার—স্বজন।

পরমেশ্বর	परमेश्वर	परमेश्वर
মানুষ	मानुष	मनुष्य
পিতা	पिता	बाप
মাতা	माता	मा
ভ্রাতা	भ्राता	भाई
[illegible]	काका	चाचा
[illegible]	मेसो	मौसा

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लड़की
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना।	भान्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	नाना
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी।	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी।	भान्जी
ভাইঝী	भाइझी।	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

র+য+য=র্য্য	সূর্য্যাবর্ত্ত,	ধৈর্য্য,	বীর্য্য	
र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त,	धैर्य्य,	वीर्य्य	
র+ব+ব=র্ব্ব	সর্ব্ব,	খর্ব্ব,	পূর্ব্ব,	দুর্ব্ব
र+व+व=र्व्व	सर्व्व,	खर्व्व,	पूर्व्व,	दुर्व्व
র+শ+ব=র্শ্ব	পার্শ্বভাগ			
र+श+व=र्श्व	पार्श्वभाग			
ষ+ট+র=ষ্ট্র	রাষ্ট্রীয় সভা			
ष+ट+र=ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा			
স+ত+র=স্ত্র	শাস্ত্র,	স্ত্রী		
स+त+र=स्त्र	शास्त्र,	स्त्री		

चौथा अध्याय।

রিশ্তেদার—স্বজন।

পরমেশ্বর	परमेश्वर	परमेश्वर
মানুষ	मानुष	मनुष्य
পিতা	पिता	बाप
মাতা	माता	मा
ভ্রাতা	भ्राता	भाई
কাকা	काका	चाचा
মেসো	मेसो	मौसा

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लडकी
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना।	भाञ्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	मामा
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी।	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी।	भाञ्जी
ভাইঝী	भाइझी।	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

র+য+য=র্য্য	সূর্য্যাবর্ত, ধৈর্য্য, বীর্য্য	
र+य+य=र्य्य	सूर्य्यावर्त्त, धैर्य्य, वीर्य्य	
র+ব+ব=র্ব্ব	সর্ব্ব, খর্ব্ব, পূর্ব্ব, দুর্ব্বল	
र+व+व=र्व्व	सर्व्व, खर्व्व, पूर्व्व, दुर्व्वल	
র+শ+ব=র্শ্ব	পার্শ্বভাগ	
र+श+व=र्श्व	पार्श्व भाग	
ষ+ট+র=ষ্ট্র	রাষ্ট্রীয় সভা	
ष+ट+र=ष्ट्र	राष्ट्रीय सभा	
স+ত+র=স্ত্র	শাস্ত্র, স্ত্রী	
स+त+र=स्त्र	शास्त्र, स्त्री	

चौथा अध्याय।

রিশ্তেদার—স্বজন।

পরমেশ্বর	परमेश्वर	परमेश्वर
মানুষ	मानुष	मनुष्य
পিতা	पिता	बाप
মাতা	माता	मा
ভ্রাতা	भ्राता	भाई
কাকা	काका	चाचा
মেসো	मेसो	मौसा

পিসে	पिसे	फूफा
পুত্র	पुत्र	बेटा
বালক	बालक	बालक
কন্যা	कन्या	कन्या, लड़की
বালিকা	बालिका	बालिका
ভাগিনা	भागिना	भान्जा
ভাইপো	भाइपो	भतीजा
স্বামী	स्वामी	स्वामी
বাবা	बाबा	बाप
ঠাকুর দাদা	ठाकुर दादा	दादा
পিতামহ	पितामह	दादा, बाबा
মাতামহ	मातामह	नाना
জ্যেঠা	ज्येठा	ताऊ
স্ত্রীলোক, মেয়ে মানুষ	स्त्रीलोक, मेये मानुष	स्त्रियाँ
ভগিনী	भगिनी	बहिन
জ্যেঠী	ज्येठी	ताई
কাকী	काकी	काकी, चाची
মাসী	मासी	मौसी
পিসী	पिसी	फूफी, भूआ
ভাগিনী	भागिनी	भान्जी
ভাইঝী	भाइझी	भतीजी
স্ত্রী	स्त्री	पत्नी, बीबी

৩

মা	मा	मा, माता
ঠাকুর-মা	ठाकुर मा	दादी
দিদি-মা	दिदि-मा	नानी
দৌহিত্র	दौहित्र	दौहिता
পৌত্র	पौत्र	नाती,पोता
পৌত্রী	पौत्री	नतनी, पोती
দৌহিত্রী	दौहित्री	दुहिती
মামা	मामा	मामा
মামী	मामी	मामी
জামাই, জামাতা	जामाइ, जामाता	दामाद,जमाई
পুত্রবধূ	पुत्रबधू	बेटेकी बहू
শ্বশুর	श्वशुर	सुसर
শাশুড়ি	शाशुडि	सास
খুড়-শ্বশুর	खुड-श्वशुर	ककिया सुसर
মামা শ্বশুর	मामा श्वशुर	ममिया सुसर
খুড়-শাশুড়ি	खुड शाशुडि	ककिया सास
মামা শাশুড়ি	मामा शाशुडि	ममिया सास
শালা, সম্বন্ধী	शाला, सम्बन्धी	साला
শালী	शाली	साली
ভগিনীপতি	भगिनीपति	बहनोई
ভাজ	भाज	भौजाई
দেবর	देवर	देवर

ভাসুর	भासुर	जेठ
বেয়াই	बेयाइ	समधी (सम्बन्धी)
ননদ	ननद	ननद
বেয়ান	बेयान	समधिन
প্রভু	प्रभु	प्रभु
মনিব	मनिब	मालिक
মনিব-পত্নী	मनिब-पत्नी	मालिकिन
বর	बर	बर, दूल्ह
ক'নেবউ	क'नेबउ	छोटीबहू
বিবাহের ক'নে	बिबाहेर क'ने	दुलहिन
সতীন পো	सतीन पो	सौतेलाबेटा
সতীন-ঝি	सतीन झि	सौतेलीबेटी
ধর্ম্ম পিতা	धर्म्म पिता	धर्म्मपिता
ধর্ম্মমাতা	धर्म्म माता	धर्म्म माता
ধাত্রীপুত্র	धात्री पुत्र	धा भाई
ধাত্রী কন্যা	धात्री कन्या	धा बहिन
পুরোহিত	पुरोहित	प्रोहित
পুরোহিত-পত্নী	पुरोहित-पत्नी	प्रोहितानी
গৃহ শিক্ষক	गृह शिक्षक	घरमें सिखानेवाला
শিক্ষয়িত্রী	शिक्षयित्री	सिखानेवाली
গুরু	गुरु	गुरु
গুরু-পত্নী	गुरु पत्नी	गुरुमाइन

চাকর	चाकर	चाकर, नौकर
মহাজন	महाजन	महाजन
ধনদাতা	धनदाता	बौहरा
বিদেশী	बिदेशी	परदेशी
ঠিকাদার	ठिकादार	ठेकेदार
প্রতিবেশী	प्रतिवेशी ।	पड़ोसी
অপরিচিত ব্যক্তি	अपरिचित व्यक्ति	अजनबी
জমিদার	जमिदार	ज़मींदार
প্রজা	प्रजा ।	किरायेदार
ক্রীতদাস	क्रीतदास ।	गुलाम
ছাত্র	छात्र	छात्र, विद्यार्थी
শিক্ষানবীশ	शिक्षानबीश ।	उम्मेदवार
শিষ্য	शिष्य	शिष्य, शागिर्द
শরীর	शरीर	बदन
মস্তক	मस्तक	मस्तक, सिर
অঙ্গ	अङ्ग	अङ्ग

অঙ্গ প্রত্যঙ্গ।

মাথারখুলি	माथारखुलि	खोपड़ी
মুখমণ্ডল	मुखमण्डल ।	चेहरा
মুখগহ্বর	मुखगह्वर ।	मुँह
দাঁত	दाँत	दाँत

জিভ	जिभ	जीभ
আলজিভ	आलजिभ।	गलेकीकौडी
কণ্ঠ	कण्ठ	गला, कण्ठ
ঘাড	घाड।	गर्दन
গাল	गाल	गाल
চিবুক	चिबुक।	ठोडी
ঠোঁট	ठोँट।	होठ
কাঁধ	काँध।	कन्धा
চোয়াল	चोयाल।	जावडा
বুক	बुक।	छाती
পিঠ	पिठ	पीठ
মেরুদণ্ড	मेरुदण्ड।	पीठका बाँसा
পেট	पेट	पेट
তলপেট	तलपेट।	पेडू
পাকস্থলী	पाकस्थली	पाकस्थली
কোমর	कोमर	कमर
চামডা	चामडा	चमड़ा
ত্বক	त्वक।	चमडा
হাত	हात	हाथ
হাতের কব্জী	हातेर कब्जी	कब्जा
হাতের আঙ্গুল	हातेर आङ्गुल	हाथकी उँगली
বুড়া আঙ্গুল	बुडा आङ्गुल	अँगूठा

চঞ্চু	चञ्चु	चोंच
ডানা	डाना	पर
ডিম্ব	डिम्ब	अण्डा
কীট	कीट	कीड़ा
পিপীলিকা	पिपीलिका	चींटी
উকুণ	उकुण	जूँ
নিকি	निकि	लीक
মাকড়সা	माकड़सा	मकड़ी
গুটিপোকা	गुटिपोका	रेशम का कीड़ा
জোঁক	जोंक	जोंक
ছারপোকা	छारपोका	खटमल
গুবরেপোকা	गुबरेपोका	गुबरीला
সর্প	सर्प	सर्प, साँप
ঝিনুক	झिनुक	सीप
কচ্ছপ	कच्छप	कछुआ
শামুক	शामुक	घोंघा
শঙ্খ, শাঁখ	शङ्ख, शाख	शङ्ख
কুম্ভীর	कुम्भीर	मगर, घड़ियाल
টিকটিকি	टिकटिकि	छिपकली
কেউটেসাপ	केउटेसाप	कालासाँप
কটকটে-বেঙ	कटकटे-बेङ	मेंढक
বিছা	बिछा	बिच्छू

ফুটী	फुटी	फूट
তরমুজ	तरमुज	तरबूज़
খরমুজ	खरमुज	खरबूज़ा
বাদাম	वादाम	बादाम
পিস্তা	पिस्ता	पिस्ता
আঙ্গুর	आङ्गुर	अङ्गूर
কিসমিস	किसमिस	किशमिश
আখরোট	आखरोट	अखरोट
গোলাপ	गोलाप	गुलाब
গাঁদা	गाँदा	गेंदा
যুঁতি	जुँति	चमेली
পদ্ম	पद्म	पद्म, कमल
ধুতুরাফুল	धुतुराफुल	धतूरेकाफूल
শাক সবজী	शाक सब्जी	साग, तरकारी
বাঁধা কপি	बाँधा कपि	बन्द गोभी
ফুলকপি	फुलकपि	फूलगोभी
বেগুন	वेगुन	बैंगन
[illegible]	रसुन	लहसन
	पलाण्डु	प्याज
	गोलआलु	आलू
	लाउ	लौकी
	मूला	मूली

फल और मेवे।

ফল	फल	फल
আম	आम	आम
জাম	जाम	जामुन
কাঁঠাল	काँठाल	कटहल
পিয়ারা	पियारा	अमरूद
নাশপাতি	नाशपाति	नाशपाती
রম্ভা	रम्भा	केला
লেবু	लेबु	नीबू
কমলা লেবু	कमलालेबु	नारङ्गी
দাড়িম	दाड़िम	
তাল	ताल	
খেজুর	खेजुर	
কুল	कुल	
কালজাম	कालजाम	
সুপারি	सुपारि	
আনারস	आनारस	
নারিকেল	नारिकेल	
লিচু	लिचु	
শসা	शसा	
তেঁতুল	तेँतल	

ফুটী	फुटी	फूट
তরমুজ	तरमुज	तरबूज
খরমুজ	खरमुज	खरबूज़ा
বাদাম	बादाम	बादाम
পিস্তা	पिस्ता	पिस्ता
আঙ্গুর	आङ्गुर	अङ्गूर
কিসমিস	किसमिस	किशमिश
আখরোট	आखरोट	अखरोट
গোলাপ	गोलाप	गुलाब
গাঁদা	गाँदा	गेंदा
যুঁতি	जुँति	चमेली
পদ্ম	पद्म	पद्म, कमल
ধুতুরাফুল	धुतुराफुल	धतूरेकाफूल
শাক সবজী	शाक सबजी	साग, तरकारी
বাঁধা কপি	बाँधा कपि	बन्द गोभी
ফুলকপি	फुलकपि	फूलगोभी
বেগুন	बेगुन	बैंगन
রসুন	रसुन	लहसन
পলাণ্ডু	पलाण्डु	प्याज
গোলআলু	गोलआलु	आलू
লাউ	लाउ	लौकी
মূলা	मूला	मूली

मसाले।

মসলা	मसला	मसाले
জয়ত্রী	जयत्री	जावित्री
জিরা	जिरा	ज़ीरा
হরিদ্রা	हरिद्रा	हल्दी
মৌরি	मौरि	सौंफ
জাফ্রান	जाफ्रान	केशर
কস্তুরি	कस्तुरि	कस्तूरी
লবঙ্গ	लवङ्ग	लौंग
কর্পূর	कर्पूर	कपूर
শুঁঠ	शुँठ	सोंठ
গোলমরিচ	गोलमरिच	गोलमिर्च
সরিসা	सरिसा	राई
লঙ্কা	लङ्का	लालमिर्च
আদা	आदा	अदरख
জায়ফল	जायफल	जायफल
এলাইচ	एलाइच	इलायची
তেজপাত	तेजपात	तेजपात
দারুচিনি	दारुचिनि	दालचीनी
পেঁপুল	पेँपुल	पीपर
কাবাবচিনি	कावावचिनि	कवावचीनी
খয়ের	खयेर	खैर, कत्था

खाद्य द्रव्य और बरतन ।

খাদ্য	खाद्य	भोजन
জল	जल	पानी, जल
ভাত	भात	भात
মদ্য	मद्य	मद्य, शराब
রুটী	रुटी	रोटी
ডাল	डाल	दाल
ঝোল	झोल	झोल, शोरवा
অম্বল, টক্	अम्बल, टक्	खट्टा, चटनी
মাছ	माछ	मछली
ডিম্ব	डिम्ब	अण्डा
মাংস	मांस	माँस
পিষ্টক	पिष्टक	टिकिया
দুগ্ধ	दुग्ध	दूध
সাগু	सागु	सागू
মাখম	माखम	मक्खन
ছানা	छाना	छना
দধি	दधि	दही
পনির	पनिर	पनीर
সর	सर	मलाई
ক্ষীর	क्षीर	खीर

कपड़े और ज़ेवर।

পোষাক	पोषाक	पोशाक
অলঙ্কার	अलङ्कार	गहना
কাপড়	कापड़	कपड़ा
চাদর	चादर	चद्दर
পাজামা	पाजामा	पायजामा
কোট	कोट	कोट
কামিজ	कामिज	कमीज़
ঘাগরা	घागरा	घागरा
চোগা	चोगा	चुगा
আস্তিন	आस्तिन	आस्तीन
কোমরবন্ধ	कोमरबन्ध	कमरबन्द
জেব	जेब	जेब
তোয়ালে	तोयाले	तौलिया
দস্তানা	दस्ताना	दस्ताना
টুপি	टुपि	टोपी
পাগড়ী	पागड़ी	पगड़ी
মলমল	मलमल	मलमल
ছিট-কাপড়	छिट कापड़	छींट
মখমল	मखमल	मखमल
পশমী কাপড়	पशमी कापड़	ऊनी कपड़ा

পশম	पशम	ऊन
রেশম	रेशम	रेशम
অস্তর	अस्तर	अस्तर
কঙ্কন	कङ्कन	कङ्गन
বোতাম	बोताम	बोताम, बटन
মোজা	मोजा	मोज़ा
শাল	शाल	शाल, दुशाला
রুমাল	रुमाल	रुमाल
আংটি	आंटि	अँगूठी
হার	हार	हार, माला
ফিতা	फिता	फीता

घर और घरका सामान ।

বাড়ী	बाड़ी	घर
ইমারত বাড়ী	इमारत बाड़ी	इमारत
বসতবাড়ী	बसतबाड़ी	रहनेका मकान
কুঠারী	कुठारी	कोठरी
ছাদ	छाद	छत
দরজা	दरजा	दरवाज़ा
চৌকাট	चौकाट	चौखट

দোলনা	दोल्ना	पालना
লণ্ঠন	लण्ठन	लालटेन
দেওয়ালগিরি	देवालगिरि	दीवालगीरी
ঝাড	झाड	झाड़
প্রদীপ	प्रदीप	चिराग, दीपक
সলতা	सल्ता	बत्ती
বাতী	बाती	मोमबत्ती
খিল	खिल	चिटकनी
শিকল	शिकल	साँकल, ज़ञ्जीर
পেরেক	पेरेक	कील
ইস্ক্রুপ	इस्क्रूप	पेंच, स्क्रू
কড়ি	कड़ि	कड़ी, लट्ठा
ধন্না	धन्ना	कड़ी, धरन
মেজে	मेजे	फ़र्श
দেওয়াল	देवाल	दीवार
সিঁড়ি	सिँड़ि	सीढ़ी
তক্তা	तक्ता	तख़्त
খুঁটি	खुँटि	खूँटी
ফটক	फटक	फाटक
কেদারা	केदारा	कुर्सी
মেজ্	मेज्	मेज़
বাক্স	बाक्स	सन्दूक

চুণ	चुण	चूना
বিলাতী মাটি	बिलाती माटि	विलायती मिट्टी
বাক্সের কল	वाक्सेर कल	ताला
কুলুপ	कुलुप	ताला
চাবি	चाबि	चाभी, कुञ्जी
পর্দ্দা	पर्द्दा	पर्दा
কার্পেট	कार्पेट	दरी
ঘটি	घटि	पानीकी घड़िया
বাটী	बाटी	कटोरी
কড়া	कड़ा	कड़ाह
জলের জালা	जलेर जाला	पानीका माट
কাঁচের বাসন	कांचेर बासन	कांचका बरतन
চীনের বাসন	चीनेर बासन	चीनीका बरतन
কেট্‌লি	केट्लि	देगची
ঝাঁটা	झांटा	झाड़ू
ছাতা	छाता	छाता, छतरी
লাটিম	लाटिम	लट्टू
ছাঁক্‌নি	छांक्नि	छन्ना
চালনী	चालनी	चलनी
জাঁতা	जांता	चक्की
দিয়াশালাই	दियाशालाई	दियासलाई
পুত্তলিকা	पुत्तलिका	गुड़िया

চিরুনী	चिरुनी	कंघी
খেল্‌না	खेल्‌ना	खिलौना
ছড়ি	छड़ि	छड़ी
শাঁক	शाँक	शङ्ख
খড়ি	खड़ि	खड़िया
ছুরি	छुरि	छुरी, चाकू
কম্বল	कम्बल	कम्बल
লেপ	लेप	रजाई
তোশক	तोशक	तोशक
বালিশ	बालिश	तकिया
পাশবালিশ	पाशबालिश	गोल लम्बा तकिया
গদি	गदि	गद्दी
মসারি	मसारि	मच्छड़ी
গামছা	गामछा	अँगोछा
ঝুড়ি	झुड़ि	टोकरी
থলে	थले	थैला
কোচ	कोच	पलँग
বিছানার চাদর	बिछानार चादर	बिस्तरोंकीचद्दर
মোম্‌	मोम्‌	मोम
গালিচা	गालिचा	गलीचा
জীন	जीन	ज़ीन
লাগাম	लागाम	लगाम

চাবুক	चाबुक	चाबुक
ভাঁড়	भांड	भांड़ी
ফাঁদ	फांद	फन्दा

वस्त्र और जूते वगैरः।

আটপৌরে কাপড়	आटपौरे कापड़	हर समय के कपड़े
ধোলাই করা কাপড়	धोलाइ करा कापड़	धुले हुए कपड़े
শীতকালের কাপড়	शीतकालेर कापड़	जाड़ेके कपड़े
সূতার কাপড	सुतार कापड़	सूती कपड़ा
রেশমী কাপড়	रेशमी कापड़	रेशमी कपड़ा
থানি কাপড়	थानि कापड़	कपड़ेका टुकड़ा
মোমের কাপড	मोमेर कापड़	मोमजामा
বনাত	बनात	बनात
ফ্লানেল্	फ्लानेल्	फलालेन
ক্যানবিস	क्यानविस	किरमिच
পকেট	पकेट	जेब
বগলি	बगलि	जेब
গলাসি	गलासि	कॉलर
পরিচ্ছদ	परिच्छद	पोशाक
কোরা কাপড়	कोरा कापड़	कोरा कपड़ा

সাদা কাপড়	सादा कापड़	सफ़ेद कप
ঘোম্‌টা	घोम्‌टा	घूँघ
গরম চাদর	गरम चादर	लिहा
সুতা	सूता	डो
সূচ	सूच	सु
চসমা	चसमा	चश्मा, ऐन
ঘড়ির চেন	घड़िर चेन	घड़ीकी चे
জুতা	जूता	जूत
চটি জুতা	चटि जूता	चपटा जूत

स्कूल और लिखने पढ़ने का सामान।

বিদ্যালয়	बिद्यालय	विद्यालय
চতুষ্পাঠী	चतुष्पाठी	पाठशाला
শিক্ষক	शिक्षक	शिक्षक
অধ্যাপক	अध्यापक	पढानेवाला
বিশ্ববিদ্যালয়	विश्वविद्यालय	विश्वविद्यालय
প্রধান শিক্ষক	प्रधान शिक्षक	प्रधान शिक्षक
অধ্যক্ষ	अध्यक्ष	अध्यक्ष
পাঠার্থী	पाठार्थी	विद्यार्थी

শিক্ষার্থী	शिक्षार्थी	विद्यार्थी
ছাত্র	छात्र	छात्र
পাঠক	पाठक	पढ़नेवाला
পুস্তক	पुस्तक	पुस्तक
পাঠ্য পুস্তক	पाठ्य पुस्तक	पाठ्य पुस्तक
কাগজ	कागज	कागज़
চুষীকাগজ	चुषीकागज	स्याही सोख
কলম	कलम	क़लम
কালি	कालि	स्याही
দোয়াত	दोयात	दावात
পুরস্কার	पुरस्कार	पुरस्कार, इनाम
ফল	फल	फल, परिणाम
শ্রেণী	श्रेणी	दर्जा, श्रेणी
নম্বর	नम्बर	नम्बर
সাপ্তাহিক পরীক্ষা	साप्ताहिक परीक्षा	
পাক্ষিক পরীক্ষা	पाक्षिक परीक्षा।	
মাসিক পরীক্ষা	मासिक परीक्षा।	
দ্বৈমাসিক পরীক্ষা	द्वैमासिक परीक्षा	
ত্রৈমাসিক পরীক্ষা	त्रैमासिक परीक्षा।	
বার্ষিক পরীক্ষা	वार्षिक परीक्षा।	
উচ্চশ্রেণীতে উঠা	उच्चश्रेणीते उठा।	दर्जा चढाना
পুস্তকাগার	पुस्तकागार	पुस्तकालय

रोज़गारी लोग।

উকীল	उकील	वकील
কৌন্সিলি	कौन्सिलि	बड़ा वकील
কৃষক	क्रषक	क्रषक, किसान
ডাক্তার	डाक्तार	डाक्टर
মহাজন	महाजन	महाजन
চিকিৎসক	चिकित्सक	चिकित्सक, वैद्य
নাপিত	नापित	नाई
ধীবর	धीवर	धीवर, मछुवा
বারিষ্টার	वारिष्टार	बैरिष्टर
জেলে	जेले	मछुवा
ভিক্ষুক	भिक्षुक	भिखारी
বাগানেরমালী	वागानेरमाली	वागकामाली
কামার	कामार	लुहार
স্বর্ণকার	स्वर्णकार	सुनार
মাঝি	माझि	माँझी, मल्लाह
স্যাকরা	स्याकरा	सुनार
দপ্তরি	दप्तरि	जिल्दसाज़
মুদী	मुदी	पसारी
পুস্তক বিক্রেতা	पुस्तक विक्रेता	किताबवाला
সহিস	सहिस	साईस

দালাল	दालाल	दलाल
ফিরিওয়ালা	फिरिवाला	फेरिवाला
কসাই	कसाइ	कसाई
বিচারকর্ত্তা	विचारकर्त्ता	विचारक, जज
সূত্রধর, সুথার	सूत्रधर, सुथार	बढ़ई
মজুর	मजुर	मज़दूर
পাহারাদার	पाहारादार	पुलिसकासिपाही
আইন ব্যবসায়ী	आइन व्यवसायी, क़ानूनी पेशेवाला	
জুতা মেরামতকারী	जूता मेरामत कारी	मोची
ফৌজদারী হাকিম	फ़ौजदारी हाकिम	मजिष्ट्रेट
মুচী	मुची	मोची
রাজমন্ত্রী	राजमन्त्री	राज-मन्त्री
রাঁধুনী	राँधुनी	रसोइया
সওদাগর	सओदागर	सौदागर
রাখাল	राखाल	चरवाहा
গোয়ালা	गोयाला	ग्वाला, दूधवाला
দোকানদার	दोकानदार	दूकानदार
ধাত্রী	धात्री	धात्री, दाई
সৈন্য	सैन्य	सिपाही
কলু	कलु	तेली
যোদ্ধা	जोद्धा	योधा
চশমাবিক্রেতা	चशमाविक्रेता,	चश्मा बेचनेवाला

আজ রাত্রি	आज रात्रि	आजरात
গতকল্য	गतकल्य	गया हुआ कल
আগামী কল্য	आगामी कल्य	आनेवाला कल

सप्ताह के दिन और ऋतुएं।

রবিবার	रविवार	रविवार
সোমবার	सोमवार	सोमवार
মঙ্গলবার	मङ्गलवार	मङ्गलवार
বুধবার	बुधवार	बुधवार
বৃহস্পতিবার	वृहस्पतिवार	वृहस्पतवार
শুক্রবার,	शुक्रवार	शुक्रवा
শনিবার	शनिवार	शनिवा
ঋতু	ऋतु	ऋतु-मौस
গ্রীষ্মকাল	ग्रीष्मकाल	गरमीका मौस
বর্ষাকাল	वर्षाकाल	वर्षाका
শরৎকাল	शरत्काल	शरत्का
হেমন্তকাল	हेमन्त काल	हेमन्तका
শীতকাল	शीतकाल	शीतका
বসন্তকাল	वसन्तकाल	वसन्त ऋ

नोट—बंगाली लोग वृहस्पतिवार को "लक्खीवार" औ
"गुरुवार" भी बोलते हैं।

खनिज पदार्थ ।

র্ণ	स्वर्ण	सोना
ৌপ্য	रौप्य	चाँदी
াম্র	ताम्र	ताम्बा
ৌহ	लौह	लोहा
স্পাত	इस्पात	फौलाद
স্তা	दस्ता	जस्ता
ট্কিরি	फट्किरि	फिटकरी
ীসা	सीसा	शीशा
িত্তল	पित्तल	पीतल
ারা, পারদ	पारा, पारद	पारा
ন্ধক	गन्धक	गन्धक
ৈন্ধব লবণ	सैन्धव लवण	सैंधा नमक
ীরক	हीरक	हीरा
ান্না	पान्ना	पन्ना
ুনী	चुनी	चुन्नी

दिशाएँ ।

ত্তরদিক	उत्तरदिक	उत्तर दिशा
ক্ষিণদিক	दक्षिणदिक	दक्खन दिशा

প্রমাণ	प्रमाण	प्रमा
নালিস	नालिश	नालि
খৎ	खत्	दस्ता
পাট্টা	पाट्टा	
জবানবন্দী	जबानबन्दी	ज़बानब
শপথ	शपथ	शपथ, क़
গ্রেপ্তারি পরোয়ানা	ग्रेप्तारि-परवाना	गिरफ्तारीका प वान
মুচলিখা	मुचलिखा	मुचल
নিষ্পত্তি	निष्पत्ति	फैस
খালাস	खालास	रिह
পুনর্ব্বিচার	पुनर्व्विचार	मज़्रसा
নথী	नथी	न
আমমোক্তার নামা	आममोक्तारनामा	आममुख़्तारना
দলিল	दलिल	दली
শুনানি	शुनानि	सुनवा
নীলাম	नीलाम	नीला

संज्ञाविशेषण पद ।

লাল	लाल	लाल

সাদা	सादा	सफेद
শান্ত	शान्त	शान्त
ধূর্ত্ত	धूर्त्त	धूर्त्त
বলবান্	बलवान्	बलवान्
দুর্ব্বল	दुर्ब्बल	कमज़ोर
মোটা	मोटा	मोटा
কৃশ	कृश	कृश, दुबला
সুন্দর	सुन्दर	सुन्दर
ভাল	भाल	अच्छा
সুশ্রী	सुश्री	सुन्दर
কোন	कोन	कोई, कुछ
এ কোন	ए कोन	कोई
কতকগুলি	कतकगुलि	कुछ
অনেক	अनेक	बहुतेरे
এই	एइ	यह
ঐ	ऐ	वह
সেই	सेइ	वह
এই সকল	एइ सकल	ये सब
ঐ সকল	ऐ सकल	वे सब
মন্দ	मन्द	बुरा
বড	बड	बड़ा
বৃহৎ আকার	बृहत् आकार	

মূক	मूक	गूँगा
বোবা	बोबा	गूँगा
দীর্ঘাকার	दीर्घाकार	लम्बा
বেঁটে	बेँटे	बौना
খর্ব্বাকার	खर्व्वाकार	बौना
বিশ্রী	बिश्री	कुरुप
কুৎসিৎ	कुत्सित्	भद्दा
প্রবল	प्रबल	तेज़, ज़ोरावर
গভীর	गभीर	गहरा
উচ্চ	उच्च	ऊँचा
নিম্ন	निम्न	नीचा
গরম	गरम	गरम
শীতল	शीतल	शीतल
ঠাণ্ডা	ठाण्डा	ठण्डा
সুমিষ্ট	सुमिष्ट	मीठा
সুমধুর	सुमधुर	मीठा
দ্রুতগামী	द्रुतगामी	तेज़ चलनेवाला
ভয়ানক	भयानक	भयानक
সংকীর্ণ	संकीर्ण	तङ्ग
বিস্তৃত	विस्तृत	चौड़ा
উপস্থিত	उपस्थित	मौजूद, हाज़िर
অনুপস্থিত	अनुपस्थित	नामौजूद

জীবিত	जीवित	ज़िन्दा
মৃত	मृत	मृत, मुर्दा
প্রফুল্ল	प्रफुल्ल	खुश
গম্ভীর	गम्भीर	गम्भीर
লজ্জাশীল	लज्जाशील	शरमीला
লাজুক	लाजुक	लजीला
শিষ্টাচারী	शिष्टाचारी	शिष्टाचारी
অশিষ্ট	अशिष्ट	गँवार
সাবধান	सावधान	सावधान
অসাবধান	असावधान	गाफ़िल
বিশ্বাসী	विश्वासी	विश्वासी
বিশ্বাসঘাতক	विश्वासघातक	विश्वासघातक
গৃহপালিত	गृहपालित	घरेलू
বে আদব	बे आदब	बे अदब
খিটখিটে	खिट्खिटे	चिरचिरा
নিরুপায়	निरूपाय	नि सहाय
কৃতজ্ঞ	कृतज्ञ	एहसानमन्द
কশা	कशा	कसा हुआ
ঢিলে	ढिले	ढीला
অল্প	अल्प	अल्प, थोड़ा
যথেষ্ট	यथेष्ट	यथेष्ट, काफ़ी
সমুদয়	समुदय	

सर्व्वनाम शब्द ।

আমি	आमि	मैं
তুই	तुइ	तू
আপনি	आपनि	आप
তুমি	तुमि	तुम
আমরা	आमरा	हम
তোমরা	तोमरा	तुम लोग
আপনারা	आपनारा	आपलोग
তিনি	तिनि	वह
সে	से	वह
ইহা	इहा	यह
তাহারা	ताहारा	[illegible]
তাঁহারা	ताँहारा	[illegible]
আমার	आमार	मेरा
আপনার	आपनार	आपका

তোর	तोर	तेरा
তাহার	ताहार	उसका
তাঁহার	तांहार	उसका
আমাদিগের	आमादिगेर	हमारा
তোমার	तोमार	तुम्हारा
তোমাদিগের	तोमादिगेर	तुम्हारा
তাহাদিগের	ताहादिगेर	उनका
আমাকে	आमाके	मुझे
তোকে	तोके	तुझे
আপনাকে	आपनाके	आपको
তোমাকে	तोमाके	तुम्हें
তাহাকে	ताहाके	उसे
ইহাকে	इहाके	इसे
আমাদিগকে	आमादिगके	हमें
তোমাদিগকে	तोमादिगके	तुम्हें
তাহাদিগকে	ताहादिगके	उन्हें

सम्बन्ध और प्रश्न वाचक शब्द ।

যিনি, যে	जिनि, जे	जो
যাহার	जाहार	जिसका
যাহাকে	जाहाके	जिसको

যাহা, যে	जाहा, जे	जो
কে	के	कौन
কাহার	काहार	किसका
কাহাকে	काहाके	किसको
কোন্	कोन्	कोनसा
কি	कि	क्या
কাহারা	काहारा	किनका
কে যে	के के	कौन-कौन
কাহাদিগের	काहादिगेर	किनका
কাহাদিগকে	काहादिगके	किनको
আমি নিজে	आमि निजे	मैं खुद
তুমি নিজে	तुमि निजे	तुम खुद
তিনি নিজে	तिनि निजे	वह खुद
সে নিজে	से निजे	वह खुद
আমরা নিজে	आमरा निजे	हम खुद
তোমরা নিজে	तोमरा निजे	तुम खुद
তাহারা নিজে	ताहारा निजे	वे खुद



গুণ ঔর অবস্থা বাচক বিশেষ্য শব্দ।

দয়া	दया	दया
কৃপা	कृपा	कृपा
উদারতা	उदारता	उदारता
আশা	आशा	आशा
ভয়	भय	भय, डर
দুঃখ	दुःख	दुःख
ক্রোধ	क्रोध	क्रोध
হিংসা	हिंसा	हिंसा
গর্ব্ব	गर्ब्ब	गर्ब्ब, घमण्ड
সহানুভূতি	सहानुभूति	सहानुभूति
শ্রদ্ধা	श्रद्धा	श्रद्धा
বন্ধুতা	बन्धुता	मित्रता
সততা	सतता	ईमानदारी
আগ্রহ	आग्रह	आग्रह
সাহস	साहस	साहस
ধৈর্য্য	धैर्य्य	धैर्य्य
নিষ্ঠুরতা	निष्ठुरता	निष्ठुरता
উচ্চাভিলাষ	उच्चाभिलाष	उच्चाभिलाष

উচ্চাকাঙ্ক্ষা	उच्चाकांचा	उच्चाकांचा
ঘৃণা	घृणा	घृणा
ক্ষমা	क्षमा	क्षमा
আমোদ	आमोद	आमोद, खुशी
ব্যথা	व्याथा	व्यथा, दुःख
ভীরুতা	भीरुता	भीरुता, डरपोकपन
দৈর্ঘ্য	दैर्घ्य	लम्बाई
বিস্তার	विस्तार	चौड़ाई
অভ্যাস	अभ्यास	अभ्यास
বেধ	वेध	मुटाई
গভীরতা	गभीरता	गहराई
উচ্চতা	उच्चता	ऊँचाई
নীচতা	नीचता	नीचता
সম্পদ	सम्पद	सम्पद
বিপদ	विपद	विपद
দুর্গতি	दुर्गति	दुर्गति
বিশুদ্ধতা	विशुद्धता	सफाई
উপস্থিতি	उपस्थिति	हाजिरी
শৈশবকাল	शैशवकाल	
যৌবন	जौवन	
প্রৌঢ়াবস্থা		
উন্মত্তাবস্থা		

লজ্জা	लज्जा	लज्जा
দ্বেষ	द्वेष	द्वेष
ক্ষুধা	क्षुधा	क्षुधा, भूख
পিপাসা	पिपासा	प्यास
নিদ্রা	निद्रा	नींद
অহঙ্কার	अहङ्कार	अहंकार
স্মৃতি	स्मृति	स्मृति
স্নেহ	स्नेह	स्नेह
স্বাস্থ্য	स्वास्थ्य	स्वास्थ्य
দুর্ব্বলতা	दुर्ब्बलता	दुर्ब्बलता
পীড়া	पीड़ा	पीड़ा, बीमारी
বল	बल	बल, ताकत
সৌন্দর্য্য	सौन्दर्य्य	सुन्दरता
স্থূলতা	स्थूलता	मोटापन
কৃশতা	कृशता	दुबलापन
আরাম	आराम	आराम
নম্রতা	नम्रता	नम्रता
সলজ্জভাব	सलज्जभाव	शर्म, हया
শত্রুতা	शत्रुता	शत्रुता
নির্ব্বুদ্ধিতা	निर्बुद्धिता	निर्बुद्धिता
চাকরী	चाकरी	चाकरी, नौकरी
সত্বরতা	सत्वरता	जल्दी

পারগতা	पारगता	लियाक
অমিতব্যয়	अमितव्यय	फिजूलख
ক্ষিপ্রতা	क्षिप्रता	फुर्त
নিস্তব্ধতা	निस्तब्धता	खामोश
উপকারিতা	उपकारिता	उपकारि
আঘ্রাণ	आघ्राण	ग
অধ্যবসায়	अध्यवसाय	अध्यवसा
দুষ্টামি	दुष्टामि	दुष्ट
কৌতূহল	कौतूहल	कौतूह
ভক্তি	भक्ति	भ
গোলমাল	गोलमाल	शोर, हल

সংযুক্ত শব্দ।

পশ্চাদ্ভূমি	पश्चाद्भूमि	पश्चाद्भूमि
গুপ্তসিঁড়ি	गुप्तसिँड़ि	गुप्तसीढ़
স্নানাগার	स्नानागार	स्नान घ
যুদ্ধক্ষেত্র	युद्धक्षेत्र	युद्धक्षे
শয়নকাল	शयनकाल	[illegible]
জন্মদিন	जन्मदिन	[illegible]
জন্মগত-সত্ব	सत्व	

গ্রন্থকীট	ग्रन्थकीट	किताब का कीड़ा
তীরন্দাজ	तीरन्दाज	तीरन्दाज़
সহাধ্যায়ী	सहाध्यायी	सहपाठी
শস্যক্ষেত্র	शस्यक्षेत्र	अनाजका खेत
যুবরাজ	युवराज	युवराज
দিবা-স্বপ্ন	दिवा-स्वप्न	दिनका सुपना
কর্ণাভরণ	कर्णाभरण	कानका गहना
গ্রাম্যভ্রমণ	ग्राम्यभ्रमण	ग्राम की सैर
স্ত্রী শিক্ষা	स्त्री-शिक्षा	स्त्री शिक्षा
চলনপথ	चलनपथ	चलने की राह
পদচিহ্ন	पदचिह्न	पदचिह्न
জ্বালানী কাঠ	ज्वालानी काष्ठ	जलानेकी लकड़ी
স্বর্ণরেণু	स्वर्णरेणु	स्वर्णकी खाक
স্বর্ণ খনি	स्वर्ण खनि	सोने की खान
ঘোড-দৌড়	घोड़ दौड़	घुड़दौड़
আলোকস্তম্ভ	आलोकस्तम्भ	रोशनीका मीनार
বাজার দর	बाजार दर	बाज़ार भाव
জ্যোৎস্না	ज्योत्स्ना	चाँदनी
সংবাদপত্র-বিক্রয়কারী বালক	संवादपत्र-विक्रय कारी बालक	संवादपत्र बेचने वाला लड़का
সংবাদপত্র	संवादपत्र	अखबार
ইন্দ্রধনু	इन्द्रधनु	इन्द्रधनुष

ক্রিয়াপদ।

শোষন করা	सोखना
জিজ্ঞাসা করা	पूछना
আরম্ভ করা	आरम्भ करना
বন্ধন করা (বাঁধা)	बाँधना
ধার করা	उधार लेना
ভগ্ন করা (ভাঙ্গা)	तोडना
আনয়ন করা	लाना
ক্রয় করা (কেনা)	खरीदना
আহ্বান কবা (ডাকা)	पुकारना
ধারণ করা (ধরা)	पकडना
প্রতারণা করা	धोखा देना
কর্ত্তন করা (কাটা)	काटना
করা	करना
উপার্জ্জন করা	कमाना
আহার করা (খাওয়া)	खाना
সুখভোগ করা	सुखभोग करना
অনুমান করা	अनुमान करना
দান করা (দেওয়া)	देना
অধিকার কর (থাকা)	रखना
ক্ষতি করা	नुकसान करना

ঘৃণা করা	घृणा करना
সাহায্য করা	सहायता करना
আঘাত করা	चोट लगाना
উত্তোলন করা	उठाना, चढाना
প্রজ্বলিত করা	आग लगाना जलाना
অগ্রাহ্য করা	न मानना
কল্পনা করা	कल्पना करना, विचारना
কারারুদ্ধ করা	कैद करना
যোগ করা	जोडना, मिलाना
অপমান করা	अपमान करना
বিপর্য্যস্ত করা (উলটান)	उलटना, औंधा करना
নিমন্ত্রণ করা	निमन्त्रण करना, बुलाना
সমর্থন করা	समर्थन करना, सच्ची साबित करना
রক্ষা করা (রাখা)	रचा करना, रखना
পদাঘাত করা (লাথিমারা)	लात मारना
নিহত করা (মারিয়া ফেলা)	मार डालना
বোধগম্য করা (জানা)	जानना
ধার দেওয়া	उधार देना
উত্তোলন করা (তোলা)	उठाना
পরিচালন করা	रास्ता दिखाना, लेजाना
লেহন করা (চাটা)	चाटना
পছন্দ করা	पसन्द करना

সংযুক্ত করা	जोड़ना, मिलाना
নষ্ট করা	खोना
প্রীতি করা (ভালবাসা)	प्रेम करना
অবনত করা	नीचा करना
নির্ম্মাণ করা	बनाना
বন্দোবস্ত করা	बन्दोबस्त करना
খণ্ড খণ্ড করা	टुकड़े-टुकड़े करना
উর্ব্বরা করা (জমীতে সার দেওয়া)	खाद देना
লক্ষ করা	लक्ष करना
বিবাহ করা	विवाह करना
পরিমাণ করা	परिमाण करना तौलना
দ্রব করা (গলান)	गलाना
অবিশ্বাস করা	अविश्वास करना
বিপথে চালিত করা	बहकाना
অস্থানে স্থাপন করা	और की और जगह रखना
ভুল মুদ্রন করা (ভুল ছাপা)	गलत छापना
কু-শাসন করা	अन्धेर करना, बुरी तरह पेश आना
অপব্যবহার করা	बुरी तरह काम में लाना
লাঘব করা	घटाना, कम करना
ঘাস কর্ত্তন করা (ঘাস কাটা)	घास काटना
গুণ করা	गुणा करना
খুন করা (হত্যা করা)	खून करना

নাম করা	नाम लेना
সংকীর্ণ করা	तङ्ग करना
হস্তান্তর করা	हस्तान्तर करना
নামোল্লেখ করা	नाम लेना
লক্ষ করা (টুকে রাখা)	नोट करना, टाँक लेना
অবগত করা	प्रकाश करना, मालूम करना
আজ্ঞাপালন করা	आज्ञापालन करना
ঘুচিয়া যেনা	मिटाना, पौंछना
প্রতিরোধ করা (বাধা দেওয়া)	रोकना
এটর্নি করা	एवज़ी करना
অনুল্লেখ করা (বাদ দেওয়া)	छोड़ना
প্রকাশ করা (খুলিয়া দেওয়া)	खोलना, प्रकाश करना
বিবেচনা করা	विवेचना करना, विचार करना
উৎপীড়ন করা	दबाना, ज़ुल्म करना
আদেশ করা	हुक्म देना
বল প্রয়োগ করা	ज़ियादती करना, ज़बरदस्ती करना
অতিক্রম করা	पीछे छोड़ना, लङ्घन करना
অধিক দাবী করা	अधिक दाम लगाना
পরাজয় করা	जीतना, हराना
অধিক বোঝাই করা	अधिक बोझा लादना
অগ্রাহ্য করা	तरह देना, ध्यान न करना

পুনরুদ্ধার করা	पुनरुद्धार करना
পুনর্লাভ করা	पुनर्लाभ करना, फिरसे पाना
অস্বীকার করা	अस्वीकार करना, इँकार करना
অনুতাপ করা	अनुताप करना, अफ़सोस करना
বর্ণনা করা	बयान करना
শিথিল করা	ढीला करना
মুক্ত করা	छोडदेना
ত্যাগ করা	त्यागना, छोडना
মন্তব্য প্রকাশ করা	राय देना
স্থানান্তর করা	हटाना, स्थानान्तर करना
মেরামত করা	मरम्मत करना
দমন করা	दमन करना
বিমুখ করা	विमुख करना
অনুরোধ করা	अनुरोध करना, दरखास्त क०
কার্য্যত্যাগ করা	इस्तेफ़ा देना, काम छोडना
প্রতিজ্ঞা করা	प्रतिज्ञा करना, प्रण करना
সম্মান করা	सम्मान करना
উত্তর করা	जवाब देना, उत्तर देना
সীমাবদ্ধ করা	सीमाबद्ध करना
খুচরা বিক্রয় করা	फुटकर बिक्री करना
প্রতিশোধ গ্রহণ করা	बदला लेना
প্রত্যুত্তর করা	जवाब पर जवाब देना

বিনষ্ট করা (ধ্বংশ করা)	बरबाद करना
শাসন করা	शासन करना
লুণ্ঠন করা	लूटना
উৎসর্গ করা	बलिदान देना, अर्पण करना
সন্তুষ্ট করা	सन्तुष्ट करना
বিকীর্ণ করা	छितराना
দগ্ধ করা	जलाना, झुलसाना
নখাঘাত করা	नाखून से खरोचना
প্রলোভিত করা	फुसलाना
দর্শন করা (দেখা)	देखना
অনুসন্ধান করা	तलाश करना
আক্রমণ করা	आक्रमण करना
বিক্রয় করা	बेचना
দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করা	सज़ाका हुकम देना
সেবা করা	सेवा करना
চাকরী করা	चाकरी करना
গঠন করা	डौल डालना
ধারাণ করা	तैयार करना
ক্ষৌর কার্য্য করা	हजामत बनाना
আশ্রয় দেওয়া	आश्रय देना
গুলি করা	गोली मारना
সংক্ষেপ করা	संक्षेप करना

লাফান	কূদনা, উছলনা
মিথ্যাবলা	ঝূঁঠ বোলনা
বাস করা	রহনা
উঁকিমারা	ঝাঁকনা
প্রার্থনা করা	প্রার্থনা করনা
বিবাদ করা	ঝগড়া করনা
উঠা	উঠনা
দৌড়ান	দৌড়না
বোধ হওয়া	মালুম হোনা
গান করা	গানা
বসা	বৈঠনা
ঘুমান	সোনা
হাস্য করা	মুস্করানা, হঁসনা
দাঁড়ান	খড়া হোনা
যাত্রা করা	চলনা, রবান৹ হোনা
থাকা	ঠহরনা
থামা	রোকনা, ঠহরনা
সফল হওয়া	সফল হোনা
সাঁতার দেওয়া	তৈরনা
শপথ করা	কসম খানা
„ বলা	বাতচীত করনা
„ হওয়া	নজরমে গায়ব হোনা

[illegible]	कूदना, उछलना
[illegible]	मूँह धोना
[illegible]	बहना
উঁকি মারা	झाँकना
প্রার্থনা করা	प्रार्थना करना
ঝগড়া করা	झगड़ा करना
উঠা	उठना
দৌড়ান	दौड़ना
বোধ হওয়া	मालुम होना
গান করা	गाना
বসা	बैठना
ঘুমান	सोना
হাস্য করা	मुस्कराना, हँसना
দাঁড়ান	खड़ा होना
যাত্রা করা	चलना, रवाना होना
থামা	ठहरना
থামা	रोकना, ठहरना
সফল হওয়া	सफल होना
সাঁতার দেওয়া	तैरना
শপথ করা	कसम खाना
কথা বলা	बातचीत करना
অদৃশ্য হওয়া	नजरसे गायब होना

অপেক্ষা করা	बाट देखना
বেড়ান	सैर करना, घूमना, फिरना
কার্য্যকরা	काम करना
লেখা	लिखना
হাইতোলা	जमुहाई लेना
জাগরিত করা	जगाना
জাগরিত হওয়া	जागना
বহন করা	लेजाना, ढोना
প্রহার করা	मारना
আরম্ভ করা	आरम्भ करना
আজ্ঞা করা	आज्ञा देना
কামড়ান	काटना, डंकमारना
বহা	चलना
ফাটিয়া যাওয়া	फटना
খণ্ডিত করা	खण्डित करना, चीरना
লগ্ন হওয়া	चिपटना, लगना
আসা	आना
কা কা করা	काँव काँव करना
খনন করা	खोदना
টানা	खींचना
পান করা	पीना
ঢাকান	ढाँकना, थमाना

খাওয়া	खाना
পতিত হওয়া	गिरना
দেখা	देखना
উড়া	उडना
শ্রান্ত থাকা	थकना
ভুলিয়া যাওয়া	भूलजाना
জমিয়া যাওয়া	जमना
পাওয়া	पाना
গুঁড়া করা	पीसना
ঝুলান	लटकाना
ফাঁসি দেওয়া	फाँसी देना
গোপন করা	छिपाना
জানা	जानना
বোঝাই করা	लादना
শয়ন করা	लेटना
গলান	गलाना
পক্ষ সমর্থন করা	वकालत करना
আরোহণ করা	सवार होना, चढ़ना
পচা	सडना
করাত দিয়া কাটা	आरे से काटना
চরা	चराना
সিলাই করা	सीना

কম্পিত হওয়া	काँपना
ক্ষৌরী করা	हजामत करना
লোম কর্ত্তন করা	बाल काटना
উজ্জ্বল হওয়া	चमकना
গুলি করা	गोली मारना
দেখান	दिखाना
সঙ্কুচিত হওয়া	सुकडना
মগ্ন হওয়া	डूबना
বসা	बैठना
বপন করা	बोना
সূতা কাটা	सूत काटना
থুথু ফেলা	थूकना
লাফান	छलाँग मारना, कूदना
চুরি করা	चोरी करना
সংযুক্ত থাকা	चिपका रहना, लगा रहना
দড়িতে গাঁথা	डोरी बाँधना
ফুলিয়া উঠা	फूलना
দোলা	झूलना, हिलना
লওয়া	लेना
ছিন্ন করা	फाडना
ছেঁড়া	फाड़ना, चीरना
বর্দ্ধিত হওয়া	बढना

নিক্ষেপ করা	फेंकना
মাড়ান	कुचलना
জাগা	जागना
পরিধান করা	पहनना
বস্ত্র বুনা	कपडा बिनना
নত হওয়া	झुकना
বঞ্চিত করা	वञ्चित करना
মিনতি করা	मिन्नत करना
রক্ত বাহির করা	खून बहाना
বস্ত্র পরা	कपडे पहनना
খরচ হওয়া	खर्च होना
সাহস করা	हिम्मत करना
অনুভব করা	मालुम करना
প্রবাহিত হওয়া	बहना
সোনালী করা	सुनहली करना
বেষ্টন করা	लपेटना, ढकना
রাখা	रखना
শ্রবণ করা	सुनना
হাঁটু গাড়িয়া বসা	घुटनों के बल बैठना
স্থাপন করা	स्थापन करना
ত্যাগ করা	छोडना
প্রজ্বলিত করা	रोशन करना, जलाना

হারান	खोना, गँवाना
শিক্ষা করা	सिखाना
প্রস্তুত করা	बनाना
সাক্ষাৎ করা	मिलना, मुलाकात या भेट करना
টাকা দেওয়া	रुपया देना
আকর্ষণ করা	खींचना
দয়া করা	दया करना
যোগ্য করা	योग्य करना, फिट करना
অন্বেষণ করা	तलाश करना
পাঠান	भेजना
অস্ত যাওয়া	अस्त होना
বিস্তার করা	फैलाना
ঝাঁট দেওয়া	झाड़ना
মনে করা	ख्याल करना, समझना
প্রবেশ করাইয়া দেওয়া	घुसेड़ना
অশ্রুবর্ষণ করা	रोना, आँसू बरसाना
আর্দ্র করা	भिगोना
ভিজান	भिगोना
সানদেওয়া	धार धरना



ক্রিয়া বিশেষণ।

আগে (গত হইল)	आगे (गत हइल)	गुज़रा हुआ, बीता हुआ
পূর্ব্বেই	पूर्व्वेइ	पहले ही
শনৈঃ	शनै:	धीरे-धीरे
তখন, তৎপরে	तखन, तत्परे	तब, उसके बाद
এখন	एखन	अब, इस समय
যতক্ষণ	यतक्षण	जबतक
পূর্ব্বে	पूर्व्वे	पहले, आगे
শীঘ্র	शीघ्र	शीघ्र, जल्दी
অবিলম্বে	अविलम्बे	तुरन्त, झटपट
প্রত্যহ	प्रत्यह	रोज़-रोज़
প্রতি বৎসর	प्रति वत्सर	हर साल
গতকল্য	गतकल्य	गया कल
আগামী কল্য	आगामी कल्य	आनेवाला कल
দীর্ঘকাল	दीर्घकाल	बहुत देर
কদাচিত	कदाचित	कदाचित, शायद
ক্বচিৎ	क्वचित्	कदाचित, कभीर
কখন কখন	कखन कखन	कभी कभी
এই সময় মধ্যে	एइ समय मध्ये	इतने में
কিছু পূর্ব্বে	किछु पूर्व्वे	थोड़े दिन हुए

তৎক্ষণাৎ	तत्क्षणात्	तुरन्त, फौरन
সর্ব্বদা	सर्व्वदा	हमेशा, सदा
পুনঃপুন.	पुन:पुन	फिर-फिर, बार २
আবার	आबार	फिर
কখন	कखन	कभी
কখন না	कखन ना	कभी नहीं
প্রায়ই	प्रायइ	प्राय, अक्सर
বারম্বার	बारम्बार	बारम्बार, फिर २
একবার	एकबार	एकबार, एकदफा
দুইবার	दुइबार	दोबार
তিনবার	तिनबार	तीनबार,तीन दफा
দেরি করিয়া	देरि करिया	देर करके
সম্প্রতি	सम्प्रति	हालमें, अभी
এ যাবৎ	ए जावत्	अब तक
সকাল সকাল	सकाल सकाल	सवेरे
হঠাৎ	हठात्	अचानक
উচিত সময়ে	उचित समये	उचित समय पर
উপরে	उपरे	ऊपर
নীচে	नीचे	नीचे
তথায়	तथाय	वहाँ
কোথায়	कोथाय	कहाँ, किस जगह
যেখানে	जेखाने	जहाँ, जिस जगह

এখানে	एखाने	यहाँ
এইস্থান পর্য্যন্ত	एइस्थान पर्य्यन्त	इधर, यहाँतक
ঐ স্থান পর্য্যন্ত	ऐ स्थान पर्य्यन्त	उधर, वहाँतक
একদিকে	एकदिके	एक तरफ
একত্র	एकत्र	इकट्ठा
ভিতরে	भितरे	भीतर
বাহিরে	बाहिरे	बाहर
উচ্চৈঃস্বরে	उच्चैःस्वरे	ऊँचे स्वरसे
যেমন, যে প্রকারে	जेमन, जे प्रकारे	जैसे, जैसा
খারাপ রূপে	खारापरूपे	बुरी तरह से
উত্তমরূপে	उत्तमरूपे	अच्छी तरह से
উপযুক্তরূপে	उपयुक्तरूपे	उचित रूपसे
যথার্থরূপে	यथार्थरूपे	यथार्थ रूपसे
যথেষ্টরূপে	यथेष्टरूपे	यथेष्ट रूपसे
সম্পূর্ণরূপে	सम्पूर्ण रूपे	सम्पूर्ण रूपसे
আংশিকরূপে	आंशिकरूपे	आंशिक रूपसे
সাবধানে	सावधाने	सावधानी से
সাহসের সহিত	साहसेर सहित	साहस से
আস্তে আস্তে,	आस्ते आस्ते	धीरे धीरे
সহজে	सहजे	सहज में
নীরবে	नीरवे	चुपचापसे
বুদ্ধির সহিত	बुद्धिर सहित	बुद्धिमानी से

কি প্রকারে	कि प्रकारे	कैसे, किस तरहसे
স্থির ভাবে	स्थिर भावे	स्थिरतासे, शान्तिसे
এইরূপে	एइरूपे	इस तरह
দুঃখের সহিত	दुःखेर सहित	दुःखसे
অবহেলার সহিত	अवहेलार सहित	बेपरवाहीसे
অসাবধান ভাবে	असावधान भावे	असावधानीसे
অনুগ্রহ পূর্ব্বক	अनुग्रह पूर्व्वक	अनुग्रह पूर्वक
সৌভাগ্যক্রমে	सौभाग्यक्रमे	सौभाग्यसे
দুর্ভাগ্যক্রমে	दुर्भाग्यक्रमे	दुर्भाग्यसे
প্রায়	प्राय	लगभग
অত্যন্ত	अत्यन्त	अत्यन्त
অতিরিক্ত রূপে	अतिरिक्त रूपे	अधिक, बहुतही
অধিক পরিমাণে	अधिक परिमाणे	बहुत
মাত্র	मात्र	सिर्फ, केवल
সম্পূর্ণ পরিমাণে	सम्पूर्ण परिमाणे	बिल्कुल
কিয়ৎ পরিমাণে	कियत् परिमाणे	कुछ-कुछ
অর্দ্ধেক পরিমাণে	अर्द्धेक परिमाणे	आधा
	अल्प परिमाणे	थोड़ा
	परिमाणे	सब
		और भी
		पहिले, आदिमें
		दूसरे

এখানে	एखाने	यहाँ
এইস্থান পর্য্যন্ত	एइस्थान पर्य्यन्त	इधर, यहाँतक
ঐ স্থান পর্য্যন্ত	ऐ स्थान पर्य्यन्त	उधर, वहाँतक
একদিকে	एकदिके	एक तरफ
একত্র	एकत्र	इकट्ठा
ভিতরে	भितरे	भीतर
বাহিরে	बाहिरे	बाहर
উচ্চৈঃস্বরে	उच्चैःस्वरे	ऊँचे स्वरसे
যেমন, যে প্রকারে	जेमन, जे प्रकारे	जैसे, जैसा
খারাপ রূপে	खारापरूपे	बुरी तरह से
উত্তমরূপে	उत्तमरूपे	अच्छी तरह से
উপযুক্তরূপে	उपयुक्तरूपे	उचित रूपसे
যথার্থরূপে	यथार्थरूपे	यथार्थ रूपसे
যথেষ্টরূপে	यथेष्टरूपे	यथेष्ट रूपसे
[illegible]	सम्पूर्ण रूपे	सम्पूर्ण रूपसे
[illegible]	आन्तरिकरूपे	आन्तरिक रूपसे
সাবধানে	सावधाने	सावधानी से
সহিত	साहसेर सहित	साहस से
৬৩,	आस्ते आस्ते	धीरे धीरे
	सहजे	सहज में
	नीरवे	चुपचापसे
সহিত	बुद्धिर सहित	बुद्धिमानी से

কি প্রকারে	कि प्रकारे	कैसे, किस तरहसे
স্থির ভাবে	स्थिर भावे	स्थिरतासे, शान्तिसे
এইরূপে	एइरूपे	इस तरह
দুঃখের সহিত	दुःखेर सहित	दुःखसे
অবহেলার সহিত	अवहेलार सहित	बेपरवाहीसे
অসাবধান ভাবে	असावधान भावे	असावधानीसे
অনুগ্রহ পূর্ব্বক	अनुग्रह पूर्व्वक	अनुग्रह पूर्वक
সৌভাগ্যক্রমে	सौभाग्यक्रमे	सौभाग्यसे
দুর্ভাগ্যক্রমে	दुर्भाग्यक्रमे	दुर्भाग्यसे
প্রায়	प्राय	लगभग
অত্যন্ত	अत्यन्त	अत्यन्त
অতিরিক্ত রূপে	अतिरिक्त रूपे	अधिक, बहुतही
অধিক পরিমাণে	अधिक परिमाणे	बहुत
মাত্র	मात्र	सिर्फ़, केवल
সম্পূর্ণ পরিমাণে	सम्पूर्ण परिमाणे	बिल्कुल
কিয়ৎ পরিমাণে	कियत् परिमाणे	कुछ-कुछ
অর্দ্ধেক পরিমাণে	अर्द्धेक परिमाणे	आधा
অল্প পরিমাণে	अल्प परिमाणे	थोड़ा
সমস্ত পরিমাণে	समस्त परिमाणे	सब
আরও	आरओ	और भी
প্রথমত	प्रथमत	पहिले, आदिमें
দ্বিতীয়ত:	द्वितीयत.	दूसरे

সহিত	सहित	सहित, साथ, से
ব্যতীত	व्यतीत	सिवाय
চারিদিকে	चारिदिके	चारों तरफ़
বিরুদ্ধে	विरुद्ध	विरुद्ध
এপার ওপার	एपार ओपार	आरपार
সত্ত্বে	सत्त्वे	तथापि
আশে পাশে	आशे पाशे	आस-पास
পার্শ্বে	पार्श्वे	पास
সম্মুখে	सम्मुखे	सामने
অগ্রে	अग्रे	आगे
পশ্চাতে	पश्चाते	पीछे
যে পর্য্যন্ত না	जे पर्य्यन्त ना	जबतक न



पांचवां अध्याय

प्रथम पाठ।

আমি হই	आमि हइ	मैं हूँ
আমরা হই	आमरा हइ	हमलोग हैं
আমি আছি	आमि आछि	मैं हूँ
আমরা আছি	आमरा आछि	हमलोग हैं
তুই হ'স্	तुइ ह'स्	तू है
তোমরা হও	तोमरा हओ	तुमलोग हो
তুই আছিস্	तुइ आछिस्	तू है
তোমরা আছ	तोमरा आछ	तुमलोग हो
সে হয়	से हय	वह है
তাহারা হয়	ताहारा हय	वे हैं
সে আছে	से आछे	वह है
তাহারা আছে	ताहारा आछे	वे हैं
তিনি হন্	तिनि हन	वे हों

তোমার আছে	तोमार आछे	तुम्हारा है
তাহাদের আছে	ताहादेर आछे	उनका है

पाँचवाँ पाठ ।

আমার ছিল	आमार छिल	मेरा था
তোর ছিল	तोर छिल	तेरा था
তাহার ছিল	ताहार छिल	उसका था
আমাদের ছিল	आमादेर छिल	हम लोगोंका
তোমাদের ছিল	तोमादेर छिल	तुम लोगोंका
তাহাদের ছিল	ताहादेर छिल	उन सबका था

छठा पाठ ।

আমি যাই	आमि जाइ	मै जाता हूँ
তুমি যাও	तुमि जाओ	तुम जाओ
সে যায়	से जाय	यह जाता है
আমরা যাই	आमरा जाइ	हमलोग जाते है
যাও	तोमरा जाओ	जाते
	ताहारा जाइ	है

আমরা যাইতেছি	हम जा रहे हैं।
তোমরা যাইতেছ	तुम लोग जा रहे हो।
তাহারা যাইতেছে	वे लोग जा रहे हैं।

ग्यारहवां पाठ।

আমি যাইতেছিলাম	मै जा रहा था।
তুমি যাইতেছিলে	तुम जा रहे थे।
সে যাইতেছিল	वह जा रहा था।
আমরা যাইতেছিলাম	हम जा रहे थे।
তোমরা যাইতেছিলে	तुम लोग जा रहे थे।
তাহারা যাইতেছিল	थे लोग जा रहे थे।

बारहवां पाठ।

আমি গেলেও যেতে পারি	मैं जा सकता हूँ (सम्भावना)
আমি গেলেও যেতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমি যাইতে পারি	मैं जा सकता हूँ (शक्ति)
আমি যাইতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমাকে যাইতে হইবে	मुझे जाना ही होगा (अवश्य)
আমাকে	है।

সে যাইবে	वह जायगा।
আমরা যাইব	हम जायँगे।
তোমরা যাইবে	तुम लोग जाओगे।
তাহারা যাইবে	वे लोग जावेंगे।

नोट।—हिन्दी में भविष्यत् कालका चिन्ह "ग" है बङ्गला में "ब" है। जिस तरह हिन्दीमें लिङ्ग पुरुष वचनके अनुसार "गा, गे, गी" रूप हो जाते हैं वैसे ही बं में भी "ब, बे, बि" रूप हो जाते हैं।

नवाँ पाठ।

আমি গিয়াছি	मैं गया हूँ।
তুমি গিয়াছ	तुम गये हो।
সে গিয়াছে	वह गया है।
আমরা গিয়াছি	हम गये हैं।
তোমরা গিয়াছ	तुम लोग गये हो।
তাহারা গিয়াছে	वे लोग गये हैं।

दशवाँ पाठ।

আমি যাইতেছি	मैं जा रहा हूँ।
তুমি যাইতেছ	तुम जा रहे हो।
সে যাইতেছে	

আমরা যাইতেছি	हम जा रहे हैं।
তোমরা যাইতেছ	तुम लोग जा रहे हो।
তাহারা যাইতেছে	वे लोग जा रहे हैं।

ग्यारहवां पाठ।

আমি যাইতেছিলাম	मैं जा रहा था।
তুমি যাইতেছিলে	तुम जा रहे थे।
সে যাইতেছিল	वह जा रहा था।
আমরা যাইতেছিলাম	हम जा रहे थे।
তোমরা যাইতেছিলে	तुम लोग जा रहे थे।
তাহারা যাইতেছিল	वे लोग जा रहे थे।

बारहवां पाठ।

আমি গেলেও যেতে পারি	मैं जा सकता हूँ (सम्भावना)
আমি গেলেও যেতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমি যাইতে পারি	मैं जा सकता हूँ (शक्ति)
আমি যাইতে পারিতাম	मैं जा सकता था।
আমাকে যাইতে হইবে	मुझे जाना ही होगा (अवश्य)
আমাকে যাইতে হয়	मुझे जाना पड़ता है।
আমাকে যাইতে হইয়াছিল	मुझे जाना पड़ा था।

আমাকে যাইতে হইবে	मुझे जाना होगा।
আপনি দীর্ঘজীবী হউন	आप दीर्घजीवी होवें।
তোমার যাওয়া উচিত	तुमको जाना उचित है।
তোমার যাওয়া উচিত ছিল	तुम्हें जाना उचित था।

तेरहवां पाठ।

সেখানে যাও	वहाँ जाओ।
ইহা করিও না	यह मत करो।
পড়িতে আরম্ভ কর	पढ़ना शुरू करो।
সেখানে যাইও না	वहाँ मत जाओ।
আমাকে একটী কলম দাও	मुझे एक कलम दो।
তাহাকে মারিও না	उसको मत मारो।
আমাদিগকে যাইতে দাও	हमें जाने दो।
তাহাকে ছাড়িয়া দাও	उसे छोड़ दो।

चौदहवां पाठ।

চুরি করিও না	चोरी मत करो।
তাহাকে ছাড়িয়া দাও	उसे छोड़ दो।
সে লিখুক	उसे लिखने दो।

এস আমরা লিখি	आओ हम लिखे ।
অবিলম্বে এই কাজটা কর	इस कामको जल्दी करो ।
এই কার্য্যটা কর	यह काम करो ।
মাতাপিতার কথা শুনিও	मा बापकी बात सुनो ।
সদা সত্য কথা বলিও	सदा सच बात बोलो ।
পরিস্কার পরিচ্ছন্ন থাকিও	साफ़ सुथरे रहो ।
ঈশ্বরকে ধন্যবাদ দাও	ईश्वरको धन्यवाद दो ।
আমাকে দেখিতে দাও	मुझे देखने दो ।



ছঠা অধ্যায়।

প্রথম পাঠ।

এই দেখ	इधर देखो (यह देखो)
সেখানে যাও	वहाँ जाओ।
ইহা করিও না	यह मत करो।
সেখানে যাইও না	वहाँ मत जाओ।
পা চালিয়ে চল	जल्दी जल्दी चले चलो।
শীঘ্র বাড়ী যাও	जल्दी घर जाओ।
আসল কথা বল	असल बात कहो।
পড়িতে ২ গল্প করিও না	पढ़नेके समय बात मत करो।
শাস্তি গ্রহণ কর	दण्ड ग्रहण करो।
জামা পর	कुरता पहनो।
শিক্ষককে বিশ্বাস কর	शिक्षक पर भरोसा करो।
আয় বুঝিয়া ব্যয় কর	आमदनी देखकर खर्च करो।
অন্ততঃ আমাকে দশ টাকা দাও	मुझे कमसे कम दश रुपये दो।
কথা ফিরাইয়া লইও না	बात मत बदलो।

সময়ে পরিশ্রম কর — समय पर काम करो।
কুড়ুল রেখে দাও — कुलहाडी रख दो।
অন্যের উপর নির্ভর ক'রো না — दूसरों पर निर्भर मत रहो।
তোমার ভুল সংশোধন কর — अपनी भूल सुधारो।
এই বাক্যটী মুখস্থ কর — इस वाक्यको कण्ठस्थ करो।
কাহাকেও একথা বলিও না — किसीसे भी यह बात मत कहना।
যদি ভাল চাও, লোকের ভাল কর — अगर भला चाहते हो, दूसरों का भला करो।

दूसरा पाठ।

কাহারও সহিত বাজি রাখিও না
किसी के साथ बाजी मत लगाना।
সত্য বলিতে ভীত হইও না — सत्य बोलनेमें मत डरना।
তাহার সহিত বিবাদ মিটাইয়া ফেল — उससे झगडा मिटा दो।
অঙ্গিকারের পূর্ব্বে দুইবার ভাবা উচিত।
वादा करनेसे पहले दो बार विचारना उचित है।
অসাক্ষাতে কাহারও নিন্দা করিও না।
पीठ पीछे किसी की निन्दा मत करना।
তোমার বলের বড়াই করিও না।
अपने बलकी शेखी मत मारना।

আর আমায় সন্দেহে রেখো না।
मुझे और सन्देह में न रक्खो ।
চোরকে সিঁড়ির উপর থেকে নীচে টেনে আন।
चोरको सीढ़ीके ऊपर से नीचे खींच लाओ ।
তুমি কি আমার উপর রাগ করিয়াছ ?
क्या तुम मुझपर गुस्सा हो ?
অনুগ্রহ করিয়া আমাকে একখানি পুস্তক পড়িতে দিন।
अनुग्रह करके मुझे एक पुस्तक पढ़नेको दो ।

तीसरा पाठ ।

এই বালককে ক্ষমা করো	इस बालकको क्षमा करो ।
এমন কথা বলিও না	ऐसी बात मत कहना ।
আলস্য পরিত্যাগ কর	सुस्ती छोड़ो ।
দূর হও	दूर हो ।
ইহার নিদ্রা ভঙ্গ করিও না	इसकी निद्रा भङ्ग मत करना
বৃদ্ধকে সমাদর কর	बूढ़ेका आदर करो ।
শত্রুকেও ভালবাসিও	दुश्मनका भी भला चाहो ।
দরজাটা বন্দ কর	दरवाज़ा बन्द करो ।
সৎকার্য্যে পরিশ্রান্ত হইও না	अच्छे काममें मत थकना ।

चौथा पाठ।

সে কি পীড়িত ?	क्या वह बीमार है ?
তুমি কি বাড়ী যাইবে ?	क्या तुम घर जाओगे ?
মোহন কি গিয়াছে ?	क्या मोहन गया है ?
আমি কি পড়া করি নাই ?	क्या मैंने सबक़ नहीं पढ़ा ?
তিনি কি আসিতেছেন ?	क्या वह आरहे हैं ?
তুমি কি ফিরিবে ?	क्या तुम वापस आओगे ?

—*—

पांचवां पाठ।

তুমি কি ইহা জান ?	क्या तुम इसे जानते हो ?
সে কি তথায় যায় ?	क्या वह वहां जाता है ?
হরি কি হাসিয়াছিল ?	क्या हरी हँसा था ?
তুমি কি তথায় গিয়াছিলে ?	क्या तुम वहां गये थे ?

তুমি কি তাঁহার কাছে কোন সাহায্য পাইয়াছিলে ?
क्या तुमने उससे कुछ सहायता पाई थी ?

छठा पाठ।

প্রশ—তুমি কি সাঁতার দিতে পার ?
प्रश्न—क्या तुम तैर सक्ते हो ?

আর আমায় সন্দেহে রেখো না।
मुझे और सन्देह में न रक्खो।
চোরকে সিঁড়ির উপর থেকে নীচে টেনে আন।
चोरको सीढीके ऊपर से नीचे खींच लाओ।
তুমি কি আমার উপর রাগ করিয়াছ ?
क्या तुम मुझपर गुस्सा हो ?
অনুগ্রহ করিয়া আমাকে একখানি পুস্তক পড়িতে দিন।
अनुग्रह करके मुझे एक पुस्तक पढ़नेको दो।

तीसरा पाठ।

এই বালককে ক্ষমা করো	इस बालकको क्षमा करो।
এমন কথা বলিও না	ऐसी बात मत कहना।
আলস্য পরিত্যাগ কর	सुस्ती छोडो।
দূর হও	दूर हो।
ইহার নিদ্রা ভঙ্গ করিও না	इसकी निद्रा भङ्ग मत कर
বৃদ্ধকে সমাদর কর	बूढे का आदर करो।
শত্রুকেও ভালবাসিও	दुश्मनका भी भला चाहो।
দরজাটা বন্দ কর	दरवाजा बन्द करो।
সৎকার্য্যে পরিশ্রান্ত হইও না	अच्छे काममें मत थकना।

चौथा पाठ ।

সে কি পীড়িত ?	क्या वह बीमार है ?
তুমি কি বাড়ী যাইবে ?	क्या तुम घर जाओगे ?
মোহন কি গিয়াছে ?	क्या मोहन गया है ?
আমি কি পড়া করি নাই ?	क्या मैंने सबक़ नहीं पढा ?
তিনি কি আসিতেছেন ?	क्या वह आरहे हैं ?
তুমি কি ফিরিবে ?	क्या तुम वापस आओगे ?

—*—

पाचवा पाठ ।

তুমি কি ইহা জান ?	क्या तुम इसे जानते हो ?
সে কি তথায় যায় ?	क्या वह वहाँ जाता है ?
হরি কি হাসিয়াছিল ?	क्या हरी हँसा था ?
তুমি কি তথায় গিয়াছিলে ?	क्या तुम यहाँ गये थे ?

তুমি কি তাঁহার কাছে কোন সাহায্য পাইয়াছিলে ?
क्या तुमने उससे कुछ सहायता पाई थी ?

छठा पाठ ।

প্রশ্ন—তুমি কি সাঁতার দিতে পার ?
प्रश्न—क्या तुम तैर सक्ते हो ?

नवां पाठ ।

তুমি কে ? तुम कौन हो ?
এ ছেলেটী কে ? यह लड़का कौन है ?
এ কি ? यह क्या है ?
তাহার কি হইয়াছে ? उसे क्या हुआ है ?
তুমি কি চাও ? तुम क्या चाहते हो ?
আপনি কাহাকে খোঁজেন ? आप किसको ढूँढते हैं ?
তুমি কাহার অনুসন্ধান কর ? तुम किसकी तलाश करो
তুমি কখন ফিরিয়া আসিবে ? तुम कब लौट आओगे ?
তুমি এখন কেমন আছ ? तुम अब कैसे हो ?
তুমি কেন আমাকে পত্র লেখনা ?
तुम मुझे पत्र क्यों नहीं लिखते ?

—०—

दसवां पाठ ।

তুমি কাহাকে ডাকিয়া পাঠাইয়াছিলে ?
तुमने किसे बुला भेजा था ?
তুমি কোথায় যাও ? तुम कहाँ जाते हो ?
তুমি কখন আসিবে ? तुम कब आओगे ?
হরি কখন ফিরিয়া আসিবে ? हरि कब लौटेगा ?

শীলার বিবাহ কবে হইবে ?	सुशीलाका विवाह कब होगा ?
মি কবে টাকা দিবে ?	तुम कब रुपया दोगे ?
মি কোথায় যাইতে চাও ?	तुम कहां जाना चाहते हो ?
আম কেমন ?	यह आम कैसा है ?
ট্রেন কখন ছাড়িবে ?	गाड़ी कब छूटेगी ?

ग्यारहवां पाठ।

তোমার কাল কি হইয়াছিল ?	कल तुमको क्या हुआ था ?
তোমার নাম কি ?	तुम्हारा नाम क्या है ?
স কে ?	वह कौन है ?
স কি করিবে ?	वह क्या करेगा ?
আমি কি এখন যাইব ?	मैं क्या अब जाऊंगा ?
হরি কি কলিকাতায় যাইবে ?	क्या हरि कलकत्ते जायगा ?
আর কে সেখানে যাইবে ?	वहां और कौन जायगा ?

बारहवां पाठ।

তুমি কি আমাকে মূর্খ মনে কর ?
क्या तुम मुझे मूर्ख समझते हो ?
তোমার কি কাণ্ডাকাণ্ড জ্ঞান নাই ?
क्या तुम्हें बुरे भलेका ज्ञान नहीं है ?

তুমি কি নির্দ্দয় ? क्या तुम निर्दयी हो ?
আমাকে কি করিতে হইবে ? मुझे क्या करना होगा ?
তুমি কোথা হ'তে আসছ ? तुम कहांसे आते हो ?
তুমি কেন কাঁদিতেছ ? तुम क्यों रो रहे हो ?
তাহাকে রাগাও কেন ? उसे गुस्सा क्यों कराते हो ?
একথা তোমাকে কে বলিয়াছে ?
यह बात तुमसे किसने कही ?
তুমি কতক্ষণ এখানে থাকিবে ?
तुम यहां कितनी देर तक रहोगे ?
তুমি কাল স্কুলে আস নাই কেন ?
तुम कल स्कूलमें क्यों नहीं आये ?

सोलहवां पाठ।

আমাকে ঐ বইখানা এনে দেবে ?
क्या मुझे यह किताब ला दोगी ?
তুমি কি পশুশালা দেখিতে যাবে ?
क्या तुम चिड़िया घर देखने जाओगी ?
তাহারা কি আমার উপদেশ মত কাজ করিবে ?
क्या वे मेरी सलाहके माफिक काम करेंगे ?
বালক মৃত্যুর কথা কি জানে ?
मृत्युकी बात क्या जाने ?

তিনি ধূমপান করেন না।	वे हुक्का नहीं पीते।
হরি ব্রাহ্মণ নহে।	हरि ब्राह्मण नहीं है।
তিনি অসুস্থ।	वे बीमार हैं।
আমি ধনবান লোক নহি।	मैं धनवान नहीं हूँ।
এ সহজ নয়।	यह आसान नहीं है।
তুমি দোষী নও।	तुम दोषी नहीं हो।

दूसरा पाठ।

তুমি এ পদের উপযুক্ত নয়।
तुम इस पदके योग्य नहीं हो।
আমি তোমার সহিত যাইব না।
मैं तुम्हारे साथ न जाऊँगा।
আমি তোমাকে গালি দিই নাই।
मैंने तुम्हें गाली नहीं दी।

तीसरा पाठ।

তাহারা আজ গান করিবে না।	वे आज नहीं गावेंगे।
তুমি ইহা কর নাই।	तुमने यह नहीं किया है।
সে পড়িতে যায় না।	वह पढ़नेको नहीं जाता।
আমি রাত্রে কাজ করি না।	मैं रातको काम नहीं करता।

सातवां अध्याय।

प्रथम पाठ।

আমার অবকাশ নাই।	मुझे अवकाश नहीं है।
তাহার কলম নাই।	उसके पास कलम नहीं है।
সে পড়িতে যায় নাই।	वह पढ़नेको नहीं जाता।
তাহার ঘোড়া নাই।	उसके घोड़ा नहीं है।
এ গ্রামে স্কুল নাই।	इस गाँवमें स्कूल नहीं है।
ঘরে কেহ নাই।	घरमें कोई नहीं है।
আকাশে মেঘ নাই।	आकाशमें बादल नहीं है।
তাঁহার বন্ধু নাই।	उसके मित्र नहीं है।
তাহার নড়িবার শক্তি নাই।	उसकी हिलनेकी शक्ति नहीं है
তাহার সামান্য জ্ঞানও নাই।	उसमें सामान्य ज्ञानभी नहीं है
আমার এখন চাকরী নাই।	अब मेरी नौकरी नहीं है।
দোকানে চাউল নাই।	दूकान में चाँवल नहीं हैं।
তাহার পুত্র নাই।	उसके लड़का नहीं है।

তিনি ধূমপান করেন না।	वे हुक्का नहीं पीते।
হরি ব্রাহ্মণ নহে।	हरि ब्राह्मण नहीं है।
তিনি অসুস্থ।	वे बीमार हैं।
আমি ধনবান লোক নহি।	मैं धनवान नहीं हूँ।
এ সহজ নয়।	यह आसान नहीं है।
তুমি দোষী নও।	तुम दोषी नहीं हो।

दूसरा पाठ।

তুমি এ পদের উপযুক্ত নয়।

तुम इस पदके योग्य नहीं हो।

আমি তোমার সহিত যাইব না।

मैं तुम्हारे साथ न जाऊँगा।

আমি তোমাকে গালি দিই নাই।

मैंने तुम्हें गाली नहीं दी।

तीसरा पाठ।

তাহারা আজ গান করিবে না।	वे आज नहीं गावेंगे।
তুমি ইহা কর নাই।	तुमने यह नहीं किया है।
সে পড়িতে যায় না।	वह पढ़नेको नहीं जाता।
আমি রাত্রে কাজ করি না।	मैं रातको काम नहीं करता।

একটীও কথা কহিও না।	एक शब्द भी मत कहो।
অতি ভোজন করিও না।	बहुत मत खाओ।
এখানে জায়গা নাই।	यहाँ जगह नहीं है।
আমি তথায় যাইব।	मैं वहाँ जाऊँगा।
আমার চক্ষু নষ্ট হইয়াছে।	मेरी आँखें नष्ट होगई हैं।
আমি বাড়ী যাইব।	मैं घर जाऊँगा।
আমি একটি ফুল দেখিয়াছি।	मैंने एक फूल देखा है।
আমার তৃষ্ণা পাইয়াছে।	मैं प्यासा हूँ।
আমার ক্ষুধা পাইয়াছে।	मैं भूखा हूँ।

चौथा पाठ।

আমার ঘুম পাচ্ছে।	मुझे नींद आती है।
তিনি হঠাৎ আসিয়াছিলেন।	वह यकायक आये।
এক এক জন করিয়া যাও।	एक एक करके जाओ।
আমার পয়সায় কাজ নাই।	मुझे पैसे की ज़रूरत नहीं है।
যেমন কর্ম্ম তেমনি ফল।	जैसा कर्म वैसा फल।
এখন সওয়া তিনটা হইয়াছে।	इस समय सवा तीन बजे हैं।
তিনি এই মাত্র আসিয়াছেন।	वे अभी आये हैं।
তিনি ভুল করিয়াছেন।	उन्होंने भूल की है।
আমি ভুলিব না।	मैं नहीं भूलूँगा।

তিনি পলাইয়া গিয়াছেন।	वे भाग गये हैं।
বাতিটা নিবিয়া গিয়াছে।	बत्ती बुझ गई है।
তিনি বাতিটা জ্বালিয়াছেন।	उन्होंने बत्ती जलाई है।

पांचवां पाठ।

আমার এখনও লেখা হয় নাই।
मेरा लिखना अभी तक समाप्त नहीं हुआ है।
এই পল্লীতে ধনী লোক নাই।
इस गांवमें धनी लोग नहीं हैं।
তোমার কিছুমাত্র ক্ষমতা নাই।
तुम्हारी कुछ भी शक्ति नहीं है।
আমি কখনও গাছে উঠি নাই।
मैं कभी पेड़पर नहीं चढ़ा।
আমাদের একটীও বাটী নাই।
हमारे एक भी घर नहीं है।
আমি গত কল্য বাটী যাই নাই।
मैं कल घर नहीं गया।
সেখানে কাহাকেও দেখি নাই।
वहां किसीको भी नहीं देखा।
আমার হাথে একটীও পয়সা নাই।
हमारे हाथमें ~ पैसा नहीं है।

একটীও কথা কহিও না।	एक शब्द भी मत कहो।
অতি ভোজন করিও না।	बहुत मत खाओ।
এখানে জায়গা নাই।	यहाँ जगह नहीं है।
আমি তথায় যাইব।	मैं वहाँ जाऊँगा।
আমার চক্ষু নষ্ট হইয়াছে।	मेरी आँखें नष्ट होगई हैं।
আমি বাড়ী যাইব।	मैं घर जाऊँगा।
আমি একটি ফুল দেখিয়াছি।	मैंने एक फूल देखा है।
আমার তৃষ্ণা পাইয়াছে।	मैं प्यासा हूँ।
আমার ক্ষুধা পাইয়াছে।	मैं भूखा हूँ।

चौथा पाठ।

আমার ঘুম পাচ্ছে।	मुझे नींद आती है।
তিনি হঠাৎ আসিয়াছিলেন।	वह यकायक आये।
এক এক জন করিয়া যাও।	एक एक करके जाओ।
আমার পয়সায় কাজ নাই।	मुझे पैसे की ज़रूरत नहीं है।
যেমন কর্ম্ম তেমনি ফল।	जैसा कर्म वैसा फल।
এখন সওয়া তিনটা হইয়াছে।	इस समय सवा तीन बजे हैं।
তিনি এই মাত্র আসিয়াছেন।	वे अभी आये हैं।
তিনি ভুল করিয়াছেন।	उन्होंने भूल की है।
আমি ভুলিব না।	मैं नहीं भूलूँगा।

তিনি পলাইয়া গিয়াছেন।	वे भाग गये हैं।
বাতিটা নিবিয়া গিয়াছে।	बत्ती बुझ गई है।
তিনি বাতিটা জ্বালিয়াছেন।	उन्होंने बत्ती जलाई है।

पांचवां पाठ।

আমার এখনও লেখা হয় নাই।
मेरा लिखना अभी तक समाप्त नहीं हुआ है।
এই পল্লীতে ধনী লোক নাই।
इस गांवमें धनी लोग नहीं हैं।
তোমার কিছুমাত্র ক্ষমতা নাই।
तुम्हारी कुछ भी शक्ति नहीं है।
আমি কখনও গাছে উঠি নাই।
मैं कभी पेड़पर नहीं चढा।
আমাদের একটীও বাটী নাই।
हमारे एक भी घर नहीं है।
আমি গত কল্য বাটী যাই নাই।
मैं कल घर नहीं गया।
সেখানে কাহাকেও দেখি নাই।
वहां किसीको भी नहीं देखा।
আমার হাথে একটীও পয়সা নাই।
हमारे हाथमें एक भी पैसा नहीं है।

छठा पाठ ।

তাহার একটুও অসুখ হয় নাই ।
यह बिलकुल बीमार नहीं हुआ ।
ইহাতে সন্দেহের লেশমাত্র নাই ।
इस बातमें जरा भी शक नहीं है ।
চারিটা বাজিতে দশ মিনিট বাকী ।
चार बजनेमें दश मिनिट बाकी है ।
তিনি কখন আলস্য করেন না ।
वे कभी आलस्य नहीं करते ।
এ পৃথিবীতে কিছুই অসম্ভব নহে ।
इस दुनिया में कुछ भी असम्भव नहीं है ।
এ রোগের আর চিকিৎসা নাই ।
इस रोगका और इलाज नहीं है ।
তিনি ভাল লিখিতে পারেন না ।
वे अच्छी तरह नहीं लिख सकते ।
সে ইহা করিতে প্রস্তুত নহে ।
वह इसे करनेको तय्यार नहीं है ।

सातवां पाठ ।

ছি ! ছি ! আমি তোমার বুদ্ধি দেখে অবাক্ ।
- मैं तुम्हारी बुद्धिपर आश्चर्य है ।

ও রাত্রে আমি অনেকক্ষণ পর্য্যন্ত জাগিয়াছিলাম।
উস রাত্রিকো মৈঁ বহুত দের তক জাগতা রহা।
আমার ঘোড়াটা একেবারে খোঁড়া হ'য়ে গিয়েছে।
মেরা ঘোড়া একদম লঁগড়া হো গয়া হৈ।
এ তোমার চালাকি মাত্র।
যহ খালী তুম্হারী চালবাজী হৈ।
তাঁহার সঙ্গে তাঁহার বাপের সদ্ভাব নাই।
উসকে সাথ উসকে বাপ কা মেল নহীঁ হৈ।
তাঁহার সঙ্গে আমার বন্ধুতা আছে।
উসকে সাথ মেরী মিত্রতা হৈ।
সোমবারের পূর্ব্বে ইহা করিতে হইবে।
সোমবার কে পহলে যহ করনা হোগা।
আমার এখন পড়িবার ইচ্ছা নাই।
অব মেরা পঢ়নেকা ইরাদা নহীঁ হৈ।
তিনি ষোল আনা ভদ্রলোক।
বে সোলহ আনে সজ্জন পুরুষ হৈঁ।
আমি এক ঘণ্টা ধ'রে এখানে দাঁড়াইয়া আছি।
মৈঁ যহাঁ এক ঘণ্টে সে খড়া হূঁ।

আঠবাঁ পাঠ।

আমি বরাবর সেইখানে যাইতেছি।
মৈঁ বহাঁ সীধা জা রহা হূঁ।

আমি পুস্তক খানি হারাইয়াছি।
मैंने पुस्तक खो दी है।
তিনি সারাদিন বাহিরে ছিলেন।
वे तमाम दिन बाहर थे।
ফোঁটা ২ করিয়া বোতলটি খালি হইয়া গিয়াছিল।
बूँद-बूँद करके बोतल खाली हो गयी थी।
সে দিন দিন খারাপ হ'য়ে যাচ্ছে।
वह दिन बदिन खराब होता जाता है।
সে গান গাহিতে গাহিতে আসছে।
वह गाता-गाता आता है।
তিনি মাসে ২ চাকরদিগের মাহিনা চুকাইয়া দেন।
वे महीने-महीने नौकरोंको तनख्वाह चुका देते हैं।
বেশী বাক্যে কাজ কম হয়।
बहुत बातोंसे काम कम होता है।

—০—

नवां पाठ।

আমি যথাসাধ্য চেষ্টা করিব।
मैं भरसक कोशिश करूँगा।
তিনি আমার প্রতি নেক্ নজর দিয়াছিলেন।
उन्होंने मुझ पर कृपा की थी।
ভিন্নঃ রুচিহি লোকঃ।

সে আমার কথা শুনে না।
যহ মেরী বাত নহীঁ সুনতা।
রৌদ্রে বেড়াইও না।
ধূপমেঁ মত ঘূমনা।
সে এতক্ষণ চলিয়াগিয়াছে।
যহ অভী চলা গয়া হৈ।
তিনি একজন ডাকাত।
যহ এক ডাকূ হৈ।
ইহার দাম এক পয়সাও নহে।
ইসকা মূল্য এক পৈসা ভী নহী হৈ।
একথা প্রকাশ পাইয়াছে।
যহ বাত প্রকাশিত হো গঈ হৈ।
ইহা কোন কাজের নয়।
যহ কিসী কামকা নহী হৈ।

দসবাঁ পাঠ।

সকল কথা খুলে বল।
সারী বাত খোল কর কহো।
আমি প্রাণপনে ইহা করিব।
মৈঁ ইসে প্রাণকী বাজী লগাকর করূঁগা।
সে পাগল হইয়াছে।

वह पागल हो गया है।

তিনি এই অপমান সহ্য করিয়াছেন।

उन्होंने यह अपमान सह लिया है।

আমি ইহা ধারে কিনিয়া আনিয়াছি।

मैं इसे उधार खरीद कर लाया हूँ।

আমি এ অপমান সহ্য করিতে পারি না।

मैं यह अपमान नहीं सह सकता।

তিনি অবস্থার অতিরিক্ত খরচ করেন।

वे औक़ात से बाहर खर्च करते हैं।

এই আফিসে কোনও কর্ম্ম খালি নাই।

इस दफ्तरमें कोई भी काम खाली नहीं है।

যে অসময়ের বন্ধু, সেই যথার্থ বন্ধু।

विपत्ति में जो काम आवे वही सच्चा मित्र है।

অর্থ অনর্থের মূল।

धन अनर्थ की जड है।

গতস্য শোচনা নাস্তি।

बीती बातका सोच करना व्यर्थ है।

আমি তাঁহাকে দুই শত টাকা ধার দিয়াছি।

मैंने उन्हें २०० रुपये उधार दिये हैं।

ग्यारहवाँ पाठ।

আমি তাঁহাকে ইংরাজ মনে করিয়া ছিলাম।
मैंने उसे अँगरेज़ समझा था।
সুসংবাদ শীঘ্রই প্রচারিত হয়।
बुरी ख़बर जल्दी फैल जाती है।
যত গর্জ্জে, তত বর্ষে না।
जितना गरजता है उतना बरसता नहीं।
প্রত্যেক জাহাজের একজন অধ্যক্ষ আছে।
हरेक जहाज़ में एक अध्यक्ष होता है।
তিনি ও আমি হরিহর আত্মা।
वे और मैं पक्के दोस्त हैं।
তিনি আমার একজন বিশেষ বন্ধু।
वे हमारे दिली दोस्त हैं।
তাঁহারা আমার পরামর্শ হাসিয়া উড়াইয়া দিয়াছিল।
उन्होंने मेरी सलाह हँसी में उड़ा दी थी।
তাঁহারা তাহাদের বাড়ী বিক্রয় করিয়াছে।
उन्होंने अपना मकान बेच दिया है।
আমি স্বয়ং তথা গমন করিব।
मैं वहाँ ख़ुद जाऊँगा।
তিনি একজন মহাকবি।
ये एक महाकवि हैं।

তিনটার সময় গাড়ী ছাড়িবে।
तीन बजे गाड़ी छूटेगी।
রাধাবাজারে তাঁর বাসা।
उसका बासा राधाबाज़ार में है।
সে যথেষ্ট ধন জমাইয়াছে।
उसने यथेष्ट धन जमा किया है।

चौदहवाँ पाठ।

তিনি একমাত্র পুত্র রাখিয়া মরিয়াছেন।
वे एक मात्र पुत्र छोड़ कर मर गये हैं।
তিনি উপাধি পাইবার জন্য লালায়িত।
वह उपाधि पाने को लालायित हैं।
তিনি আহার করিতেছেন।
वह भोजन कर रहे हैं।
তিনি আমার বিরুদ্ধে বলিয়াছেন।
वह मेरे विरुद्ध बोले हैं।
সে ঠিক আমার মনের মত লোক।
वह ठीक मेरे मनका आदमी है।
তিনি সুদে টাকা খাটাইতেছেন।
उन्होंने ब्याज पर रुपया लगा दिया है।
টাকায় টাকা বাড়ে।
रुपया से रुपया बढ़ता है।

সে তাহার বাপের নয়ন তারা ছিল।
वह अपने बाप की आँखोंका तारा था।
এই বই খানা শীঘ্র ছাপাইব।
मैं इस पुस्तक को जल्दी ही छपाऊँगा।
আজ আমার জন্মদিন।
आज मेरा जन्मदिन है।
তিনি আমার পরিবর্ত্তে কাজ করিয়াছিলেন।
उन्होंने मेरी जगह काम किया था।

पन्द्रहवाँ पाठ।

তাহার যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর হইয়াছে।
उसको जन्म भरको देश निकाला हुआ है।
ভয় আছে পাছে সে পাগল হ'য়ে যায়।
भय है कि वह पागल न होजावे।
তাহাকে পুলিসে দেওয়া হইয়াছে।
वह पुलिस के सिपुर्द कर दिया गया है।
আমি যতদূর জানি সে চোর নহে।
जहाँतक मैं जानता हूँ वह चोर नहीं है।
সে তাহার বাপের খুব প্রিয় ছিল।
वह अपने बाप का खूब प्यारा था।
তিনি দুই এক দিনের মধ্যেই আসিবেন।
वे दो एक दिनमें ही आवेंगे।

তাহাকে ফাঁসী দেওয়া হইযাছে।

उसे फाँसी होगयी है।

আমার মরিবার অবকাশ নাই।

मुझे मरने की भी फुर्सत नहीं है।

এই বাড়ী ভাড়া দেওয়া যাইবে।

यह मकान भाड़े दिया जायगा।

এই টাকাটী ভাঙ্গাইয়া আন ত।

इस रुपये को भँजालाओ।

सोलहवाँ पाठ।

তিনি আমাকে গোপাল মনে করিয়াছিলেন।

उन्होंने मुझे गोपाल समझा था।

আমি শীঘ্রই তাহার টাকা শোধ করিয়া দিব

मैं उनका रुपया जल्दो ही चुका दूँगा।

আমি হিসাব পত্র দেখিয়াছি।

मैंने हिसाब किताब देख लिया है।

আমার আজকাল টানাটানির অবস্থা।

आजकल मेरी हालत तंग है।

প্রতিদিন ঈশ্বরোপাসনা করা উচিত।

प्रतिदिन ईश्वरोपासना करना उचित है।

তিনি জামিনে খালাস পাইয়াছেন।
उन्होंने ज़मानत पर रिहाई पायी है।
তিনি তার সমুদয় সম্পত্তি বাঁধা দিয়াছেন।
उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति बन्धक रखदी है।
ভবিষ্যতের জন্য কিছু সঞ্চয় করা ভাল।
भविष्यतके लिये कुछ सञ्चय करना अच्छा है।
আজকাল আমাকে ভারি টানাটানি করিয়া চালাইতে হয়।
आजकल मुझे भारी खींचतान करके काम चलाना होता है।
আমি কাল তোমার সঙ্গে দেখা করিব।
मैं कल तुमसे मिलूँगा।
আজ আমার জ্বর বোধ হইতেছে।
आज मुझे ज्वर मालूम होता है।
সে দেউলে হইয়াছে।
वह दिवालिया होगया है।
ইন্‌কম্ টেক্স উঠাইয়া দেওয়া উচিত।
इन्‌कम् टैक्स उठा देना उचित है।
আমি তাহাকে ঘুস দিব না।
मैं उसे घूँस न दूँगा।
সৌন্দর্য্য হৃদয়কে আকর্ষণ করে।
सुन्दरता दिलको खींच लेती है।
এ জীবনের সুখ ক্ষণস্থায়ী।
इस जीवन का सुख क्षणस्थायी है।

তাহার বয়স কেবল মাত্র দশ বৎসর।
उसकी उम्र सिर्फ दश वर्ष की है।
আমি তাহার সহিত বিবাদ মিটাইয়া ফেলিব।
मैं उससे झगड़ा मिटा दूँगा।

—৭—

सत्तरहवाँ पाठ।

তিনি অনেক রাত্রি পর্য্যন্ত জাগেন।
वे बहुत राततक जागते हैं।
আমি যে ক্ষতি করিয়াছি, তাহা পূরণ করিব।
मैंने जो हानि की है, उसे पूरी करूँगा।
সে তাহার বাপের বিষয় পাইয়াছে।
उसने अपने बाप की मिलकियत पाई है।
আমি তোমাকে বিশেষরূপে সাজা দিব।
मैं तुमको अच्छीतरह दण्ड दूँगा।
আমি একটা ব্যবসা করিব।
मैं एक व्यवसाय करूँगा।
সে আমার পত্রের জবাব দিয়াছে।
उसने मेरे पत्र का जवाब दिया है।
সে আমার চেয়ে বেশী চালাক।
वह मुझसे अधिक चालाक है।

তিনি এখন বেকার আছেন।
वह अब बेरोज़गार हैं।
মানুষ মাত্রেরই ভ্রম হয়।
मनुष्य मात्रको भ्रम होता है।

অঠারহবাঁ পাঠ।

আমি বেশ ভাল আছি।
मैं बिल्कुल तन्दुरुस्त हूँ।
সে আমাকে এ বিষয়ে ঠকিয়াছে।
उसने मुझे इस काममें धोखा दिया है।
আমি খুব সকালে উঠিয়াছিলাম।
मैं खूब सवेरे उठा था।
আমি তাঁহার সঙ্গে ছিলাম।
मैं उनके साथ था।
তোমার স্বাস্থের দিকে দৃষ্টি রাখা উচিত।
तुमको स्वास्थ्य की तरफ़ नज़र रखनी चाहिये।
আমি তাঁহাকে বাড়ীতে দেখিতে পাইলাম না।
मुझे वह घर में नहीं मिले।
গরু আমাদের অত্যন্ত উপকারী।
गाय हमारे लिये अत्यन्त उपकारी है।
সে একজন জ্ঞানী লোক হ'বে।
वह एक बुद्धिमान आदमी होगा।

উন্নীসবাঁ পাঠ।

সে একটী প্রদীপ হাতে লইয়া আসিয়াছিল।
বহ এক দীপক হাথমেঁ লেকর আয়া থা।
আমার কাজ যা তা আমি জানি।
মৈঁ অপনা কাম জানতা হুঁ।
ইহা কিনিতে তাঁহার চারি টাকা লাগিয়াছে।
ইসকো খরীদনেমেঁ উসকে চার রুপয়ে লগে হৈঁ।
ইহা প্রস্থে এক ইঞ্চ।
যহ চৌড়াঈ মেঁ এক ইঞ্চ হৈ।
আমি যাহা চাই, তাই আমাকে দাও।
মৈঁ জো চাহতা হুঁ বহী মুঝে দো।
তোমাকেই বল্‌তে হবে।
তুম্হেঁ হী বোলনা হোগা।
তিনি এখানে এক দিন অন্তর আইসেন।
বহ যহাঁ এক দিনকে অন্তর সে আতে হৈঁ।
তাঁহার এক চোক কানা।
বহ এক আঁখ সে কানা হৈ।
তিনি ভাল দিন দেখিয়াছেন।
উন্হোনে অচ্ছে দিন দেখে হৈঁ।
তুমি সেদিন আমাকে বোকা বানাইয়াছিলে।
তুমনে উস দিন মুঝে মূর্খ বনা দিয়া থা।

बीसवाँ पाठ।

কুক্ষণে তাহাকে আমি বাড়ীতে স্থান দিয়াছিলাম।
बुरे समय में मैंने उसे घरमें जगह दी थी।
তিনি যাহা খান তাহাই বমি করিয়া ফেলেন।
वह जो खाते हैं वही वमन कर देते हैं।
তাহারা সকলে একই প্রকৃতির লোক।
उन सबका एक स्वभाव है।
ডাকাতেরা কুঁড়ে ঘরে আগুণ লাগিয়ে দিয়েছিল।
डाकुओंने झोंपड़े में आग लगादी थी।
ঘটনাক্রমে আমি সেখানে উপস্থিত ছিলাম।
दैवयोग से मैं वहाँ मौजूद था।
এ রকম অবস্থায় আমি বিল খানি গ্রাহ্য করিতে পারি না।
इस हालत में मैं बिलको मञ्जूर नहीं कर सकता।
তিনি তাঁহার সমস্ত বিপদে অটল ছিলেন।
वह अपनी सारी विपद में अटल थे।
আমি উভয় সঙ্কটে পড়িয়াছি।
मैं दो आफतों में फँसा हूँ। मुझे दोनों ओरसे विपद है।
তুমি তাহার সামনে পড় নাই, তোমার পক্ষে ভালই হইয়াছে।
तुम उसके सामने नहीं पड़े यह तुम्हारे लिये अच्छा ही हुआ

तेईसवाँ पाठ।

সে হঠাৎ কেঁদে উঠে ছিল।
वह यकायक रो पड़ा था।
তাহারা লুকোচুরি খেলা করিতেছে।
वह आँख मिचौनी खेलते हैं।
যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ।
जब तक स्वासा, तब तक आशा।
আমি এক দমে দশ মাইল যাইতে পারি।
मैं एक दममें दश मील जासकता हूँ।
আমি ছুটিতে আছি।
मैं छुट्टी पर हूँ।
তাঁর চেষ্টার কোনও ফল হয় নাই।
उनकी चेष्टाका कुछ भी फल न हुआ।
আমি আজ পাঁচটার সময় উঠিয়াছিলাম।
मैं आज पाँच बजे उठा था।
তিনি সমুদ্র ভ্রমণ ভালবাসেন।
उन्हें समुद्र भ्रमण अच्छा लगता है।
এ বিষয়ে তাঁহার মত শিরোধার্য্য।
इस विषय में उनका मत शिरोधार्य्य है।
আমি তার উদ্দেশ্য বুঝিতে পারি নাই।
मैं उसका उद्देश्य समझ नहीं सका।

चौबीसवां पाठ ।

তিনি এত বেগে চলিলেন যে, তাহাকে ধরিতে পারিলাম না ।
वह इतनी तेज़ी से चले, कि मैं उन्हें न पकड़ सका ।
ইহাতে অপরের উপকার হ'তে পারে ।
इससे दूसरों का उपकार होसक्ता है ।
তৃষ্ণাতে আমার প্রাণ যায় যায় হয়ে উঠে ছিল ।
प्यासके मारे मेरा दम निकलता था ।
চাকরের উপর তোমার এত কড়া হওয়া উচিত নয় ।
नौकर पर तुम्हारा इतना कड़ा रहना उचित नहीं है ।
কেহ আপন দোষ দেখিতে পায় না ।
किसीको अपना दोष मालूम नहीं होता ।
বিশ্বাসই সফলতার অনুচর ।
विश्वास ही सफलताका अनुचर है ।
সে আমাকে তাচ্ছিল্য করে ।
वह मुझे से नफ़रत करता है ।
দুঃখভোগ সৌভাগ্যের কারণ ।
दुःख भोगने के पीछे सुख मिलता है ।
সুচরিত্র এবং সাহস মানবকে সম্মান দেয় ।
सुचरित्र एवं साहस से मनुष्य का सम्मान होता है ।
তাহারা অনেক কথা কয় ।
वे बहुत सी बातें कहती हैं ।

পচ্চীসবাঁ পাঠ।

মুরগীতে ডীম পাড়ে।
মুর্গী অণ্ডা দেতী হৈ।
বেগে বায়ু বহিতেছিল।
হবা তৈজী সে চল রহী থী।
তিনি বিদ্বেষ বশতঃ এ কাজ করিয়াছেন।
উন্হোঁনে বিদ্বেষকে বশ হোকর যহ কাম কিয়া হৈ।
বাতাস বড ঠাণ্ডা ও কন্‌কনে।
হবা বড়ী ঠণ্ডী ঔর ঠিঠরানেবালী হৈ।
আমি তোমাকে মনের কথা সব ব'লেছি।
মৈঁনে তুমসে মনকী সব বাতেঁ কহদী হৈঁ।
সে মজার লোক।
যহ মজেকা আদমী হৈ।
আমি নগদ দাম দিব।
মৈঁ নক্কদ দাম দূঁগা।
তাঁহার মনের গতি বুঝা কঠিন।
উনকে মনকী গতি জাননা কঠিন হৈ।
এর দাম তোমাকে অনেক দিতে হবে।
ইসকা দাম তুমকো বহুত দেনা হোগা।

ছব্বীসবাঁ পাঠ।

শিক্ষাই মনকে শুদ্ধ ও উন্নত করে।
শিক্ষা হী মনকো শুদ্ধ ঔর উন্নত করতী হৈ।
তিনি আমার-কথায় কর্ণপাত করিলেন না।
উন্হোঁনে হমারী বাত পর কান নহীঁ দিয়া।
চক্ষের পলক পড়তে না পড়তে তিনি অদৃশ্য হইলেন।
পলক মারতে ২ বহ গায়ব হোগয়ে।
তিনি গভীর রাত্রে যাত্রা করিয়াছেন।
উন্হোঁনে আধী রাতকো যাত্রা কী।
আমি সর্ব্বান্তঃকরণে তোমার মঙ্গল কামনা করি।
মৈঁ অন্তঃকরণ সে তুম্হারা ভলা চাহতা হুঁ।
এক দিনে কোন কাজ হয় না।
এক দিনমেঁ কোঈ কাম নহীঁ হোতা।
মানুষ মনে করে এক, ঘটে আর।
আদমী সোচতা কুছ হৈ ঔর হোতা কুছ হৈ।
তাঁহার শিখিবার বয়স আর নাই।
উনকো সীখনেকী উম্র ঔর নহীঁ হৈ।
তিনি সমস্ত জীবন সুখে কাটাইয়াছেন।
উন্হোঁনে সারী উম্র সুখমেঁ বীতাঈ হৈ।
তিনি লজ্জায় মাথা হেঁট করিলেন।
উন্হোঁনে লজ্জাকে মারে সির নীচা কর লিয়া।

সুবুদ্ধিকে এক কথা মরণ সমান।
बुद्धिमानको एक बातमें ही मरण हो जाता है।
মানুষের সময় একবার ফিরেই।
मनुष्य के दिन एकबार तो फिरते ही हैं।
পুলিস ডাকতে ২ চোরটা পিট্টান দিলে।
पुलिस के बुलाते २ चोर हवा होगया।
মিষ্টান্নগুলি দেখে বালকটীর মুখ দিয়া লাল পড়িতে লাগিল।
मिठाई देखते ही बालक की लार टपकने लगी।

सत्ताईसवां पाठ।

ভূগোল শিখিবার আর সহজ কোনও উপায় নাই।
भूगोल सीखने का और सहज तरीका नहीं है।
তাঁহার কথা আমার কানে বাজিতেছে।
उसकी बात मेरे कानमें बज रही है।
প্রেসের কাজ খুব চলিতেছে।
प्रेसका काम खूब चलता है।
মনে একটু সাহস কর।
दिलमें थोड़ी हिम्मत करो।
ইহা হাসি ঠাট্টার বিষয় নহে।
यह हँसी ठट्ठे की बात नहीं है।
বালকেরা জয়ধ্বনি করিতেছে।
बालक जयध्वनि कर रहे हैं।

ভারতীয় কবিদিগের মধ্যে কালিদাস শ্রেষ্ঠ।
भारतीय कवियों में कालिदास श्रेष्ठ था।
স্বর্ণ সর্ব্বাপেক্ষা বহুমূল্য ধাতু।
सोना सब की अपेक्षा बहुमूल्य धातु है।
দুঃখীদিগের প্রতি দয়ালু হও।
दुखियों पर दया करो।
দিল্লী ভারতবর্ষের রাজধানী।
दिल्ली भारतवर्ष की राजधानी है।
তেল ঘির চেয়ে সস্তা।   तेल घोसे सस्ता है।
দয়ার তুল্য আর কিছুই নাই।
दयाके समान और कुछ नहीं है।
সাধুতাই সর্ব্বশ্রেষ্ঠ কৌশল।
ईमानदारी ही सबसे अच्छी नीति है।
ধন দৌলত এ সংসারে চিরস্থায়ী নয়।
इस संसार में धन दौलत चिरस्थायी नहीं है।

दूसरा पाठ।

হিতাহিত	हिताहित	ভাই ভগিনী	भाई बहिन
গুরু শিষ্য	गुरु चेला	স্বর্গ মর্ত্ত	स्वर्ग मर्त्त
রাজা প্রজা	राजा प्रजा	চেতন অচেতন	चेतन अचेतन
কীট পতঙ্গ	कीट पतंग	দেবী দেবতা	देवी देवता

ছঠবাঁ অধ্যায়।

পহলা পাঠ।

দিবা রাত্র	দিন রাত	অন্ন বস্ত্র	অন বস্ত্র
অন্ন জল	অন্ন জল	ধন জন	ধন জন
রক্ত মাংস	রক্ত মাঁস	মাছ মাংস	মছলী মাঁস
স্ত্রী পুরুষ	স্ত্রী পুরুষ	জল স্থল	জল স্থল
মন প্রাণ	মন প্রাণ	তালা চাবি	তালা চাভী
বাড়ী ঘর	ঘর মকান	পাপ পুণ্য	পাপ পুণ্য
তল্পী তাল্পা	গঠরী মুঠরী	হাত পা	হাথ পাব
কাগজ কলম	কাগজ কলম	পিতা পুত্র	বাপ বেটা
পশু পক্ষী	পশু পছী	ভাল মন্দ	অচ্ছা বুরা
ধনী নির্দ্ধন	ধনী নির্ধন	কুকুর বিড়াল	কুত্তা বিল্লী
শত্রু মিত্র	শত্রু মিত্র	চন্দ্র সূর্য্য	চাঁদ সূরজ
নর বানর	নর বানর	ধর্ম্মাধর্ম্ম	ধর্মাধর্ম

মনুষ্য জাতি হাসিতে পারে।

মনুষ্য জাতি হঁস সকতী হৈ।

সূর্য্য পূর্ব্বদিকে উদয় হয়।

সূর্য্য পূর্ব্ব দিশামে উদয় হোতা হৈ।

ভারতীয় কবিদিগের মধ্যে কালিদাস শ্রেষ্ঠ।
भारतीय कवियों में कालिदास श्रेष्ठ था।
স্বর্ণ সর্ব্বাপেক্ষা বহুমূল্য ধাতু।
सोना सब की अपेक्षा बहुमूल्य धातु है।
দুঃখীদিগের প্রতি দয়ালু হও।
दुखियों पर दया करो।
দিল্লী ভারতবর্ষের রাজধানী।
दिल्ली भारतवर्ष की राजधानी है।
তেল ঘি্‌র চেয়ে সস্তা। तेल घीसे सस्ता है।
দয়ার তুল্য আর কিছুই নাই।
दयाके समान और कुछ नहीं है।
সাধুতাই সর্ব্বশ্রেষ্ঠ কৌশল।
ईमानदारी ही सबमें अच्छी नीति है।
ধন দৌলত এ সংসারে চিরস্থায়ী নয়।
इस संसार में धन दौलत चिरस्थायी नहीं है।

दूसरा पाठ।

ছিন্নভিন্ন	छिन्नभिन्न	ভাই ভগিনী	भाई बहिन
গুরু শিষ্য	गुरु चेला	স্বর্গ মর্ত্ত	स्वर्ग मर्त्य
রাজা প্রজা	राजा प्रजा	চেতন অচেতন	चेतन अचेतन
কীট পতঙ্গ	कीट पतंग	দেবী দেবতা	देवी देवता

সুখ দুঃখ   সুখ্ দুঃখ্   হাঁ কি না   হাঁ যা না

তোমার বিলম্ব হইয়াছে।

তুম্হেঁ দের হোগয়ী হৈ।

তাহার মাতার মৃত্যু হইয়াছে।

উসকী মাকী মৃত্যু হোগয়ী হৈ।

তাহার রক্তপাত হইতেছে।

উসকে খূন বহতা হৈ।

আমার যাওয়া হইবে না।

মেরা জানা ন হোগা।

তোমার আসা উচিত ছিল না।

তুম্হারা আনা উচিত ন থা।

আমাকে অনেক কাজ করিতে হইবে।

মুঝে বহুত সে কাম করনে হোঁগে।

এই আবেদন পত্রে আপনাকে স্বাক্ষর করিতে হইবে।

আপকো ইস আবেদনপত্র পর হস্তাক্ষর করনে হোঁগে।

গাভীতে ঘাস খায়।

গায় ঘাস খাতী হৈঁ।

পংখীতে বাসা নির্ম্মাণ করে।

পক্ষী ঘোঁসলে বনায়া করতে হৈঁ।

দিবসে নিদ্রা যাওয়া বড় অনিষ্টকর।

দিনমেঁ নীদ লেনা বড়া নুকসানমন্দ হৈ।

...ড় তিন শত টাকা বেতন পান।

৫৫ পঞ্চান্ন = पचपन
৫৬ ছাপান্ন = छप्पन
৫৭ সাতান্ন = सत्तावन
৫৮ আটান্ন = अट्ठावन
৫৯ উনষাট = उनसठ
৬০ ষাট = साठ
৬১ একষট্টি = इकसठ
৬২ বাষট্টি = बासठ
৬৩ তেষট্টি = त्रेसठ
৬৪ চৌষট্টি = चौंसठ
৬৫ পঁয়ষট্টি = पैंसठ
৬৬ ছয়ষট্টি = छासठ
৬৭ সাতষট্টি = सड़सठ
৬৮ আটষট্টি = अडसठ
৬৯ উনসত্তর = उनहत्तर
৭০ সত্তর = सत्तर
৭১ একাত্তর = इकहत्तर
৭২ বায়াত্তর = बहत्तर
৭৩ তিয়াত্তর = तिहत्तर
[illegible] চুয়াত্তর = चौहत्तर

৭৭ সাতাত্তর = सतहत्तर
৭৮ আটাত্তর = अठहत्तर
৭৯ উনআশি = उन्यासी
৮০ আশি = अस्सी
৮১ একাশি = इक्यासी
৮২ বিরাশি = बयासी
৮৩ তিরাশি = तिरासी
৮৪ চুরাশি = चौरासी
৮৫ পঁচাশি = पिचासी
৮৬ ছিয়াশি = छियासी
৮৭ সাতাশি = सत्तासी
৮৮ অষ্টাশি = अट्ठासी
৮৯ উননব্বুই = नवासी
৯০ নব্বুই = नब्बे
৯১ একানব্বুই = इक्यानवे
৯২ বিরানব্বুই = बानवे
৯৩ তিরানব্বুই = तिरानवे
৯৪ চুরানব্বুই = चौरानवे
৯৫ পঁচানব্বুই = पँचानवे
৯৬ ছিয়ানব্বুই = छियानवे
৯৭ সাতানব্বুই = सत्तानवे
৯৮ আটানব্বই = अट्ठानवे

১১ এগার = ग्यारह
১২ বার = बारह
১৩ তের = तेरह
১৪ চৌদ্দ = चौदह
১৫ পনের = पन्द्रह
১৬ ষোল = सोलह
১৭ সতের = सत्तरह
১৮ আঠার = अठारह
১৯ উনিশ = उन्नीस
২০ কুড়ি = बीस
২১ একুশ = इक्कीस
২২ বাইশ = बाईस
২৩ তেইশ = तेईस
২৪ চব্বিশ = चौबीस
২৫ পঁচিশ = पच्चीस
২৬ ছাব্বিশ = छब्बीस
২৭ সাতাইশ = सत्ताईस
২৮ আটাইশ = अट्ठाईस
২৯ উনত্রিশ = उनतीस
৩০ ত্রিশ = तीस
৩১ একত্রিশ = इकतीस
৩২ বত্রিশ = बत्तीस
৩৩ তেত্রিশ = तैंतीस
৩৪ চৌত্রিশ = चौंतीस
৩৫ পঁয়ত্রিশ = पैंतीस
৩৬ ছত্রিশ = छत्तीस
৩৭ সাঁইত্রিশ = सैंतीस
৩৮ আটত্রিশ = अड़तीस
৩৯ উনচল্লিশ = उनतालीस
৪০ চল্লিশ = चालीस
৪১ এক চল্লিশ = इकतालीस
৪২ বিয়াল্লিশ = बयालीस
৪৩ তেতাল্লিশ = तैंतालीस
৪৪ চুয়াল্লিশ = चँवालीस
৪৫ পঁয়তাল্লিশ = पैंतालीस
৪৬ ছয় চল্লিশ = छियालीस
৪৭ সাত চল্লিশ = सैंतालीस
৪৮ আট চল্লিশ = अड़तालीस
৪৯ উনপঞ্চাশ = उनचास
৫০ পঞ্চাশ = पचास
৫১ একান্ন = इक्यावन
৫২ বায়ান্ন = बावन
৫৩ তিপান্ন = तिरपन
৫৪ চুয়ান্ন = चौवन

৫৫ পঞ্চান্ন = पचपन
৫৬ ছাপান্ন = छप्पन
৫৭ সাতান্ন = सत्तावन
৫৮ আটান্ন = अट्ठावन
৫৯ উনষাট = उनसठ
৬০ ষাট = साठ
৬১ একষট্টি = इकसठ
৬২ বাষট্টি = बासठ
৬৩ তেষট্টি = तिरसठ
৬৪ চৌষট্টি = चौसठ
৬৫ পঁয়ষট্টি = पैंसठ
৬৬ ছয়ষট্টি = छासठ
৬৭ সাতষট্টি = सड़सठ
৬৮ আটষট্টি = अड़सठ
৬৯ উনসত্তর = उनहत्तर
৭০ সত্তর = सत्तर
৭১ একাত্তর = इकहत्तर
৭২ বাহাত্তর = बहत्तर
৭৩ তিয়াত্তর = तिहत्तर
৭৪ চুয়াত্তর = चौहत्तर
৭৫ পঁচাত্তর = पचहत्तर
৭৬ ছিয়াত্তর = छिहत्तर
৭৭ সাতাত্তর = सतहत्तर
৭৮ আটাত্তর = अठहत्तर
৭৯ উনআশি = उन्यासी
৮০ আশি = अस्सी
৮১ একাশি = इक्यासी
৮২ বিরাশি = बयासी
৮৩ তিরাশি = तिरासी
৮৪ চুরাশি = चौरासी
৮৫ পঁচাশি = पिचासी
৮৬ ছিয়াশি = छियासी
৮৭ সাতাশি = सत्तासी
৮৮ অষ্টাশি = अट्ठासी
৮৯ উননব্বুই = नवासी
৯০ নব্বুই = नब्बे
৯১ একানব্বুই = इक्यानवे
৯২ বিরানব্বুই = बाणवे
৯৩ তিরানব্বুই = तिरानवे
৯৪ চুরানব্বুই = चौरानवे
৯৫ পঁচানব্বুই = पंचानवे
৯৬ ছিয়ানব্বুই = छियानवे
৯৭ সাতানব্বুই = सत्तानवे
৯৮ আটানব্বুই = अट्ठानवे

৯৯ নিরেনব্বই = निन्यानवे   ১০,০০০ দশ হাজার = दस
১০০ এক শত = एकसौ   ১০০,০০০ লক্ষ = लाख
১০০০ একহাজার = एकहजार   ১০০০০০০ দশ লক্ষ = दस

চৌথা পাঠ।

তাকে এখন যেতে বল। उसे इस समय जाने को कहो।
হিন্দুরা শব দাহ করে। हिन्दू का मुर्दा जलाया जाता है।
তিনি বাজারে চা কিনিতে গেলেন।
वह बाजार में चाय खरीदने गये।
আমি তাঁহাকে দেখিতে আসিয়াছিলাম।
मैं उन्हें देखने को आया था।
আমি যাইতে প্রস্তুত ছিলাম। मैं जानेको तय्यार था।
তাঁহারা উপন্যাস পড়িতে ভালবাসেন।
उनको उपन्यास पढना अच्छा लगता है।
তোমার বই আজ ফিরাইয়া দিয়াছি।
तुम्हारी पुस्तक आज लौटादी है।
তিনি আজ প্রাতে কাশী গিয়াছেন।
वह आज सवेरे काशी गये हैं।
রাম কাল কলিকাতায় গিয়াছে। राम कल कलकत्ते गया
এ সপ্তাহে প্রচুর বৃষ্টি হইয়াছে।
इस सप्ताह में पानी खूब बरसा है।

পাঁচবাঁ পাঠ।

শীঘ্র কিংবা বিলম্বে	জল্‌দী‌ঁয়া দেরসে
আর একবার	এক দফা ঔর, একবার ফির
সেই মুহূর্ত্তেই	উসী মহূর্ত্ত মেঁ, তুরত হী
বর্ত্তমান সময়ে	বর্ত্তমান সময় মেঁ
তৎক্ষণাৎ	ফৌরন, উসী ছণ
এখনও	অব ভী
এই মাত্র	অভী অভী
সেই দিনই	উসী দিন
এতাবৎকাল	আজ়তক

তাঁহার গলায় গলাবন্ধ ছিল।
উনকে গলেমেঁ গুলুবন্দ থা।
প্রতি সপ্তাহে কলিকাতায় আন্দাজ দুই শত লোকের মৃত্যু হয়।
কলকত্তেমেঁ হর হফ্‌তে অন্দাজন দো সৌ আদমী মরতে হৈঁ।
এখন আন্দাজ সাতটা বাজিয়াছে।
ইস সময় অন্দাজন সাত বজে হৈঁ।
গত বৎসরের পূর্ব্ব বৎসর তিনি মরমর হইয়াছিলেন।
ত্যৌরস কী সাল বহ মরঁ মরঁ হো গয়ে থে।
আমি প্রত্যহ আন্দাজ দেড় সের দুধ খাইয়া থাকি।
মৈঁ হর রোজ় অন্দাজন ডেঢ় সের দূধ পী লেতা হূঁ।
সন্তানগণের শিক্ষা বিষয়ে আমি বড় উদ্বিগ্ন আছি।
মুঝে বচ্চোঁ কী শিক্ষা কা বড়া ফ্রিক হৈ।

তারাগণ মেঘের উপরে রহিয়াছে।
तारे बादलों के ऊपर हैं।
পঞ্চাশ জন লোকের অধিক উপস্থিত ছিল না।
पचास से अधिक आदमी मौजूद नहीं थे।
এখন আন্দাজ একটা বাজিয়াছে।
इस समय अन्दाजन एक बजा है।
চারিটার সময় তিনি এখানে ছিলেন।
चार बजे वह यहाँ थे।
বারকপুরে আমার একটি ক্ষুদ্র বাগান আছে।
बारकपुर में मेरा एक छोटासा बगीचा है।
দুর্ভিক্ষের জন্য শস্য সঞ্চয় করিয়া রাখ।
अकाल के लिये शस्य जमा कर रक्खो।
দরিদ্রতা প্রযুক্ত তিনি দেনা পরিশোধ করিতে পারেন নাই।
वह दरिद्रता के कारण से देना नहीं चुका सके।
বার্দ্ধক্য প্রযুক্ত তিনি চলিতে অশক্ত।
बुढापे के कारण वह चलनेमें असक्त हैं।
তিনি লজ্জা বশতঃ এ কথার উল্লেখ করিলেন না।
उन्होंने लज्जा के मारे यह बात नहीं कही।
মনোযোগপূর্ব্বক পাঠ অভ্যাস কর।
मन लगाकर पाठ पढ़ो।
তিনি হাতে হাতেই ফল পাইয়াছিলেন।
उन्हों ने हाथों हो हाथ फल पा लिया था।

আমি কোন ক্রমে এ কাজ করিব না।
मैं किसी तरह इस काम को न करूं गा।
দিন দিন আমাদের দেশের উন্নতি হইতেছে।
दिनों दिन हमारे देश की उन्नति होरही है।

छठा पाठ।

যাবজ্জীবন	जिन्दगी भर, यावज्जीवन
চিরকালের জন্য	सदा के लिये
এক ঘণ্টার জন্য	एक घण्टे के लिये
বহুকাল ব্যাপিয়া	मुद्दत तक,
অবিলম্বে	एकदम
ইতিমধ্যে	इस बीचमें
অশুভক্ষণে	बुरी घड़ी में
ঠিক সময়ে	ठीक समयपर
নিমেষ মধ্যে	पलक मारते मारते
পরিশেষে	अन्त में, आखिरकार
আজকাল	आजकल
সারাদিন	सब दिन, तमाम दिन
সপ্তাহ ব্যাপিয়া	हफ्तेभर, सप्ताहभर
সংবৎসর ধরিয়া	वर्षभर, सालभर
সে দিন	उस दिन
একদা	एक समय

তিন ঘণ্টা অন্তর	तीन तीन घण्टे पर
গত শনিবার	गया शनिवार
আগামী শনিবারের পরের শনিবার।	
आगामी शनिवार के बादका शनिवार	
চারি দিনের মধ্যে	चार दिनोंमें
এক সপ্তাহের মধ্যে	एक सप्ताहमें
চারি ঘটিকার সময়	चार बजे
মধ্য রাত্রিতে	आधी रात को
প্রাতঃকালে	प्रात: समय, सवेरे
প্রত্যূষে	पौफटे
মধ্যাহ্নে	मध्यान्ह कालमें, दोपहरको
দুপুর বেলায়	दोपहर के समय
বৈকালে	तीसरे पहर
সন্ধ্যাকালে	सन्ध्या समय, शामको
রাত্রিতে	रात को, रात में
দিবাভাগে	दिन में
এক মাসে	एक महीने में
তিন বৎসরে	तीन वर्षमें
শনিবারে	शनिवार को
মে মাসে	मई महीने में
শেষে	अन्त में

অদ্য হইতে	आज से
সূর্য্যোদয়ের পূর্ব্বে	सूर्य्योदय से पहले
অদ্যাবধি	आज तक
াতক্ষণে	इस समय
াত্যেক দিন	प्रत्येक दिन, हर दिन
শশবে	शैशवकाल में, बचपन में
ার্দ্ধক্যে	बुढ़ापे में
ৃত্যুকালে	मृत्यु समय में, मरने के वक्त
াথাকালে	उचित समय पर

াামি সে খবর শুনিয়াছি।

ইনি वह खबर सुनी है।

াম হরির চেয়ে ভাল।

াম हरिसे अच्छा है।

উনি আমার চেয়ে ভাল ছেলে।

াহ मेरो अपेक्षा अच्छा लड़का है।

ে্তামার অপেক্ষা বড় বুদ্ধিমান।

মহ तुम्हारी अपेक्षा बुद्धिमान है।

াারৎ অপেক্ষা সতীশ পরিশ্রমী।

সতীश शरत की बनिस्बत ज़ियादा मिहनती है।

কাঠ হইতে লৌহ শক্ত।

काठसे लोहा सख़्त होता है।

সঙ্গীতের চেয়ে মধুর আর কিছুই নাই।

शहद से मीठी और कोई चीज़ नहीं है।
দুই ভাইয়ের মধ্যে নরেন বড়।
दोनों भाइयों में नरेन बड़ा है।
দুই জনের মধ্যে কে বেশী জ্ঞানী ?
दोनोंमें से कौन अधिक ज्ञानी है ?
আমার চেয়ে তাহার জোর বেশী।
उसमें मुझसे अधिक बल है।
আমার ঘর তোমার ঘর অপেক্ষা নিকৃষ্ট।
मेरा घर तुम्हारे घरसे निकृष्ट है।
গদ্য হইতে পদ্য অনেক বেশী শক্ত।
गद्यसे पद्य बहुत कठिन है।
জাপানবাসীরা রুষদিগের অপেক্ষা অনেক অধিক পরাক্রমশালী।
जापानवासी रूसियोंकी अपेक्षा अत्याधिक पराक्रमी हैं।
তিনি আমার অপেক্ষা পাঁচ বৎসরের বড়।
वे मुझसे पांच वर्ष बड़े हैं।
পৃথিবীর মধ্যে ভারতবর্ষ সর্ব্বোৎকৃষ্ট দেশ।
संसारमें भारतवर्ष सबसे अच्छा देश है।
ব্যবসা চাকরী অপেক্ষা অনেক বেশী ভাল।
व्यवसाय चाकरीसे बहुत अच्छा है।
পণ্ডিতেরা মূর্খ লোক অপেক্ষা বেশী সুখী।
पण्डित लोग मूर्खों से अधिक सुखी हैं।

सातवा पाठ ।

उपयोगी शब्द ।

অনুগ্রহ করিয়া । मिहरबानीसे, कृपा करके ।
মনোযোগ করিয়া । ध्यानसे, ध्यान देकर ।
শপথ করিয়া । शपथपूर्वक, कसम खाकर ।
অত্যন্ত তাড়াতাড়ি করিয়া । अत्यन्त शीघ्रतासे ।
স্বেচ্ছাপূর্ব্বক । अपनी मरजीसे, अपनी इच्छासे ।
যত্নপূর্ব্বক । यत्नपूर्वक, होशियारीसे ।
ঘোড়ায় চড়িয়া । घोड़े पर चढ़ कर ।
পায়ে হাঁটিয়া । पैदल ।
সাবধান পূর্ব্বক । सावधानीसे ।
আলস্য করিয়া । आलस्य करके, सुस्तीसे ।
পীড়া বশতঃ । रोगके कारणसे ।
দুর্ব্বলতা বশতঃ । दुर्व्वलताके कारणसे ।
দরিদ্রতা নিবন্ধন । दरिद्रताके कारणसे ।
শীতপ্রযুক্ত । जाड़ेके मारे ।
ঈর্ষাপ্রযুক্ত । ईर्षाके कारणसे ।
সময়ের অভাব বশত । समय न रहनेसे ।
বিলম্ব বশত. । देर होनेकी वजहसे ।
স্নেহ বশত । प्रेमके कारण ।
দৈবক্রমে । दैवात्, इत्तिफाक से ।

ভাগ্যক্রমে। भाग्यवश।
স্রোতক্রমে না। किसी तरह नही।
ভ্রমক্রমে। भूलसे, गलतीसे।
প্রসঙ্গক্রমে। प्रसङ्गवश।
পর্য্যায়ক্রমে। बारीसे।
সম্মতিক্রমে। सम्मतिसे।
দিন দিন। दिन ब दिन, रोज़ ब रोज़।
ঘণ্টায় ঘণ্টায়। घण्टे घण्टे में।
সপ্তাহে সপ্তাহে। सप्ताह सप्ताह में।
একে একে। एक एक करके।
ক্রমে ক্রমে। क्रम क्रमसे।
পদে পদে। पैंड पैंड पर, क़दम क़दम पर।
ফোঁটা ফোঁটা। बूँद बूँद करके।
দ্বারে দ্বারে। द्वार द्वार पर।
রাস্তায় রাস্তায়। गली गलीमें।
দেশে দেশে। देश देशमें।
ঘরে ঘরে। घर घरमें।
যুগে যুগে। युग युगमें।
বনে বনে। वन वनमें।
নগরে নগরে। नगर नगर में।
সর্ব্বসমেত। बिलकुल, सबका सब।
কোনক্রমেই না। किसी उपाय से नहीं।

গোপনে। গুপ্তরূপসে।

পরিবর্তে। বজায়, জগহমেঁ, স্থানমেঁ।

সত্বেও। তিসপর ভী

সকল প্রকারে। সবতরহসে।

সর্ব্বতোভাবে। সর্ব্বতোভাবসে

অনেকের মতে। বহুতোঁকী সম্মতিসে।

বিবেচনা করিয়া। খ্যাল কারকে, বলিহাজ।

পক্ষান্তরে। পক্ষান্তরমেঁ।

সৎউদ্দেশ্যে। অচ্ছে উদ্দেশ্যসে।

উচ্চৈঃস্বরে। উচ্চস্বরসে, জোরকী আবাজসে।

কর্কশ স্বরে। কঠোর আবাজসে।

করুণস্বরে। রোনীসী আবাজসে।

ভগ্নস্বরে। টুটে ফুটে স্বরসে, অটকতী আবাজসে।

কাতর বচনে। করুণাময় বচনসে।

সর্ব্বত্র। সব জগহ।

বহুদূরে। বহুত দূর পর।

এদিক ওদিক। ইধর উধর।

ন্যূনাধিক। কম অধিক।

সর্ব্বোপরি। সবসে উপর।

जमें पचजाता है एवं अङ्ग शैथिल्य और बुढापा प्रभृति कस रतो पर आक्रमण नहीं कर सकते। बलवान और चिकना भोजन करनेवाले तथा मोटे आदमीके लिये कसरत अत्यन्त उपकारी है।व्यायामके समान स्थूलता (मुटापा) नाशक दूसरा और उपाय नहीं है।

दूसरा पाठ।

তৈল মৰ্দ্দনম্।

তৈল মৰ্দ্দনে শ্রমের শান্তি ও বাতের উপশম হয়, দৃষ্টিশক্তি ও আয়ু বৃদ্ধি এবং শরীর পুষ্ট হয়, চর্ম্মের দৃঢ়তা ও শোভা সম্পাদিত হয়, সুনিদ্রা জন্মে এবং জরা আক্রমণ করিতে পারে না। মস্তকে, কর্ণ ও পদদ্বয়ে বিশেষরূপে তৈল ব্যবহার করা কর্ত্তব্য।

तेलकी मालिश।

तेल मलने से श्रमकी शान्ति और वातका उपशम होता है। दृष्टि-शक्ति और आयु एवं शरीर पुष्ट होता है। चमड़ा मज़बूत और शोभायमान होजाता है। अच्छी नींद आती है और बुढ़ापा आक्रमण नहीं कर सकता। सिर, कान और दोनों पैरोंमें विशेष रूपसे तेल मालिश कराना चाहिये।

তীসরা পাঠ।

স্নানম্।

স্নানে শরীর পবিত্র হয়। বল, বীর্য্য, আয়ু ওজধাতু বৃ
পায় এবং শ্রম, স্বেদ ও দেহের মল বিদূরিত হয়।

স্নান করিবার সময় শরীরে ঈষৎ উষ্ণ জল ও মাথায় শীত
জল ব্যবহার করা কর্ত্তব্য। মাথায় উষ্ণ জল ব্যবহার করি
কেশমূল শিথিল হয় এবং দৃষ্টি হ্রাস পায়। উষ্ণ জলে স্না
দুগ্ধপান, যুবতী স্ত্রী সম্ভোগ ও ঘৃতাদি দ্বারা স্নিগ্ধ অন্ন ভোজ
সর্ব্বদা মানবগণের পক্ষে সুপথ্য।

स्नानम्।

स्नानसे शरीर पवित्र होता है। बल, वीर्य्य, आयु, औ
ओज धातुकी वृद्धि होती है तथा श्रम, पसीना और देहक
मैल दूर होता है।

स्नान करनेके समय शरीर पर कुछ गर्म जल और सि
पर शीतल जल व्यवहार करना उचित है। माथे पर गरम
जल व्यवहार करने से बालोंकी जड ढीली पड़ती है तथा
नेत्र ज्योति कम होजाती है। गरम जलसे स्नान, दूध पीना,
युवती स्त्रीसे सम्भोग करना और घी वगैर. से चिकना भोजन
करना मनुष्योंके लिये सदा हितकारी है।

চৌথা পাঠ।

আহার।

মানব শরীরে স্বাভাবিক নিয়মে এই চারি প্রকার ইচ্ছা জন্মিয়া থাকে। যথা—আহারের ইচ্ছা পান করিবার ইচ্ছা, নিদ্রা ও সহবাসের ইচ্ছা। আহারের ইচ্ছা জন্মিলে যদি আহার করা না যায়, তাহা হইলে অঙ্গ মর্দ্দ, অরুচি, শ্রমবোধ, তন্দ্রা, দুর্ব্বলতা, বলক্ষয় ও ধাতুপাক লক্ষণ সমূহ পরিলক্ষিত হইতে থাকে।

যথাবিধি আহারে—দেহ ধারণ করে, প্রীতি ও বল জন্মায় এবং স্মরণ শক্তি, আয়ু, উৎসাহ, বর্ণ, ওজধাতু, জীবনীয় শক্তি ও শরীরের কান্তি বৃদ্ধি করে।

প্রাতঃকালে ও সায়ংকালে এই দুইবার মাত্র আহার করা উচিত। রসাদি ধাতু, কফাদি দোষ ও মল সমূহ সম্যক্ পরিপাক পাইয়া যখনই ক্ষুধার উদ্বেগ হয়, তখনই আহার করা কর্ত্তব্য।

আমাশয়ের দুই ভাগ অন্নাদি ভোজ্য বস্তু দ্বারা ও এক ভাগ জলদ্বারা পূর্ণ করিয়া চতুর্থ ভাগ বায়ু সঞ্চরণের জন্য খালি রাখিবে।

আহার।

মনুষ্য শরীরমেঁ স্বাভাবিক নিয়ম অনুসার যে চার প্রকার কী ইচ্ছায়েঁ হোতী হৈঁ। যথা—খানেকী ইচ্ছা, পীনেকী ইচ্ছা, সোনে ঔর স্ত্রী-সহবাসকী ইচ্ছা। খানেকী ইচ্ছা

होने पर भोजन न दिया जाय तो शरीरमें दर्द, अरुचि, थकान, जँभाई कमज़ोरी, बलका नाश और ग्लानि आदि धातुपाक के लक्षण होते हैं।

विधि सहित किया हुआ भोजन देहको धारण करता, प्रीति और बल पैदा करता एव स्मरण-शक्ति, आयु, उत्साह, वर्ण, ओज, जीवनीयशक्ति और शरीर की कान्तिकी वृद्धि करता है।

सवेरे और शाम को दो बार भोजन करना उचित है। रस आदि धातु, कफादि दोष और मल समूह परिपाक होने पर जब भूख लगे तभी खाना उचित है।

आमाशयके दो भाग अन्न आदि खानेकी चीजों द्वारा और एक भाग जल द्वारा भर कर, चौथा भाग वायुके घूमनेके लिये खाली रखना चाहिये।

পাঁচবাঁ পাঠ।

এক ব্যক্তির একটী ঘোড়া ছিল। সে ঐ ঘোড়া ভাড়া দিয়া, জীবিকা নির্বাহ করিত। গ্রীষ্মকালে, একদিন কোনও ব্যক্তি চলিয়া যাইতে যাইতে অতিশয় ক্লান্ত হইয়া ঐ ঘোড়া ভাড়া করিল। মধ্যাহ্নকাল উপস্থিত হইলে, সে ব্যক্তি

ঘোড়া হইতে নামিয়া খানিক বিশ্রাম করিবার নিমিত্ত ঘোড়ার ছায়ায় বসিল, তাহাকে ঘোড়ার ছায়ায় বসিতে দেখিয়া যাহার ঘোড়া সে বলিল, ভাল, তুমি ঘোড়ার ছায়ায় বসিবে কেন ? ঘোড়া তোমার নয়; এ আমার ঘোড়া আমি উহার ছায়ায় বসিব তোমায় কখনও বসিতে দিব না। তখন সে ব্যক্তি বলিল, আমি সমস্ত দিনের জন্য ঘোড়া ভাড়া করিয়াছি, কেন তুমি আমায় উহার ছায়ায় বসিতে দিবে না ? অপর ব্যক্তি বলিল, তোমাকে ঘোড়াই ভাড়া দিয়াছি, ঘোড়ার ছায়া ত ভাড়া দি নাই। এইরূপে ক্রমে ২ বিবাদ উপস্থিত হওয়াতে উভয়ে ঘোড়া ছাড়িয়া দিয়া মারামারি করিতে লাগিল। এই সুযোগে ঘোড়া বেগে দৌড়িয়া পলায়ন করিল, আর উহার সন্ধান পাওয়া গেল না।

किसी शख्स के एक घोड़ा था। वह उस घोड़े को भाड़े पर देकर जीविका निर्व्वाह करता था। ग्रीष्म कालमें, एकदिन, किसी शख्सने जाते-आते बहुतही थक कर वह घोड़ा भाड़े लिया। मध्याह्नकाल होने पर वह शख्स घोड़ेसे उतर कर, थोड़ासा आराम करनेके लिये घोड़ेकी छायामें बैठ गया। उसे घोड़े की छाया में बैठते देख कर घोड़ेका मालिक बोला '—भला, तुम घोड़ेकी छाया में क्यों बैठे? घोड़ा तुम्हारा नहीं है, यह मेरा घोड़ा है, मैं उसकी छायामें बैठूँगा। तुमको हरगिज न बैठने दूँगा। तब वह शख्स बोला, मैंने सारे दिनके लिये घोड़ा भाड़े किया है, तुम मुझे इसकी छायामें क्यों न बैठने दोगे? दूसरा शख्स बोला, तुमको घोड़ा ही भाड़े दिया है घोड़े की छाया तो भाड़े नहीं दी। इस तरह, क्रम क्रमसे विवाद होनेपर, दोनोंने घोड़ा छोड़ दिया और मारपीट करने लगे। इसी सुयोगमें घोड़ा जोरसे दौड़ कर भाग गया। फिर उसका पता न मिला।



ছঠা পাঠ।

গোপালপুর নামক এক গ্রামে হবিদাস দত্ত নামে এক দরিদ্র গৃহস্থ বাস কবিতেন। হরিদাসেব অন্ন সংস্থানেব কোন উপায় ছিল না। একদিন সে নির্জ্জনে বসিয়া নিজ স্ত্রী পুত্রেব ভবিষ্যতে কি হইবে, তাহা চিন্তা করিতেছে, এমন সময় ঐ গ্রামেব একটী সম্ভ্রান্ত লোক আসিয়া বলিলেন, "হরিদাস তুমি কি ভাবিতেছ? তুমি সর্ব্বদা এরূপ দুর্ভাবনা করিলে পাগল হইবে। কোন ভাবনা না কবিয়া ধনোপার্জ্জনে মন দিলে দিন দিন নিশ্চযই তোমার উন্নতি হইবে। আমি তোমার উপকাব কবিতেছি। আমাব সহিত আইস, আমি তোমাকে কলিকাতায লইযা গিযা, কোন মহাজনেব কোন কার্য্যে নিযুক্ত কবিযা দিতেছি। তাহা হইলে অল্প সমযের মধ্যেই তোমার দবিদ্রতা দূব হইবে।"

गोपालपुर नामक एक गाँवमें हरिदास दत्त नामका एक दरिद्र गृहस्थ रहता था। हरिदासके अन्नसस्थानका कोई उपाय न था। एक दिन वह एकान्तमें बैठा हुआ यह सोच रहा था, कि मेरे स्त्री पुत्रोंका भविष्यत्‌में क्या हाल होगा। इसी समय, उस गाँवका एक सम्भ्रान्त व्यक्ति आकर बोला "हरिदास तुम क्या सोचते हो? तुम सदा इस तरह दुर्भावना करनेसे पागल होजाओगे। किसी तरहका विचार न कर, धनके कमाने में, दिल लगाने से दिन-दिन निश्चयही तुम्हारी उन्नति होगी। मैं तुम्हारा उपकार करता हूँ, मेरे साथ आओ। मैं तुम्हें कलकत्ते लेजाकर, किसी महाजन के यहाँ किसी कामपर नियुक्त करा दूँगा। ऐसा होनेसे थोड़े समय में ही तुम्हारा दरिद्र दूर हो जायगा।

सातवां पाठ।

শৃগাল ও দ্রাক্ষাফল।

একদা এক ক্ষুধার্ত্ত শৃগাল আহারান্বেষণে ইতস্ততঃ ভ্রমণ করিতে করিতে কোনও স্থানে বেড়ার উপর কয়েকটী দ্রাক্ষাফল দেখিতে পাইল। সুমিষ্ট ও সুপক্ক দ্রাক্ষাফল

দেখিয়া শৃগালের বড লোভ জন্মিল,কিন্তু সে বহু চেষ্টা করিয়াও সেই উচ্চ স্থানে উঠিতে পারিল না। অবশেষে অত্যন্ত পরিশ্রান্ত ও নিরাশ হইয়া বলিতে বলিতে চলিয়া গেল, "আঙ্গুর ফল অল্প রসে পরিপূর্ণ ও অপক্ব, অতএব উহার জন্য চেষ্টা না করাই শ্রেয়ঃ।"

स्यार और अँगूर।

एक दफा एक भूखे स्यारने आहार की तलाश में इधर उधर घूमते घूमते किसी स्थान पर बेडेके ऊपर कुछ अँगूर देखे। मीठे और खूब पके हुए अँगूर देख कर स्यारका मन ललचा गया। किन्तु बहुत सी चेष्टायें करने, पर भी वह ऊँचे स्थानपर चढ़ न सका। अन्तमें बहुत थकित और निराश होने पर वह यह कहता हुआ चला गया, "अँगूर खट्टे और कच्चे हैं, अतएव इनके लिये चेष्टा न करना ही अच्छा है।"

गोपालपुर नामक एक गाँवमें हरिदास दत्त नामका एक दरिद्र गृहस्थ रहता था। हरिदासके भरणस्थानका कोई उपाय न था। एक दिन वह एकान्तमें बैठा हुआ यह सोच रहा था, कि मेरे स्त्री पुत्रोंका भविष्यत्में क्या हाल होगा। इसी समय, उस गाँवका एक सम्भ्रान्त व्यक्ति आकर बोला "हरिदास तुम क्या सोचते हो? तुम सदा इस तरह दुर्भावना करनेसे पागल होजाओगे। किसी तरहका विचार न कर, धनके कमाने में, दिल लगाने से दिन-दिन निश्चयही तुम्हारी उन्नति होगी। मैं तुम्हारा उपकार करता हूँ, मेरे साथ आओ। मैं तुम्हें कलकत्ते लेजाकर, किसी महाजन के यहाँ किसी कामपर नियुक्त करा दूँगा। ऐसा होनेसे थोड़े समय में ही तुम्हारा दरिद्र दूर हो जायगा।

सातवाँ पाठ।

শৃগাল ও দ্রাক্ষাফল।

একদা এক ক্ষুধার্ত্ত শৃগাল আহারান্বেষণে ইতস্ততঃ ভ্রমণ করিতে করিতে কোনও স্থানে বেড়ার উপর কয়েকটী দ্রাক্ষাফল দেখিতে পাইল। সুমিষ্ট ও সুপক্ক দ্রাক্ষাফল

দেখিয়া শৃগালের বড় লোভ জন্মিল, কিন্তু সে বহু চেষ্টা করিয়াও সেই উচ্চ স্থানে উঠিতে পারিল না। অবশেষে অত্যন্ত পরিশ্রান্ত ও নিরাশ হইয়া বলিতে বলিতে চলিয়া গেল, "আঙ্গুর ফল অল্প রসে পরিপূর্ণ ও অপক্ব, অতএব উহার জন্য চেষ্টা না করাই শ্রেয়ঃ।"

स्यार और अंगूर।

एक दफा एक भूखे स्यारने आहार की तलाश में इधर उधर घूमते घूमते किसी स्थान पर बेडेके ऊपर कुछ अँगूर देखे। मीठे और खूब पके हुए अँगूर देख कर स्यारका मन ललचा गया। किन्तु बहुत सी चेष्टायें करने पर भी वह ऊँचे स्थानपर चढ न सका। अन्तमें बहुत थकित और निराश होने पर वह यह कहता हुआ चला गया, "अँगूर खट्टे और कच्चे हैं, अतएव इनके लिये चेष्टा न करना ही अच्छा है।"

আঠবাঁ পাঠ।

কুকুব ও প্রতিবিম্ব।

একটা কুকুর, একখণ্ড মাংস মুখে করি
নদী পার হইতেছিল। নদীর নির্ম্মল জ
তাহার যে প্রতিবিম্ব পড়িয়াছিল, সে
প্রতিবিম্বকে অন্য কুকুর স্থির করিয়া, মনে
মনে বিবেচনা কবিল, এই কুকুরের মুখে যে
মাংস খণ্ড আছে কাড়িয়া লই; তাহা হইলে
আমার দুই খণ্ড মাংস হইবেক।

এইরূপ লোভে পডিয়া মুখ বিস্তার
করিয়া, কুকুর যেমন সেই অলীক মাংস খণ্ড
ধরিতে গেল অমনি উহার মুখস্থিত মাংস-
খণ্ড জলে পড়িয়া স্রোতে ভাসিয়া গেল।
তখন সে, হতবুদ্ধি হইয়া, কিয়ৎক্ষণ স্তব্ধ
হইয়া রহিল, অনন্তর, এই ভাবিতে ভাবিতে
নদী পার হইয়া চলিয়া গেল; যাহারা
লোভেব বশীভূত হইয়া কল্পিত ...

প্রত্যাশায় ধাবমান হয়, তাহাদের এই দশাই ঘটে।

कुत्ता और प्रतिविम्ब।

एक कुत्ता, मांसका एक टुकड़ा लिये हुए नदी पार कर रहा था। नदीके निर्म्मल जलमें उसकी परछाईं पड़ी। उस परछाईंको दूसरा कुत्ता समझकर मनमें विचारने लगा, इस कुत्तेके मुँहमें जो मांसका टुकड़ा है उसे निकाल लूँ तो मेरे पास मांसके दो टुकड़े हो जायँ।

इस तरह लोभमें पड़कर उसने मुँह फैलाया। कुत्ता जिस समय परछाईं रूपी मांस-खण्डको पकड़ने लगा उस समय उसके मुँहका मांस-खण्ड जलमें गिर गया और धारामें बह गया। उस समय वह हतबुद्धि होकर कुछ क्षण तक स्तब्ध हो गया। पीछे यह विचारता विचारता नदी पार चला गया, कि जो लोभके वशीभूत होकर कल्पित लाभकी आशासे दौड़ते हैं उनकी यही दशा होती है।

নবম পাঠ।

নেকড়েবাঘ ও মেষশাবক।

এক ব্যাঘ্র, পর্ব্বতের ঝরণায় জল পা
করিতে করিতে, দেখিতে পাইল, কিছুদূরে
নীচের দিকে, এক মেষশাবক জলপান করি
তেছে। সে দেখিয়া মনে ২ কহিতে লাগিল
এই মেষের প্রাণ সংহার করিয়া, আজিকার
আহার সম্পন্ন করি ; কিন্তু বিনা দোষে এক
জনের প্রাণবধ করা ভাল দেখায় না ;
অতএব একটা দোষ দেখাইয়া, অপরাধী
করিয়া উহার প্রাণবধ করিব।

এই স্থির করিয়া, ব্যাঘ্র সত্বরগমনে
মেষশাবকের নিকট উপস্থিত হইয়া কহিল,
অরে দুরাত্মন্! তোর এত বড় আস্পর্দ্ধা
যে, আমি জল পান করিতেছি দেখিয়াও,
তুই জল ঘোলা করিতেছিস্। মেষ শুনিয়া
ভয়ে কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, সে কি

মহাশয়! আমি কেমন করিয়া আপনার পান করিবার জল ঘোলা করিলাম। আমি নীচে জল পান করিতেছি, আপনি উপরে জল পান করিতেছেন। নীচের জল ঘোলা করিলে উপরে জল ঘোলা হইতে পারে না।

বাঘ কহিল, সে যাহা হউক, তুই এক বৎসর পূর্ব্বে আমার বিস্তর নিন্দা করিয়াছিলি; আজি তোরে তাহার সমুচিত প্রতিফল দিব। মেষশাবক কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, আপনি অন্যায় আজ্ঞা করিতেছেন; এক বৎসর পূর্ব্বে আমার জন্মই হয় নাই; সুতরাং তৎকালে আমি আপনকার নিন্দা করিয়াছি, ইহা কিরূপে সম্ভবিতে পারে। বাঘ কহিল, হাঁ বটে, সে তুই নহিস্, তোর বাপ আমার নিন্দা করিয়াছিল। তুই কর্, আর তোর বাপ করুক, একই কথা। আর আমি তোর কোন

নেকড়েবাঘ ও মেষশাবক।

এক ব্যাঘ্র, পর্ব্বতের ঝরণায় জল পান করিতে করিতে, দেখিতে পাইল, কিছুদূরে, নীচের দিকে, এক মেষশাবক জলপান করিতেছে। সে দেখিয়া মনে ২ কহিতে লাগিল, এই মেষের প্রাণ সংহার করিয়া, আজিকার আহার সম্পন্ন করি ; কিন্তু বিনা দোষে এক জনের প্রাণবধ করা ভাল দেখায় না ; অতএব একটা দোষ দেখাইয়া, অপরাধী করিয়া উহার প্রাণবধ করিব।

এই স্থির করিয়া, ব্যাঘ্র সত্বরগমনে মেষশাবকের নিকট উপস্থিত হইয়া কহিল, অরে দুরাত্মন্। তোর এত বড় আস্পর্দ্ধা যে, আমি জল পান করিতেছি দেখিয়াও, তুই জল ঘোলা করিতেছিস্। মেষ শুনিয়া ভয়ে কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, সে কি

মহাশয! আমি কেমন কবিযা আপনাব পান কবিবাব জল ঘোলা কবিলাম। আমি নীচে জল পান কবিতেছি, আপনি উপবে জল পান কবিতেছেন। নীচেব জল ঘোলা কবিলে উপবে জল ঘোলা হইতে পাবে না।

বাঘ কহিল, সে যাহা হউক, তুই এক বৎসব পূর্ব্বে আমাব বিস্তর নিন্দা কবিয়াছিলি, আজি তোবে তাহাব সমুচিত প্রতিফল দিব। মেষশাবক কাঁপিতে কাঁপিতে কহিল, আপনি অন্যায আজ্ঞা কবিতেছেন, এক বৎসব পূর্ব্বে আমাব জন্মই হয় নাই; সুতবাং তৎকালে আমি আপনকার নিন্দা কবিযাছি, ইহা কিৰূপে সম্ভবিতে পাবে। বাঘ কহিল, হাঁ বটে, সে তুই নহিস্, তোব বাপ আমাব নিন্দা করিয়াছিল। তুই কব্, আব তোব বাপ একই কথা। আর আমি তোব

ওজর শুনিতে চাহি না; এই বলিয়া, বাঘ ঐ অসহায় দুর্ব্বল মেষশাবকের প্রাণসংহার করিল।

भेड़िया और भेड़का बच्चा।

एक भेडियेने, पहाडकी झरनेपर, जल पीते पीते देखा कि कुछ दूरपर, नीचे की तरफ़, एक भेडका बच्चा जल पीता है। यह उसे देखकर मनमें कहने लगा कि भेडके प्राणनाश करके श्रालका श्राहार जुटाऊँ। किन्तु विना दोष एक जीवका प्राणनाश करना श्रच्छा नहीं मालूम होता, श्रतएव एक दोष दिखाकर श्रौर श्रपराधी बनाकर उसका प्राणनाश करूँगा।

यह बात स्थिर करके, भेडिया जल्दी २ चलकर भेडके बच्चेके पास उपस्थित होकर कहने लगा, श्ररे दुरात्मा! तुझे इतना घमण्ड है, कि मुझे जल पीते देखकर भी तू जलको गदला करता है। भेडका बच्चा यह बात सुनकर काँपते-काँपते कहने लगा, यह क्या, महाशय। मैंने श्रापके पीनेका जल किस तरह गदला किया? मैं तो नीचे जल पीता हूँ श्रौर श्राप ऊपर जल पीरहे हैं। नीचेका जल गदला करनेसे ऊपरका जल गदला नहीं हो सकता।

भेड़िया कहने लगा, जो हो, तूने एक वर्ष पहले मेरी बहुत निन्दा की थी, आज तुझे उसका समुचित प्रतिफल दूँगा। भेड़का बच्चा कांपते कांपते कहने लगा, आप अन्याय कर रहे हैं। एक वर्ष पहले तो मेरा जन्म ही नहीं हुआ था। सुतरां उस समय मैंने आपकी निन्दा की, यह किस भांति सम्भव हो सकता है। भेड़िया कहने लगा,—हां ठीक है, ठीक है। तू यह नहीं है, तेरे बापने मेरी निन्दा की थी। तू करे चाहे तेरा बाप करे एक ही बात है। मैं तेरा कोई और उज्र सुनना नहीं चाहता। ऐसा कहकर भेड़ियेने उस असहाय दुर्बल भेड़के बच्चेके प्राणनाश कर दिये।



ওজর শুনিতে চাহি না; এই বলিয়া, বাঘ ঐ অসহায় দুর্ব্বল মেষশাবকের প্রাণসংহার করিল।

भेड़िया और भेड़का बच्चा।

एक भेड़ियेने, पहाड़के झरनेपर, जल पीते पीते देखा कि कुछ दूरपर, नीचे की तरफ़, एक भेड़का बच्चा जल पीता है। वह उसे देखकर मनमें कहने लगा कि भेड़के प्राणनाश करके आजका आहार जुटाऊँ। किन्तु विना दोष एक जीवका प्राणनाश करना अच्छा नहीं मालूम होता, अतएव एक दोष दिखाकर और अपराधी बनाकर उसका प्राणनाश करूँगा।

यह बात स्थिर करके, भेड़िया जल्दी २ चलकर भेड़के बच्चेके पास उपस्थित होकर कहने लगा, अरे दुरात्मा! तुझे इतना घमण्ड है, कि मुझे जल पीते देखकर भी तू जलको गदला करता है। भेड़का बच्चा यह बात सुनकर काँपते-काँपते कहने लगा, यह क्या, महाशय! मैंने आपके पीनेका जल किस तरह गदला किया? मैं तो नीचे जल पीता हूँ और आप ऊपर जल पीरहे हैं। नीचेका जल गदला करनेसे ऊपरका जल गदला नहीं हो सकता।

भेड़िया कहने लगा, ओ हो, तूने एक वर्ष पहले मेरी बहुत निन्दा की थी, आज तुझे उसका समुचित प्रतिफल दूँगा। भेड़का बच्चा काँपते काँपते कहने लगा, आप अन्याय कर रहे हैं। एक वर्ष पहले तो मेरा जन्म ही नहीं हुआ था। सुतरां उस समय मैंने आपकी निन्दा की, यह किस भाँति सम्भव हो सकता है। भेड़िया कहने लगा,—हाँ ठीक है, ठीक है। तू यह नहीं है, तेरे बापने मेरी निन्दा की थी। तू करे चाहे तेरा बाप करे एक ही बात है। मैं तेरा कोई और छल सुनना नहीं चाहता'। ऐसा कहकर भेड़ियेने उस असहाय दुर्बल भेड़के बच्चेके प्राणनाश कर दिये।

राजा राममोहन राय।

ब्रह्मसमाज जिसकी सर्व्वोत्तम पताका है, सतीदाह आदि सामाजिक कुसंस्कारों का बन्द होना जिसका गौरवमय यशस्तम्भ है, अकाट्य युक्तियों से भरे हुए ग्रन्थ जिसकी उज्ज्वल बुद्धि के प्रमाण हैं और सैकड़ों हज़ारों लोगों का दृढ़ विश्वास जिसके उच्च चरित्र की सजीव साक्षी है,—उस भारतमाता के सपूत राजा राममोहनराय का जीवनचरित्र पढ़ना प्रत्येक भारतवासी का कर्त्तव्य है। जिसने १६ वर्ष की अवस्था से लगाकर ६० वर्ष की अवस्था तक—मृत्युपर्य्यन्त—भारतवासियों के कल्याण के लिये अहोरात्रि तन-मन-धन से परिश्रम किया, जिसने सामाजिक, धार्म्मिक, और राजनैतिक विषयों में भारतवासियों को केवल शिक्षाही नहीं दी—बल्कि अपने हृदय, हाथ और मस्तिष्क मिलाकर जिसने जीवनव्यापी परिश्रम किया—उसके कार्य्य से परिचित न होना अपने को भूलना है।

इस जीवन-चरित्र के पढ़ने से आपको उपन्यास, इतिहास और जीवनचरित्र तीनों के पढ़नेका आनन्द आवेगा, सारे हिन्दूशास्त्रों का निचोड़ मालूम होगा। पढ़ने ही लायक चीज़ है। छपाई सफाई सर्व्वाङ्गसुन्दर, तिस पर भी २०६ सफों की सुपुष्ट कागज़ पर छपी पुस्तक का मूल्य लागतमात्र ॥) डाक महसूल पैकिंग।)

पता—हरिदासएण्ड कम्पनी

२०१ हरिसनरोड, कलकत्ता

हरिश्चन्द्र	।)	सुनीति	।)
भँझली बहू	।/)	संयोगिता	=)

नाटक।

पद्मा	।)	भारतदुर्दशा	/)
कुसुम	/)	महाराणा प्रताप	।/)

बालोपयोगी पुस्तकें।

पत्रपुष्प	।)	स्वास्थ्योपदेश	/)
पद्योपहार	।/)	उपदेश कुसुमाञ्जलि	/)
बालगल्पमाला	।/)	गल्पगुच्छ	।)
बालोपदेश	=)		

ज्ञानोत्पादक पुस्तकें

हिन्दी भगवद्गीता	१॥)	जीवनीशक्ति	।/)
स्वास्थ्यरक्षा	२॥)	हजरत मुहम्मद साहब	॥)
चरित्र संगठन	॥)	चक्रमन्दीका खजाना	१।)
कर्त्तव्य	॥।)	गुलिस्ताँ (हिन्दीमें)	१।)
राजा राममोहन राय	॥।)	नेलसन	।/)
स्त्रियोंकी पराधीनता	१।)	रामायण रहस्य	॥=)
नैषधचरित चर्चा	॥)	महात्मा बुद्ध	॥)
भारतमें पोर्चुगीज	॥=)	शान्तिसुख (नया संस्करण)	॥)
उस्ताद जौक़	(=)	ब्रह्मयोग विद्या	(/)
महाकवि गालिब	।/)	धर्म्म करणका सुधार	।)
नीतिशतक	॥)	प्राचीनकीर्त्ति (सचित्र)	॥)

नरसिंह प्रेस की उत्तमोत्तम पुस्तकें।

स्वास्थ्यरक्षा	२॥)	नीतिशतक (भर्तृहरि कृत)	॥)
हिन्दी भगवद्गीता	१॥)	महात्माबुद्ध	॥)
गुलिस्तां (हिन्दीमें)	१।)	चरित्र संगठन	॥)
अकलमन्दीका खजाना	१।)	नैषधचरितचर्चा	॥)
स्त्रियों की पराधीनता	१।)	उस्ताद जौक़	।≤)
कर्त्तव्य	॥)	शान्ति और सुख	।/)
स्वर्गीयजीवन	॥)	महाकवि गालिब	।)

दिलचस्प उपन्यास।

शशिप्रभा सुन्दरी ३ भाग	२॥)	रजनी	॥)
राजा राममोहन राय	॥)	बिछुड़ी हुई दुलहिन	॥)
कृष्णकान्तको विल	॥)	सोनामहल	॥)
चन्द्रशेखर	॥)	वीर चूड़ामणि	।/)
विषवृक्ष	॥/)	पाप परिणाम	।/)
मणद्गनता	॥/)	प्रेममाया	।/)
मनहूमा	॥/)	भ्रम और चिन्ता	
शारदकुमारी	॥/)	पतिव्रता कुमोदिनि	
अनाथबालक			
शान्ति (गार्हस्थ उपन्यास)	॥		
इन्दिरा			